जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 9 अगस्त, 2023

N P O NEW PRODUCT OFFER

31 अगस्त, 2023 को बंद हो रहा है।

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

5 महीने में 25 लाख और पजेशन तक 50 लाख तक का रिटर्न

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

1.5 गुना रिटर्न

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप कीमत (लाख में)	NPO New Product Offer आज की रेट	31 अगस्त की रेट +5%	30 सितम्बर की रेट +10%	31 अक्टूबर की रेट +15%	30 नवम्बर की रेट +20%	31 दिसम्बर की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

महान व्यक्ति महत्वाकांक्षा के प्रेम से बहुत अधिक आकर्षित होते हैं। –प्रेमचंद

डिजिटल समय में पढ़ने की पुरानी अवधारणा को गम्भीर चुनौती

जब चवन्नी क्लास में सिनेमा देखने जाने वाली आबादी के लिए सी ग्रेड फिल्में बनती थीं; जब किशोर स्कूलों से भाग कर फिल्में देखते थे; जब बुधवार की रात आठ बजे लोग घरों में और बाजार में दुकानों पर रेडियो सीलोन पर अमीन सयानी का बिनाका गीतमाला प्रोग्राम सुनने के लिए वैसे ही जमा होते थे जैसे किसी धार्मिक कथा में; जब लोग चूड़ीबाजे में चाबी भर कर उस पर रिकॉर्ड चलाते और तीन मिनट का गाना सुन कर निसार हो जाते थे; जब पंप से हवा भर कर स्टोव पिन से उसका नोजल साफ कर रसोई में स्टोव जलाते थे, तभी वह वक्त भी था जब जासूसी कहानियां तथा रोमांस वाले उपन्यास खूब पढे जाते थे। भले ही इनका पढ़ना घरों में त्याज्य था। बड़ों की निगाह बचा कर ही पढना पडता था। हालांकि घर के बडे भी सफर में समय बिताने के लिए ऐसे उपन्यास खरीद कर गटक लेते थे। इसीलिए ऐसे उपन्यास अधिकतर रेलवे स्टेशनों और बसों के अड्डों पर लगी किताबों की दुकानों पर ही सजे मिलते थे। किशोर, पढ़ाई की किताबों में छुपा कर ऐसी कहानियों, उपन्यासों की किताबें और मेग्जीनें पढ़ते थे। उस साहित्य को लुगदी साहित्य माना जाता था जो कम दाम पर बेचने के लिए शीघ्र पीले पड जाने वाले सस्ते अखबारी कागज पर छापा जाता था। आज की पीढ़ी को यह जान कर हैरानी हो सकती है कि यह साहित्य किताबों की दुकानों तथा विशेष लाइब्रेरियों से प्रतिदिन के हिसाब से किराये पर लाकर भी पढ़ा जाता था। इसी लुगदी साहित्य ने पिछली सदी के पांचवें दशक की पीढ़ी में पढ़ने की लत डाली जो उन्हें क्लासिक पढ़ने तक आगे ले जा सकी। उसी पीढ़ी ने घरेलू लाइब्रेरी योजना के सदस्य बन कर घर बैठे पेंगुइन बुक्स भी मंगवाई और पढ़ी और उसके जरिए भारतीय और विश्व साहित्य और उनके महान लेखकों से पहला परिचय पाया। इस प्रकार उस पीढ़ी को पढ़ने की जो लत लगी वह ताउम्र उसके साथ रही। कहा भी जाता है कि किशोर वय में जो चीज सीख ली जाती है वह उम्र भर साथ नहीं छोड़ती। लेकिन यह भी सच है कि विद्यार्थियों में पढ़ने की लत हमारी संस्थागत शिक्षा व्यवस्था नहीं डाल सकी और आज हम ऐसे मुकाम पर अपने को पाते हैं जब हर तरफ कहा जा रहा है कि किताबों को अब कौन पढ़ता है? अब तो सभी अपने स्मार्ट फ़ोनों में आंखें गड़ाए रहते हैं। किन्तु दूसरी तरफ हम अपने आसपास तो यही देखते हैं कि धड़ाधड़ किताबें छप रही हैं। इतने नए-नए लेखक और कवि सामने आ रहे हैं, भले ही अनेक रचनाकार अपने खुद के पैसों से अपनी किताबें छपवा रहे हों। लोग धुआंधार लिख रहे हैं और राजकोष से वित्त पोषित अकादमियां उन्हें ढेर सारे इनाम ही नहीं दे रही बल्कि उनको प्रकाशन सहयोग भी दे रही हैं। ऐसे में आज के डिजिटल समय में यह पड़ताल जरूरी भी है कि सच में किताबें अब कौन पढ़ रहा है।

किताब उस मुद्रण युग की देन है जो ज्ञान के मौखिक प्रसारण और डिजिटल युग के बीच का काल है। यह काल पश्चिमी जर्मन के शहर मैन्ज से शुरू होता है, जहां गुटेनबर्ग ने 1455 में अपना पहला छापाखाना स्थापित किया। गुटेनबर्ग के नवाचार के कारण ही पुस्तकों का छप कर पाठकों के हाथों में पहुंचना संभव हुआ और प्रकाशन व्यवसाय का विकास हो सका। बहुत से अध्येता तो यह भी मानते हैं कि प्रिंटिंग प्रेस के जरिए ही संस्कृति, धर्म और ज्ञान में बदलाव आ सके और बढ़ा जा सका। यह भी माना जा रहा है कि डिजिटल के अनुसरण में आगे और भी क्रांतियां होंगी जो मुद्रण की शुरुआत के बाद हुई धार्मिक और सामाजिक उथल-पुथल को प्रतिध्वनित करेंगी।ऐसा मानने वालों को लगता है कि राष्ट्र और राज्य के विचार को इस नई प्रौद्योगिकी से ही चुनौती मिलेगी। इससे पुराने सामाजिक मानदंड भी बदलेंगे। वे कहते हैं कि पहचान की राजनीति जैसी ऑनलाइन बहसों को जो लोग खारिज करेंगे वे नए ज़माने को समझने का अवसर खो देंगे। इस पड़ताल में एक चीज स्पष्ट नज़र आती है कि छपाई के इतिहास पर तो अनगिनत किताबें लिखी गई हैं, किन्तु पढ़ने के इतिहास पर बहुत कम किताबें हैं। हम कैसे पढ़ते हैं, इस विज्ञान को समझने की ओर ध्यान कम ही गया है। उन्नीसवीं सदी के मध्य में मुद्रण का बहुत बड़ा विस्तार हुआ। समाचार पत्र, पत्रिकाएं, पोस्टर, बिल बोर्ड और सस्ते उपन्यास जैसा इतना सामने आया कि दार्शनिक जॉन स्टुअर्ट मिल ने अपने समय को 'पढ़ने का युग' कहा। लेकिन उन्हें इस बात की भी चिंता थी कि पाठक के सामने जिस गति और मात्रा में साहित्यिक भोज परोसा जाएगा तो क्या वह कुछ ले भी पाएगा? पश्चिम में वैज्ञानिक प्रयोग करके यह समझने की कोशिश करते रहे हैं कि वास्तव में क्या होता है जब लोग पढ़ते हैं? इन प्रयोगों के मूल में यह विचार रहा कि पढ़ना कोई निष्क्रिय कार्य नहीं है। वह एक सक्रिय काम है। पढ़ने की वैज्ञानिक जांच करने वालों में एक चार्ल्स हब्बार्ड जुड हुए हैं जिन्होंने पढ़ते समय आंखों की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए उपकरण विकसित किया। इनसे भी अधिक महत्वपूर्ण एडमंड बर्क ह्युई थे, जिनकी कृति 'द साइकोलॉजी एंड पेडागॉजी ऑफ रीडिंग' ने 1908 में क्रांति ला दी। जब हम पढ़ते हैं तो हम क्या करते होते हैं, की समझ पर उन्होंने पहली बार प्रकाश डाला। 'टैचिस्टोस्कोप' का उपयोग करते हुए उन्होंने पाया कि शब्दों को अनुभव से पहचाना जाता है। इस प्रकार, पढ़ना केवल दृष्टि का मामला नहीं है, बल्कि वह याद किए गए, पूर्वानुमानित और अनुमानित अर्थों का मामला भी होता है। उनकी इस अवधारणा ने इस विचार को प्रोत्साहित किया कि पढ़ने को सोचने के रूप में सिखाया जाना चाहिए। इसी प्रकार 1940 के दशक में, एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक, सैमुअल रेनशॉ ने विमानों की तेजी से पहचान में सुधार करने की कोशिश के अपने युद्धकालीन अनुभव का उपयोग करते हुए हुए 'स्पीड रीडिंग' का ज्ञान विकसित किया जिसने 20वीं सदी में, सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने में मदद की क्योंकि तब तक लोकतंत्र के विकास को सुनिश्चित करने में साक्षरता और पढ़ने का महत्व समझा जा चुका था। इस प्रकार स्कूलों में पढ़ना सिखाने का दृष्टिकोण, और सार्वजनिक पुस्तकालयों द्वारा निभाई गई भूमिका दुनिया भर में आबादी के बड़े हिस्से को छपी हुई चीजें पढ़ा कर ही लोकतांत्रिक समाज को जोड़ने में महत्वपूर्ण बनी।

> **अनेक पाठक अब कागज की बंधी किताब को छोड़ कर जब 'किंडल' (डिजिटल किताब) की राह पर भी हो लिए हैं जिसे मशीन बोल कर सुना भी सकती है। फिर भी ऐसे लोग अब तक बचे हुए हैं जो भौतिक रूप में किताबों को पसंद करते हैं। किताबों की गंध, उनका अनुभव, पढ़ने का संवेदी अनुभव उन्हें सुकून देता है। वे सीने पर किताब रखे सो भी जाते है। ऐसे लोग भी हैं जो किताब खरीदना एक नेक काम मानते हैं।**

एक अध्येता जिसका नई समझ पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा वह है मार्शल मैक्लुहान। उसके 'द गुटेनबर्ग गैलेक्सी' (1962) ने मीडिया युग के 'नैतिक आतंक' के बारे में लोगों के विचारों को गहराई तक प्रभावित किया। उसका तर्क था कि समाज को यह समझने में देर हो गई है कि 'माध्यम ही संदेश है'। मैकलुहान ने यह भी कहा कि मुद्रित पृष्ठ 'मन की अनोखी आदतों का निर्माता' होता है। इस अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए अनुभूति की मानसिक प्रक्रियाओं पर स्क्रीन-रीडिंग के प्रभाव में रुचि रखने वाले न्यूरोवैज्ञानिकों ने हाल के दिनों में वर्तमान तकनीकी रीडिंग के प्रभावों के बारे में चिंता जताई है। अमरीका के नेशनल असेसमेंट ऑफ एजुकेशनल प्रोठोस के अनुसार, 2017 और 2019 के बीच 17 अमेरिकी राज्यों में साक्षरता में गिरावट देखी गई जिसके लिए पढ़ने में आए बदलाव को जिम्मेवार माना जा रहा है। किन्तु क्या यूट्यूब और टिकटॉक के युग में पढ़ना अब भी एक जरूरी कौशल के रूप में देखा जाना चाहिए जिसमें सभी नागरिकों को दक्ष हों? अध्येताओं का कहना है कि पढ़ने के कौशल, और जो पढ़ा जाता है उसकी समझ, को सभी के लिए, विशेषकर युवाओं के लिए कैसे सुलभ बना सकते हैं इस पर काम करना जरूरी है क्योंकि इसका उनके जीवन की संभावनाओं पर गंभीर प्रभाव पड़ने वाला है। पढ़ने और लिखने दोनों के क्षेत्र में अब चैट जीपीटी प्रवेश कर चुका है जिसके लिए तो यहां तक कहा जाने लगा है कि इससे हमें खुद पाठों (टेक्स्ट) को पढ़ने और समझने की ज़रूरत ही नहीं रहेगी। हमारा यह बोझ कंप्यूटर का 'एल्गोरिद्म' उठा लेगा। इस प्रकार मशीनी बुद्धि 'एआई' द्वारा सक्षम किए गए अत्यधिक डेटाफिकेशन के कारण हमें पारंपरिक पढ़ने को बड़ी चुनौती मिलती दिख रही है। हालांकि अतीत में किताबों का वृहद उत्पादन और पढ़ने का अभ्यास जबरदस्त तरीके से प्रभावशाली रहा है, मगर अब आगे क्या होगा जब एल्गोरिद्म मनुष्यों की तुलना में अधिक रीडिंग करने लगेगा? उससे समाज कैसे बदल जाएगा उसकी चिंता बहुतों को सता रही है। पब्लिशर्स वीकली ने भी हाल ही में बताया कि इस साल की पहली छमाही के लिए किताबों की बिक्री एक बार फिर कम हो गई है। किताबों की बिक्री में गिरावट कोविड महामारी के बाद से ही जारी है। अनेक पाठक अब कागज की बंधी किताब को छोड़ कर जब 'किंडल' (डिजिटल किताब) की राह पर भी हो लिए हैं जिसे मशीन बोल कर सुना भी सकती है। फिर भी ऐसे लोग अब तक बचे हुए हैं जो भौतिक रूप में किताबों को पसंद करते हैं। किताबों की गंध, उनका अनुभव, पढ़ने का संवेदी अनुभव उन्हें सुकून देता है। वे सीने पर किताब रखे सो भी जाते है। ऐसे लोग भी हैं जो किताब खरीदना एक नेक काम मानते हैं। ऐसे ही नेक लोग किताबें कौन पढ़ता है के झंझावात में नांव को थामे रखने की अपनी भूमिका निभा रहे हैं। यह भरोसा देता है कि किताबें रहेंगी और हाथ में लेकर उन्हें पढ़ने वाले भी रहेंगे।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

सेहत से अर्थव्यवस्था तक, ऐसे किस्मत बदलेगा "मोटा अनाज"

अविनाश जोशी

बदलती जीवन शैली एवम स्वास्थ के प्रति जागरूक नई पीढ़ी अपनी पुरातन परम्पराओं का सम्मान करे एवम स्वस्थ विश्व के निर्माण में सहायक भूमिका अदा करे इस मुहिम को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को "मोटे अनाज का अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष" के रूप में घोषित किया है। वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव भारत द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से और 72 देशों के समर्थन से अपनाया गया था। भारतीय पुरातन परम्पराओं के प्रति विश्व के देशों का इससे बड़ा सम्मान शायद और कुछ नही हो सकता। उदार चरित और वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत वाले भारत के मोटा अनाज वर्ष के प्रस्ताव की महत्ता को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र ने इसे स्वीकार किया और अब हम सभी भारतीयों का उत्तरदायित्व है कि हम अपने अपने स्तर पर इसे सफल बनाने के लिए प्रयास करें।

मोटा अनाज जो काफी समय से लोगों की थाली से गायब है। जिसका परिणाम ये है कि तमाम बीमारियां लोगों को घेर रहीं हैं। अब भारत सरकार मोटे अनाजों को फिर थाली में वापस लाने का प्रयास कर रही है। भारत के प्रस्ताव पर 72 देशों के समर्थन के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ ने साल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है। अब पूरी दुनिया में मोटे अनाजों से जोड़कर कई आयोजन किए जा रहे हैं। एक तरफ राज्य सरकारें किसानों को मोटे अनाज उगाने के लिए प्रेरित कर रही हैं तो वहीं लोगों को थाली तक इसे पहुंचाने के लिए भी जागरुक किया जा रहा है। वैसे तो दुनिया में मिलेट की 13 वैरायटी मौजूद है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के लिए 8 अनाजों– बाजरा, रागी, कुटकी, संवा, ज्वार, कंगनी, चेना और कोदो को शामिल किया गया है। हमारा देश पूरे विश्व में मोटे अनाज के उत्पादन में पहले स्थान पर है और देश भर में मोटे अनाज के उत्पादन में राजस्थान सबसे ऊपर है। कभी मोटा अनाज गरीबों का भोजन हुआ करता था। समय और परिस्थितियां बदली तो मोटे अनाज की कीमत बढ़ गई। पूर्ण औषधीय के रूप में अब मोटा अनाज काम आने लगा है।

कोविड-19 के बाद भारत में मोटे अनाज के प्रयोग का महत्व और उपयोग में वृद्धि हुई है। महामारी ने खाद्य सुरक्षा और पोषण की अहमियत को और ज़ोर दिया है, और इसके चलते मोटे अनाजों का सेवन और उत्पादन महत्वपूर्ण हो गया है। कोविड-19 महामारी के समय, खेती और अनाज के उत्पादन में कई संगठनों ने नए तकनीकों और विधियों का उपयोग किया है ताकि किसानों को अधिक उत्पादकता की विधियों से लाभ मिल सके। विशेषकर सुखे क्षेत्रों में, अनाज की खेती के लिए नए जलवायु-संरक्षणीय तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है जिससे उन्नत खेती एवम बेहतर फसल मिल सके। कोविड के बाद किसानों को खेती के लिए बेहतर बीज और खाद्य पदार्थों की पहचान करने में भी ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है ताकि पौष्टिकता और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

अच्छा, मोटा अनाज पुरानी परंपरा है जो हमारे देश में भोजन की एक महत्वपूर्ण विधा है। यह परंपरा देश भर में अपने विविधता और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। इनका उपयोग भोजन बनाने के साथ-साथ आपसी रिश्तों को मजबूत करने में भी होता है। मोटे अनाज की पुरानी परंपरा भारतीय खेती और भोजन संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें गेहूं, चावल, जौ, मक्का, बाजरा और रागी जैसे अनाज शामिल होते हैं। इन सब की खेती भारत में की जाती हैं एवं यह सब मिलेट्स पौष्टिक भोजन का मुख्य स्त्रोत हैं। इन्हें दालों, सब्जियों, और दूध उत्पादों के साथ सेवन किया जाता है, जो संतुलित आहार के लिए महत्वपूर्ण होता है। भारतीयों के लिए अनाजों का सेवन एक संपूर्ण आहार सिद्धांत का महत्वपूर्ण अंग है, यह पुरातन समय से हमारे जीवन का अंग रहा है।

धार्मिक ग्रंथों एवम पौराणिक कथाओं में मोटे अनाज का उल्लेख काफी सामान्य है, खासकर हिंदू धर्म के ग्रंथों में। वेद, पुराण, रामायण, महाभारत, उपनिषद, भगवद गीता, विष्णु पुराण, वायु पुराण, भागवत पुराण, आदि ग्रंथों में मोटे अनाज जैसे– गेहूं, चावल, जौ, मक्का, बाजरा का सम्बन्ध भगवान और धर्म से किया गया है। इन ग्रंथों में खेती, खाद्य, पौष्टिकता, भोजन, यज्ञों, व्रतों, और संस्कृति से सम्बंधित विभिन्न विषयों के संबंध में उल्लेख किया गया है। इन धार्मिक ग्रंथों में अनाजों का उचित उपयोग और सेवन धार्मिक और सामाजिक मानदंडों के अनुसार करने के विधान का उल्लेख है।

भारतीय परम्पराओं में मिलेट्स का प्रयोग मुख्य रूप से अन्नप्राशन संस्कार, सगाई, विवाह एवम धार्मिक उत्सवो में प्रचुर मात्रा में करने का विधान है अन्नप्राशन संस्कार में बच्चे को पहली बार अनाज खिलाने का विधान होता है,जिससे उसके आहार का आधार अनाज पर रखा जाता है। भारतीय विवाह समारोहों में भी मोटे अनाज का प्रयोग अहम है। विभिन्न धार्मिक उत्सवों में मोटे अनाज का प्रयोग भोजन में किया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में मोटे अनाज का प्रयोग बहुत सी और प्रथाओं में किया जाता है, जो विभिन्न रूपों में खासतौर से अवधारणा, समर्थन, और परंपराओं के आधार पर होता है।

बुवाई के समय मोटे अनाज का लोक गीतों में उल्लेख भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है। मोटे अनाज का प्रचलन बढ़ने से जनसामान्य सहित किसानों को लाभ मिलने की बड़ी सम्भावना है एक ओर इससे कुपोषण की समस्या से निपटने का नया और सरल मार्ग मिलेगा वहीं दूसरी ओर इससे किसानों की आय दोगुनी होने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। यही कारण है कि मोटा अनाज वर्ष में एक ओर किसानों को इन अनाजों की खेती करने के लिए जागरूक किया जाएगा और दूसरी ओर लोगों को मोटे अनाज के महत्व से अवगत कराया जाएगा जिससे इनकी खपत बढ़े और किसान इनकी खेती में रूचि दिखाएं। इसके अतिरिक्त मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इस वर्ष इसके समर्थन मूल्यों में भी वृद्धि कर दी है।

हरित क्रांति भारत में खेती के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन की एक घटना थी, जिसका अर्थ होता है 'हरा अनुदान' या 'हरित क्रांति'। यह अवधि 1960 और 1970 के दशक में भारत में विज्ञान और तकनीकी उन्नति के परिणामस्वरूप खेती में उत्पादन को बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीकों और जलवायु विशेषताओं का प्रयोग करके हुई। हरित क्रांति के पहले, भारत में अनाज की उपज गुणवत्ता में कम थी, जिससे भूखमरी और खाद्य सुरक्षा की समस्या थी। इसके समाधान के लिए, विशेषज्ञों ने मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ाने के लिए नए तकनीकों का प्रयोग किया।

मोटा अनाज उपभोक्ता, उत्पादक व जलवायु तीनों के लिए अच्छा माना गया है। ये पौष्टिक होने के साथ कम पानी वाली सिंचाई से भी उगाए जा सकते हैं। विषेषज्ञों का मत है कि कुपोषण मुक्त और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिये मोटे अनाज की अहम भूमिका होगी और इसके लिए देशों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। मोटे अनाज को प्रोत्साहन वर्तमान समय की मांग भी है क्योंकि यह अनाज आधुनिक जीवन शैली में बदलाव के कारण सामने आ रही कई बीमारियों व कुपोषण को रोकने में सक्षम है। इसके अलावा मोटे अनाज देश की खाद्य और पोषण सुरक्षा में बड़े पैमाने पर योगदान करते हैं। इन्हें न्यूट्री-सीरियल्स के रूप में जाना जाता है क्योंकि ये मानव शरीर के सामान्य कामकाज के लिए आवश्यक अधिकांश पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

मोटे अनाज में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) होता है और यह मधुमेह की रोकथाम से भी मददगार होता है। ये आयरन, जिंक और कैल्शियम जैसे खनिजों का अच्छा स्त्रोत हैं। मोटे अनाज वजन कम करने और उच्च रक्तचाप में मददगार होते हैं। इनका आम तौर पर फलियों के साथ सेवन किया जाता है, जो प्रोटीन युक्त होता है। भारत के शीर्ष पांच मोटा अनाज उत्पादक राज्य हैं – राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश। मोटा अनाज निर्यात का हिस्सा कुल उत्पादन का एक प्रतिशत है। अनुमान है कि 2025 तक मोटे अनाज का बाजार वर्तमान 9 बिलियन डॉलर बाजार मूल्य से बढ़कर 12 बिलियन डॉलर हो जाएगा।भारत जिन प्रमुख देशों को मोटे अनाज का निर्यात करता हैं, उनमें संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, सऊदी अरब, लीबिया, ओमान, मिस्त्र, ट्यूनीशिया, यमन, ब्रिटेन तथा अमेरिका हैं। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले मोटे अनाजों में बाजरा, रागी, कनेरी, जवार और कुट्टू शामिल हैं। मोटे अनाज आयात करने वाले प्रमुख देश हैं – इंडोनेशिया, बेल्जियम, जापान, जर्मनी, मेक्सिको, इटली, अमेरिका, ब्रिटेन, ब्राजील और नीदरलैंड।

इस साल मोटे अन्न को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रम तय किए गए हैं। 140 से अधिक देशों में भारत के दूतावास 2023 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के उत्सव, आयोजित करके प्रदर्शनी, सेमिनार, वार्ता, पैनल चर्चा के साथ-साथ स्थानीय वर्गो की भागीदारी, भोजन ब्लॉगर्स, खाद्य पदार्थों के आयातक और स्थानीय रेस्तरां आदि में भाग लेंगे। इसके अलावा बाजरा जी-20 बैठकों का भी एक अभिन्न हिस्सा है। इसके तहत प्रतिनिधियों को इसे चखने, किसानों से मिलने और स्टार्ट-अप के साथ संवादात्मक सत्रों के माध्यम से बाजरा को लेकर अनुभव प्रदान किया जाएगा। इस संकल्प का आशय मिलेट्स के स्वास्थ्यवर्धक होने और जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम की विपरीत परिस्थितियों में भी उनकी उपयुक्त पैदावार के बारे में जन जागरूकता को बढ़ाना है। भारत में इसकी लोकप्रियता को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान दिवस से ठीक एक दिन पहले संसद में मोटे अनाज से बने व्यंजनों की दावत आयोजित की।

भारत सरकार ने मोटे अनाज के प्रति बढ़ती जागरूकता के मद्दे नज़र मोटे अनाज को श्री अन्न नाम दिया है। अन्न एवम अनाज के प्रति आदर एवम सम्मान का इससे बड़ा उदाहरण विश्व के किसी भी देश में संभव नही है। पुराने वक्त में भारतीय लोगों का भोजन रहे मोटा अनाज एक बार फिर सुर्खियों में है एवम उच्च जीवन शैली तथा आधुनिकता के हिमायती वर्गो में फिर अपनी धाक जमाने को तत्पर है। लौट रहा मोटे अनाज का पुराना दौर व अहमियत पता चली तो बड़ी नामी-गिरामी कंपनियों ने शुरू की मार्केटिंग एवं अपने उत्पादों की मुख्य श्रेणी में मोटे अनाज को स्थान देने लगी है। 'श्री अन्न' के नाम को विज्ञापित कर आम जन की जुबान पे लाने का काम देश की जागरूक संस्थाएं एवम स्थानीय सरकारों को करना चाहिए जिससे इस अदभुत अन्न का उपयोग आम जन जीवन का एक हिस्सा बन सके।

जाने कितने थे अन्न यहाँ?
एक-दूजे से प्रसन्न यहाँ।
जब आया दौर सफेदी का, हो गए मगर सब खिन्न यहाँ।

– अविनाश जोशी,
स्वंतत्र पत्रकार एवं लेखक

शहरी ओलम्पिक खेलकूद प्रतियोगिताओं से पंजीकृत खिलाड़ी नदारद

वॉलीबाल प्रतियोगिता में भाग लेती बालिकाएं।

- **वहीं ग्रामीण ओलम्पिक खेलों में ग्रामीणों मे खेलों के प्रति उत्साह**
- **शहरी ओलम्पिक खेल मैदानों मे खेल देखने के लिये दर्शक तक नहीं पहुंच रहे हैं**

बीदासर, (निसं)। कस्बे के राजेन्द्र सुरेन्द्र चौरड़िया स्टेडियम में नगर पालिका के सौजन्य से चल रहे राजीव गांधी शहरी ओलम्पिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के चौथे दिन विभिन्न खेलों में पंजीकृत खिलाड़ी नदारद रहने से खेल नहीं खेले गये। शहरी ओलम्पिक खेलों के प्रति खिलाड़ियों का रूझान कम तो वहीं ग्रामीण ओलम्पिक खेलों में ग्रामीणों मे खेलों के प्रति उत्साह होने के कारण नौजवान से लेकर बुजुर्ग तक उत्साह से बढ़चढ़ कर खेलों मे भाग ले रहे हैं। वहीं शहरी ओलम्पिक खेल मैदानों मे खेल देखने के लिये दर्शक तक नहीं पहुंच रहे है। खेल मैदानों मे सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है।

नोडल ऑफिसर डॉ. सरदार सिंह रेवाड़ ने बताया कि कस्बे के विभिन्न खेल मैदानों पर खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। महिला वर्ग खो-खो में विपक्ष की टीम उपस्थित नही होने के कारण टीम कैप्टन तानिया की टीम संख्या 103062 को विजेता घोषित किया गया। इसी प्रकार कबड्डी महिला वर्ग में विपक्ष की टीम खेल मैदान में उपस्थित नहीं होने के कारण टीम कैप्टन धर्मा चौहान की टीम को विजेता घोषित किया गया। महिला टेनिस बॉल क्रिकेट में विपक्ष की टीम उपस्थित नहीं होने के कारण टीम कैप्टन योगिता की टीम को विजेता घोषित किया गया।

शारीरिक शिक्षक पवन कुमार जांगिड़ ने बताया कि पुरूष वर्ग टेनिस बॉल क्रिकेट में टीम कैप्टन राजेश गुसाईवाल की टीम विजेता रही। वहीं बांठिया स्कूल के परिसर में आयोजित वॉलीबॉल मैच में पुरुष वर्ग में फाइनल मुकाबला कैप्टन बनवारी लाल और मोहम्मद आदिल की टीम के बीच हुआ। इस रोचक मुकाबले में कैप्टन मोहम्मद आदिल की टीम फाइनल में विजेता रही।

नगर परिषद ने सीवर का गंदा पानी खेतों में छोड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। चक 6 जैड ए में रह रहे लोगों व किसानों ने नगर परिषद के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। वजह है परिषद द्वारा यहां कचरा प्वाइंट के पास खेतों में सीवर का गंदा पानी छोड़ दिया गया है। यह स्थिति बीते एक सप्ताह से है। स्थानीय बृजलाल माली ने बताया कि उन्होंने साढ़े 4 बीघा खेत में सब्जी लगा रखी थी। वहीं पास ही पशुओं के लिए चारा लगाया गया है। नगर परिषद द्वारा बड़ी मात्रा में सिवर का गंदा पानी खेतों में छोड़ दिया गया। इस वजह सारी सब्जियां व चारा खराब हो गया है।

- **फसलें चौपट हो रही है, लोगों व किसानों ने नगर परिषद के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया**
- **पानी की वजह से खेतों में घुस पाना तक मुश्किल हो गया है। इस संबंध में अनेक बार नगर परिषद के अधिकारियों को अवगत कराते हुए परेशानी बताई**
- **किसानों का कहना है कि इस संबंध में कलेक्टर से मिलकर परेशानी से अवगत कराया जाएगा**

पानी की वजह से खेतों में घुस पाना तक मुश्किल हो गया है। इस संबंध में अनेक बार नगर परिषद के अधिकारियों को अवगत कराते हुए परेशानी बताई, लेकिन समस्या का समाधान आज तक नहीं हुआ। इन हालातों में कैसे किसान परिवार का पालन-पोषण कर सकेंगे। किसानों का कहना है कि इस संबंध में मंगलवार कलेक्टर से मिलकर परेशानी से अवगत कराया जाएगा। वहीं परिषद द्वारा फसलें खराब कर देने का मुआवजा भी मांगा जाएगा। साथ ही दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी। गंदे पानी की वजह से फसलें चौपट होने लगी है। हाईकोर्ट में नगर परिषद के खिलाफ याचिकाकर्ता राजकुमार सैनी का कहना है कि नगर परिषद हर स्तर पर स्थानीय लोगों व किसानों को परेशान करने में लगी है। करीब 10 साल हड्डारोड़ी की वजह से परेशानी भुगती, हाईकोर्ट के आदेश पर बंद करवाई तो शहर का कचरा डालना शुरू कर दिया। न्यायालय में मामला विचाराधीन है।

अब परिषद द्वारा शहर के गड्ढों का गंदा पानी खेतों में छोड़ा जा रहा है। सिवर वेस्ट की वजह से यहां 24 घंटे भयंकर दुर्गंध आती रहती है। सैनी सहित अन्य का कहना है कि नगर परिषद द्वारा हाल ही पुरानी आबादी के वार्डों को राहत के नाम पर गड्ढों से लिंक चैनल को जोड़कर पानी पहुंचाने के दावे किए गए। ऐसे में इलाके के किसानों को भी खुशी हुई, लेकिन जैसे ही परिषद द्वारा यहां खेतों में यह गंदा पानी छोड़ा गया, इसके बाद से किसानों में आक्रोश है। परिषद द्वारा गंदा पानी बंद नहीं किया गया तो लोग धरना प्रदर्शन करेंगे, शहर से कचरा प्वाइंट पर भेजी जा रही ट्रेक्टर-ट्रालियां व टेंपो के वापस लौटाया जाएगा। ऐसे में सवाल यह उठता है कि खेतों में ही गंदा पानी छोड़ना था तो करोड़ों रुपए लिंक चैनल के नाम पर क्यों खर्चे किए जा रहे हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 9 अगस्त, 2023

द्वि. सावन मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 2:29 तक, वृद्धि योग दिन 3:40 तक, तैतिल करण सांय 4:02 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 7:43 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन-रात है। ज्वालामुखी योग रात्रि 2:29 से रात्रि 4:12 तक है। कुमार योग रात्रि 4:12 से सूर्योदय तक है। आज विश्व आदिवासी दिवस है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:16 तक, शुभ 10:54 से 12:31 तक, चर 3:44 से 5:27 तक, लाभ 5:27 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:06

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक अनावश्यक वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 09 प्रभात जयपुर, बुधवार 9 अगस्त, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

DOST DOST NA RAHA...

Cheen, Arab Humara, Hindustan Hamara, Rehno Ghar Nahin Hai – Hindustan Hamara

The Rise of Makeba ... Part Deux

The song, which has been gracing fitness, cooking and home cleaning videos on Instagram, has a far deeper meaning and history

'प्र.मंत्री का मौन व्रत तुड़वाने के लिये हम अविश्वास प्रस्ताव लाये हैं'

इण्डिया की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पेश करते हुए कांग्रेस के गौरव गोगोई ने कहा कि, मणिपुर 80 दिन से लगातार जल रहा है, पर प्र.मंत्री इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। सत्तारूढ़ भाजपा पर आक्रामक होते हुए आज कांग्रेस ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया को सरकार के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए बाध्य होना पड़ा ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर में जातीय हिंसा तथा चीन की घुसपैठ पर अपनी "चुप्पी की कसम" तोड़कर कुछ तो बोलें।

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा, "हमें अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए बाध्य होना पड़ा। यह संख्या का मामला नहीं बल्कि मणिपुर के लिए न्याय का है। मैं यह प्रस्ताव रखता हूं कि सदन सरकार में अविश्वास जताता है। इंडिया यह प्रस्ताव मणिपुर के लिए लाया है। मणिपुर को न्याय चाहिए।

- गौरव गोगोई ने कई राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे गिनाए, जैसे किसान आंदोलन, महिला रैसलर्स, जिन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कुश्तियों में भारत के लिये मैडल जीते, के यौन उत्पीड़न का मामला हो, चाहे सीमा पर चीन के अतिक्रमण की घटनाएं हों, चाहे गुजरात के विवादित उद्योगपति (अडानी उद्योग समूह) द्वारा शेयर के दामों में हेराफेरी का मसला हो, प्र.मंत्री मोदी की चुप्पी ही सुनायी दी।
- गोगोई ने यह भी कहा कि, प्र.मंत्री मौन व्रत इसलिये धारण करते हैं, क्योंकि उनका व्यक्तित्व ऐसा है कि, वे अपनी गल्ती स्वीकार नहीं कर सकते और चुप रहना ही ठीक समझते हैं।
- गोगोई की इस टिप्पणी पर विपक्ष व भाजपा के बीच काफी नारेबाजी व शोर गुल हुआ।
- संसदीय मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने टिप्पणी की कि, क्यों राहुल गांधी का नाम प्रस्ताव को पेश करने के लिये प्रस्तावित कर, विपक्ष द्वारा हटा लिया गया।
- गोगोई ने पलट वार करते हुए कहा, क्या मैं वह सब बता दूं, जो लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में प्र.मंत्री ने कहा था।
- अमित शाह ने इस वाक् युद्ध में हस्तक्षेप करते हुए कहा "आप प्र.मंत्री पर आरोप अप्रमाणित तथ्यों के आधार पर नहीं लगा सकते।
- बहस बुधवार को भी जारी रहेगी।

लोकसभा में प्रस्ताव पर चर्चा आरंभ करते हुए गोगोई ने मणिपुर पर केन्द्रित तीन प्रश्न पूछे, प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया, राज्य पर चुप्पी तोड़ने में उन्हें 80 दिन क्यों लगे और उन्होंने मुख्यमंत्री को बर्खास्त क्यों नहीं किया।

असम के इस कांग्रेसी नेता ने तीन मांगें भी रखते हुए कहा कि विपक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिजम
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

'न्यूज़क्लिक पर लगे सभी आरोप निराधार व झूठे हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। न्यूज़क्लिक के संस्थापक एडिटर-इन-चीफ प्रबीर पुरकायस्थ (71) ने मंगलवार को एक बयान जारी किया तथा दृढ़तापूर्वक कहा कि कुछ राजनेताओं (सूचना-प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर तथा झारखंड के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे) तथा मीडिया के कुछ वर्गों द्वारा उनके प्रतिष्ठान के खिलाफ लगाये गये आरोप बेबुनियाद एवं तथ्यात्मक एवं कानूनी रूप से निराधार हैं।

- न्यूज़क्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ ने कहा कि, दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यूज़क्लिक के पक्ष में प्रथम दृष्टया केस माना और कम्पनी के अधिकारियों को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यूज़क्लिक के पक्ष में एक प्रथम दृष्टया केस में कंपनी के बहुत से अधिकारियों को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था। इसके अतिरिक्त, दिल्ली के एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (स्पेशल एक्ट्स) ने आयकर विभाग द्वारा न्यूज़क्लिक के खिलाफ दायर की गई शिकायत को, मैरिट रहित पाते हुये, खारिज कर दिया है।

उन्होंने कहा, "पिछले 12 घंटों में,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण की तैयारी में हैं राहुल गांधी?

महात्मा गांधी के जन्मतिथि से बापू की जन्मस्थली पोरबन्दर से यह दूसरा चरण शुरू होने की संभावना है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। ऐसी संभावना है कि राहुल गांधी महात्मा गांधी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर को बापू के जन्म स्थान पश्चिमी गुजरात के पोरबन्दर से भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण शुरू करेंगे, जिसका समापन मणिपुर में होगा।

राहुल ने अपनी शौकिया राजनेता की छवि को विपक्षी ताकतों को संगठित करने वाले तथा धर्मनिरपेक्ष सोच के हिमायती नेता की छवि में रूपान्तरित कर लिया है। इस प्रक्रिया में उनकी सप्ताहांत के राजनेता की छवि पूरी सफलता के साथ ध्वस्त हो चुकी है तथा सतत् रूप से बढ़ते जा रहे आमजन सम्पर्क के साथ अब वे एक जीवंत राजनेता के रूप में प्रतिष्ठित हो चुके हैं। वे किसानों के साथ फसलों की बुवाई करते हुए तथा मंडियों में सब्जी विक्रेताओं के साथ संवाद करते हुए दिखाई देते हैं। विपक्षी नेताओं ने संसद में हाल ही में हुये उनके पुनः प्रवेश का जिस तरह से स्वागत किया, उससे यह संदेश तो जाता हुआ प्रतीत होता ही है कि वे विपक्षी राजनीति के केन्द्रीय व्यक्तित्व के रूप में उभर कर आ चुके हैं।

आगामी सप्ताहों एवं महीनों में, राहुल का बड़ा व्यस्त कार्यक्रम रहेगा। संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाली बहस के दौरान, लोकसभा में होने वाले उनके बहु प्रतीक्षित भाषण के बाद, अपने लोकसभा क्षेत्र का उनका यह पहला दौरा होगा। 31 अगस्त एवं 1 सितंबर को विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं की तीसरी मीटिंग के सिलसिले में, वे मुम्बई में होंगे।

- गुजरात कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नाना पटोले ने पत्रकारों को बताया कि, गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने राहुल गांधी को यह निमंत्रण दिया है कि वे पश्चिम से पूर्व तक की भारत जोड़ो यात्रा महात्मा गांधी व पटेल के गृह राज्य से शुरू करें।
- अभी यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि, भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण क्या उन सभी राज्यों से होकर गुजरेगा, जहां विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।
- जयराम रमेश ने भी इस संदर्भ में बताया कि, यह द्वितीय चरण, पहले चरण से छोटा होगा तथा इसमें सहयात्री भी कम होंगे।

गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने अहमदाबाद में पत्रकारों को बताया कि राज्य कांग्रेस ने राहुल को भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण "महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमि से" शुरू करने के लिये आमंत्रित किया है। अभी यह ज्ञात नहीं है कि "पश्चिम से पूर्व की यह यात्रा" चुनावाधीन मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा तेलंगाना राज्यों से गुजरेगी अथवा नहीं। बताया जाता है कि कांग्रेस ने यात्रा के दूसरे चरण के लिये यात्रा के मार्ग तथा लॉजिस्टिक्स विवरण को अंतिम रूप देने के लिये एक कमेटी का गठन कर दिया है।

भारत जोड़ो यात्रा के पहले चरण-कन्याकुमारी से कश्मीर की यात्रा में गांधी 130 से अधिक दिनों की अवधि में 12 राज्यों तथा 2 केन्द्र शासित राज्यों से गुजरे थे। दूसरे चरण की लम्बाई कुछ कम रहने की संभावना है तथा इसमें यात्रियों की संख्या भी पहले से कम रहेगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जानकारी दी कि यह यात्रा "मल्टी-मॉडल" यात्रा होगी लेकिन अधिकांशतः यह पदयात्रा के रूप में ही होगी।

राहुल को 12, तुगलक लेन, बँगला पुनः आवंटित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को मंगलवार को उनका 12, तुगलक लेन पूर्व बँगला फिर से आवंटित कर दिया गया। ज्ञातव्य है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, एक

- राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल होने के अगले ही दिन उन्हें, 12, तुगलक लेन, का वही बँगला आवंटित कर दिया गया, जहां वे लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने से पहले रहते थे।

दिन पूर्व लोकसभा सदस्य के रूप में उनकी बहाली हो गई थी।

लोकसभा की "हाउस कमेटी" ने उन्हें वही बँगला आवंटित करने का निर्णय ले लिया, जिसे उनसे उस समय खाली करा लिया गया था, जब उनकी "मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया ने पीयूष गोयल के खिलाफ विशेषाधिकारी हनन प्रस्ताव पेश किया

विपक्ष का आरोप है कि, राज्यसभा नेता पीयूष गोयल ने विपक्ष के लिये "गद्दार" शब्द का उपयोग किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया ने राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल के विरूद्ध विशेषाधिकार हनन का मामला प्रस्तुत किया है जिन्होंने उन्हें 'गद्दार" कहा था। रमेश ने कहा कि सदन में गोयल के माफी मांगने के अलावा और कुछ स्वीकार्य नहीं है।

जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा, "आज दोपहर 1 बजे इंडिया पार्टियों ने राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला प्रस्तुत किया, जिन्होंने विपक्ष को "गद्दार" कहा था। उनके सदन के भीतर माफी मांगने से कम कुछ भी मंजूर नहीं है।

कुछ समय बाद एक और ट्वीट कर जयराम रमेश ने कहा कि इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने शेष दिन के लिए राज्यसभा से बहिर्गमन कर दिया

- जयराम रमेश ने सभापति धनखड़ को यह प्रस्ताव दोपहर में उनके कक्ष में दिया।
- जयराम रमेश ने कहा कि, जब तक पीयूष गोयल सदन में अपनी इस टिप्पणी पर माफी नहीं मांगते, विपक्ष सदन नहीं चलने देगा।
- पीयूष गोयल ने सभापति से कहा कि, वे सदन की कार्यवाही का रिकॉर्ड मंगा कर देख लें और अगर कोई आपत्तिजनक शब्द हैं तो, उन्हें कार्यवाही से निकलवा दें।
- यह आपत्तिजनक टिप्पणी उस समय हुई थी, जब भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने "न्यूज़क्लिक" एजेंसी द्वारा चीन का भारत में प्रोपेगैण्डा करने के बारे में न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी खबर का मामला उठाया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

S. S. Jain Subodh P. G. Mahila Mahavidyalaya
Rambagh Circle, Jaipur. Tel. 0141-2568096
(A Unit of S.S. Jain Subodh Shiksha Samiti, Jaipur)
www.subodhmahilacollege.com
(AFFILIATED TO THE UNIVERSITY OF RAJASTHAN)
ADMISSIONS OPEN : 2023-2024
Courses Offered
B.Sc.- Biology and Maths
Honours: Physics & Chemistry
B.Com. BBA & BCA
B.A.- Economics, English Lit., Hindi Lit., Home Sc., History, Political Sc., Pub. Admn., Psychology, Sociology & Geography
M.Sc.- Chemistry, Mathematics & Psychology
M.Com.- EAFM & ABST
M.A.- Pub Admn., Economics, English & Psychology
Awarded 3 GOLD MEDALS on the 32nd Convocation Ceremony of the University of Rajasthan
Ms. Komal Mittal B.Sc. (Double Gold Medalist)
Ms. Tanu Mondal B.A. (Gold Medalist)
Rank Holders in Merit List of University of Rajasthan
Ms. Vinita Sharma M.Sc. Chemistry III Rank
Ms. Shagun Pareek M.Sc. Chemistry VII Rank
Ms. Kanchan Ramrakhani M.Sc. Chemistry IX Rank
Ms. Sarika Chouhan M.Sc. Chemistry VII Rank
Ms. Kajol Choursiya M.Sc. Chemistry VII Rank
Ms. Sulekha Sharma B.Sc. VI Rank
Ms. Inderjeet Kaur B.Sc. IX Rank
Ms. Nazmeen Khan BCA III Rank
Ms. Divya Chhabra BCA VII Rank
Ms. Nikita Hada BCA III Rank
Ms. Mansi Soni B.A. III Rank
For Counseling & Admission Query Contact
7877056120 (Commerce) 9413621565 / 9680099327 (Arts)
7073726820 (Science) 9799999700 (BBA) 7737203272 (BCA)
Email: info@subodhmahilacollege.com, subodhmahilacollege99@gmail.com
Short Term Skill Development Courses : • Digital Marketing • Cyber Security • Tally & RS-CIT Certification • Advance Excel • GST Return and ITR Return • Graphics Design • Early Childhood Care Education • Yoga Instructor • Reiki & Sujok Therapy • CA Foundation
Highlights : • Quality Education at Affordable Fee • Highly Qualified & Experienced Faculties • MOUs with Leading Organizations for Internships & Placements • Excellent Placement Opportunities • NSS • State -of-the- Art Laboratories • Wi-Fi enabled Campus • Well stacked Library with E-learning Resources • Well-equipped Seminar Halls • Campus under CCTV Surveillance • Indoor & Outdoor Sports Coaching Facilities • Secure & Spacious Parking Facility • Hygienic Cafeteria • Safe & Green Campus • Soft Skills & Personality Development Trainings
Visit www.subodhmahilacollege.com for Online Admission
For Offline Admission and Further Query contact in the college office between 9.30 AM to 3.30 PM on working days
V.C. Daga Convener
Dr. Renu Joshi Principal

अमेरिका की जानी मानी हार्ली डेविडसन कम्पनी अक्टूबर से भारत में अपनी मोटरसाइकिल बेचना शुरू कर देगी

उसे अपनी मोटरसाइकिल के लिये इतना भारी "रैस्पॉंस" मिला है कि, उसने फिलहाल और बुकिंग लेना बंद कर दिया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। विश्व प्रसिद्ध अमेरिकन मोटर साइकिल निर्माता, हार्ली डेविडसन के वाहनों, जो "हीरो मोटर्स" के साथ हुये सहयोग-अनुबंध के तहत उत्पादित होते है, को इतना जबरदस्त रेस्पॉन्स मिला है कि उसने नई बुकिंग रोक दी हैं।

हार्ली डेविडसन मोटर साइकिलों की भारत में लम्बे समय से भारत में रही हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, हार्ली डेविडसन मोटरसाइकिलें बड़ी संख्या में भारत में आयातित होती थी, जिनका उपयोग भारत तथा शेष एशिया में तैनात अमेरिकन सर्विस मैन किया करते थे।

- हार्ली डेविडसन, हीरो मोटर्स की दिल्ली के नजदीक स्थित फैक्ट्री में अपनी मोटरसाइकिल बनाएगा।
- कुछ वर्ष पहले भी हार्ली डेविडसन ने भारत में प्रवेश का प्रयास किया था, अपने ही प्लान्ट से मोटरसाइकिल का औद्योगिक उत्पादन शुरू करके, पर "कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन" (लागत) इतनी अधिक आयी थी कि, प्रोजैक्ट को त्यागना पड़ा था। पर हीरो मोटर्स की फैक्ट्री में मोटरसाइकिल बनाना, अब इकॉनमी की दृष्टि से हार्ली डेविडसन को माफिक आ रहा है।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद, ये मोटर साइकिलें बड़ी संख्या में दिल्ली में अनुपयोगी स्थिति में पड़ी रहीं। इस असमंजस में कि अब क्या किया जाये, फिर इन मोटर साइकिलों को सस्ते दामों पर स्थानीय बाजारों में बेच दिया गया।

हैवी ड्यूटी मोटर साइकिल होने के कारण, इन्हें मोटराइज्ड शॉर्ट डिस्टैंस कम्यूटिंग व्हीकलों अर्थात ऑटो रिक्शा का रूप दे दिया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

S.S. JAIN SUBODH LAW COLLEGE
(a unit of S.S. Jain Subodh Shiksha Samiti, Jaipur)
AFFILIATED TO DR. BHIMRAO AMBEDKAR LAW UNIVERSITY, JAIPUR • APPROVED BY BAR COUNCIL OF INDIA, NEW DELHI
LLM TWO YEAR POSTGRADUATE DEGREE COURSE
LLB THREE YEAR PROFESSIONAL DEGREE COURSE
SUBODH JUDICIAL ACADEMY
• Special classes for Judiciary exam preparation • Regular Mock Tests
ADMISSIONS OPEN
Visit College Campus : Sector 5, Shipra Path, behind Metro Mas Hospital, Mansarovar, Jaipur -20
• Ph.: 0141-2786988, 2786990, Email: slclawadmission@gmail.com, website : www.subodhlawcollege.com
Sanjeev Kothari, Convener
Mob.: 9982648222 / 333 / 444 / 555
Prof. (Dr.) Gaurav Kataria, Principal

बोलेरो कार में आग लगने से अकॉउंट ऑफिसर जिंदा जला

कालवाड़ स्थित चम्पापुरा में ऑफिस जाते समय रास्ते में हुआ हादसा

जयपुर। राजधानी के कालवाड़ इलाके के चम्पापुरा में मंगलवार सुबह ऑफिस जाते समय रास्ते में अचानक बोलेरो गाड़ी में लगी आग में एक अकॉउंट ऑफिसर जिंदा जल गया। अचानक लगी आग में वह इस कदर फंस गया कि गाड़ी से बाहर निकल नहीं पाया।

इससे पहले वह खातीपुरा में अपनी पत्नी को एक निजी हॉस्पिटल छोड़ कर ऑफिस के लिए गाड़ी लेकर निकला था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया है।

- पत्नी को हॉस्पिटल छोड़ कर निकला था
- पुलिस को संदेह अचानक कैसे भभकी आग

कालवाड़ इलाके के चम्पापुरा में बोलेरो कार में अचानक आग लग गई।

बोलेरो में आग लगने से अकॉउंट ऑफिसर जिंदा जल गया।

थानाधिकारी धर्म सिंह ने बताया मृतक राहुल चौधरी (35) पुत्र गोपाल 246, रघुनाथपुरा, खातीपुरा का रहने वाला था। वह उपभोक्ता विभाग में अकाउंट ऑफिसर था। सुबह करीब साढ़े 10 बजे चम्पापुरा में सड़क पर एक बोलेरो गाड़ी जलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। फायर बिग्रेड को मौके पर बुलाया गया, लेकिन तब तक चालक सीट पर बैठे राहुल चौधरी की जिंदा जल कर मौत हो गई थी। लोगों ने बताया चलती कार में अचानक आग लग गई। मृतक समय रहते कार से निकल नहीं सका। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं, एफएसएल टीम को मौके पर बुलवाकर साक्ष्य एकत्रित किए हैं।

घटना से पहले राहुल चौधरी खातीपुरा स्थित एक निजी अस्पताल में पत्नी को आंखों की जांच कराने के लिए छोड़ कर ऑफिस के लिए निकला था। घटना की जानकारी मिलने पर राहुल की पत्नी माया (32) को मौके पर बुलाया गया। गाड़ी की पहचान होने के बाद पत्नी निढाल हो गई। उसे कार में बैठाया गया। राहुल चौधरी और माया की शादी 2015 में हुई थी। राहुल आरएएस परीक्षा की तैयारी भी कर रहा था, जबकि माया टीचर भर्ती परीक्षा की तैयारी रही है।

पुलिस ने बताया आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। हालांकि, दूसरे कारणों को लेकर भी जांच की जा रही है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बोलेरो डीजल गाड़ी है इसलिए एकाएक आग फैलने की बात समझ नहीं आ रही है। गाड़ी में आग अंदर ज्यादा है बाहर कम। इसको लेकर भी संदेह है।

जल संसाधन विभाग को मिला ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड-2023

ए.सी.एस. जल संसाधन डॉ. सुबोध अग्रवाल ने ग्रहण किया पुरस्कार

राज्य के जल संसाधन विभाग को डिजिटल पहल की श्रेणी में ''ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड - 2023'' से सम्मानित किया गया।

जयपुर। राज्य के जल संसाधन विभाग को डिजिटल पहल की श्रेणी में "ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड - 2023" से सम्मानित किया गया है। राजस्थान को जल के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के उत्कृष्ट उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार मिला है। गोवा में आयोजित अवार्ड समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन एवं आईजीएनपी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

बिहार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने विभाग एवं राज्य में सूचना एवं प्रौद्योगिकी में हो रहे नवाचारों के बारे में बताया।

उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संचालित जल सूचना विज्ञान केंद्र को "जलवायु/आपदा प्रतिरोधी राज्य/शहर बनाने में डिजिटल पहल" की श्रेणी में यह पुरस्कार मिला है। यह अवार्ड राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित ई-गवर्नेंस पुरस्कारों में से एक है, जिसकी स्थापना ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में किये जा रहे डिजिटल प्रयोग और नवाचारों को पहचान और सम्मान देने के उद्देश्य से की गई है।

गांजा तस्करी के अभियुक्त को चार साल की कैद

जयपुर (कासं)। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने 17 साल पुराने गांजा तस्करी के मामले में अभियुक्त शफीकुल इस्लाम को चार साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने पश्चिम बंगाल निवासी इस अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अवैध मादक पदार्थ के मामलों में बढोतरी हुई है और ऐसे अपराधों से समाज व युवाओं पर विपरीत प्रभाव पडता है। इसलिए नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक उमाशंकर खंडेलवाल ने बताया कि तीन जून, 2006 को सदर थाना पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पीडब्ल्यूडी चौराहे के पास पहुंचने पर एक व्यक्ति थैला लेकर आता हुआ दिखा, लेकिन पुलिस को देखकर वहां से भागने लगा। जिस पर शक होने पर पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। इस दौरान थैले की तलाशी में पुलिस को सात पैकिट में कुल आठ किलोग्राम गांजा मिला। इस पर पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि वह अल सुबह रेलवे स्टेशन पहुंचा था और थकान के चलते उसे नींद आ गई थी। इस दौरान पुलिस उसे उठाकर अपने साथ ले गई और कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करा लिए। हिंदी नहीं जानने के कारण उन्हें प्रकरण की जानकारी नहीं हो सकी। ऐसे में उन्हें दोषमुक्त किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा सुनाई है।

से अभियुक्त को गांजा तस्करी के अपराध में गिरफ्तार किया था। बाद में कोर्ट में उसके खिलाफ चालान पेश किया। कोर्ट में अभियोजन ने 1० गवाहों के बयान दर्ज कराए। जिस पर कोर्ट ने सबूतों व गवाहों के बयानों पर अभियुक्त को कैद व जुर्माने की सजा सुनाई।

10 दिन में सील खोलो वरना हर दिन का 10 हजार रुपए किराया चुकाए वन विभाग

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरा मिल को जब्त करने के साथ ही परिसर को सील करने की कार्रवाई को गलत मानते हुए विभाग के सील आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने वन विभाग को आदेश दिए हैं कि वह दस दिन में परिसर की सील खोले। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने वन विभाग को हर दिन का दस हजार रुपए किराया चुकाने के आदेश दिए हैं। जस्टिस बीरेन्द्र कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश सोनी देवी की आपराधिक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि संबंधित परिसर को आरा मिल की परिभाषा में शामिल किया गया है, लेकिन आरा मिल को भी सील करने का कोई प्रावधान वन अधिनियम में नहीं है। ऐसे में इस अधिनियम के तहत अचल संपत्ति को सील करने की कार्रवाई नहीं की जा सकती।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने आरा मिल को जब्त करने और परिसर को सील करने की कार्रवाई को गलत माना

याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने अर्जुन लाल तंवर को अगस्त, 2012 में गांधी पथ, वैशाली नगर स्थित परिसर किराए पर दिया था। जहां अर्जुन लाल ने प्लाईवुड का काम शुरू किया। वहीं बाद में उसने बिना अनुमति और लाइसेंस लिए आरा मिल लगा ली। ऐसे में वन विभाग ने 8 जनवरी, 2013 को उसका सामान जब्त कर परिसर को सील कर दिया। इसके अलावा अर्जुन लाल के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई। याचिका में कहा गया कि अर्जुनलाल से परिसर खाली कराने की डिक्री होने के बाद याचिकाकर्ता ने विभाग से परिसर की सील खोलने की प्रार्थना की, लेकिन विभाग ने सील खोलने से इनकार कर दिया। वहीं इस संबंध में निचली अदालत में पेश प्रार्थना पत्र भी अदालत ने खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि वन अधिनियम में न तो आरा मिल को जब्त करने का प्रावधान है और ना ही परिसर की सील करने का कोई नियम है। इसके अलावा परिसर सील होने के बावजूद भी याचिकाकर्ता को बिजली बिल सहित अन्य भुगतान करने पड रहे हैं। इसलिए परिसर की सील को खोला जाए। वहीं विभाग की ओर से कहा गया कि आरा मिल की स्थापना नियम, 1983 के तहत आरा मिल का परिसर भी मिल का हिस्सा माना जाएगा और ऐसे में परिसर को सील किया जा सकता है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने माना की वन अधिनियम के तहत परिसर को सील नहीं किया जा सकता है। इसलिए परिसर की सील खोली जाए, वरना विभाग हर दिन का दस हजार रुपए बतौर किराया अदा करे।

जयपुर में मिला नवजात का शव

जयपुर। राजधानी के गलता गेट इलाके में एक पार्क में कचरे में नवजात का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। गलतागेट थाना पुलिस ने बताया कि ईदगाह इलाके में वन विहार कॉलोनी में एक पार्क में नवजात का शव मिलने की जानकारी मिली थी। जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। देखा की पार्क में जहां पर कचरा डाला जाता है। वहां पर एक नवजात का शव पड़ा हुआ था। देखने से लग रहा है कि नवजात का जन्म एक दिन पहले हुआ होगा। शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। वहीं, कॉलोनी में आसपास लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहा हैं। थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम त्रिलोक चंद से बदलकर त्रिलोक चंद मयानी रख लिया है। भविष्य में मुझे त्रिलोक चंद मयानी के नाम से जाना जावे। पता- B-12, राधे अपार्टमेंट, हरीनगर, शास्त्री नगर, जयपुर, राजस्थान

I Manju Rani legally wedded spouse of army no 15470443Y Ex SWR Late Rajesh Kumar R/O 2/133 SFS Agarwal farm mansarovar jaipur have changed my daughter name From TANYA PELWAR is wrong entered in service record To TANYA CHOUDHARY (DOB 28/4/2003) vide affidavit dated 7aug2023 before district notary Jaipur

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1584 दिनांक-08.08.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 5/98, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 200.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र श्री एल. पी. श्रीवास्तव को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2603 दिनांक 11.10.1989 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 08.12.1989 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवास मण्डल के पत्र क्रमांक 124 दिनांक 19.12.1994 के द्वारा श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव पुत्र श्री एल. पी. श्रीवास्तव के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 26.12.1994 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 18.11.2021 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री अनुराग श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति होतो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोईआपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री अनुराग श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

खोया पाया

निजी खातेदार की योजना बालाजी एनक्लेव के प्लाट नंबर बी-468 के ओरिजनल सोसायटी पट्टा, साईट प्लान, रसीद जेडीए जोन 14 से खो गए है सुचित करें - अरुणा रानी मो 9001000099

मेरे मूल दस्तावेज जेडीए का आवंटन-पत्र सी-25 महल योजना जेडीए स्कीम जो टोंक फाटक के आसपास कहीं गिर गये है। मिलने पर सम्पर्क करें- कमला देवी महेश्वरी, पता-39 सचिवालय कॉलोनी टोंक फाटक जयपुर मो.9829310044

मेरा प्लाट नं. 417 गोविंदपुरा जेडीए, सांगानेर का रजिस्ट्री का पेज न. 5 कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें- पार्वती देवी 7357530984

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email ID: dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone : 0141-2782772

क्रमांक : DHC-II/1371 **जाहिर आम सूचना** दिनांक : 24.07.2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 30/25/11, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 18.610 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 382 दिनांक 29.08.1987 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 03.09.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 6504 दिनांक 07.09.2006 के द्वारा श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री ज्वाला सिंह के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्री जसवन्त सिंह की मृत्यु दिनांक 03.02.2008 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री औंकार सिंह पुत्र स्व. श्री जसवन्त सिंह ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री औंकार सिंह पुत्र स्व. श्री जसवन्त सिंह के पक्ष में आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक

सतीश पूनिया ने जालसू में विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया

शिक्षा, चिकित्सा, खेल, पेयजल व सड़क क्षेत्र में विकास कार्यों की सौगात दी

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र के जालसू में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। डॉ. सतीश पूनियां ने जालसू में शिक्षा, चिकित्सा, खेल, पेयजल, सड़क इत्यादि क्षेत्र में विकास कार्यों की सौगात दी, जिससे आमजन, माताओं-बहनों और युवाओं को काफी सहूलियत मिलेगी। सतीश पूनियां ने जालसू में मुख्य स्टैंड पर सीसी ब्लॉक निर्माण कार्य का लोकार्पण, जालसू की राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में दो कक्षा-कक्ष मय बरामदा निर्माण कार्य का लोकार्पण, जालसू में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोनोग्राफी (थ्री डी कलर डॉपलर) एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा उपकरणों का लोकार्पण, मुण्डिया डामर सडक से कजोड़ जी की ढाणी तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण, साहिब रामपुरा ग्रेवल सडक से लालचंद, रूडमल, प्रभुदयाल की ढाणी की ओर कल्याणपुरा तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण, राजकीय विद्यालय, बिहारीपुरा में खेल मैदान का लोकार्पण, नाडा में शिव मंदिर के पास नलकूप निर्माण कार्य का शिलान्यास, भूरावाली में सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया।

राजस्थान को 20.52 करोड़ रुपए जारी

नई दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की ओर से नेशनल हाइड्रोलॉजी प्रोजेक्ट और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत गंग नहर परियोजना कमांड एरिया डेवलपमेंट के लिए राजस्थान को 20.52 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। यह जानकारी केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ट्वीट कर दी। शेखावत ने कहा कि उम्मीद है राज्य सरकार समन्वय और सहयोग से इन परियोजनाओं को गति प्रदान करेगी। केंद्र सरकार जनहित को सर्वोपरि मानते हुए राज्य सरकार से भी यही अपेक्षा रखती है।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1592 दिनांक-08.08.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 115/51, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 50.93 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्रीमती रजिया बानो पत्नी श्री शौकत अली को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2144 दिनांक 30.01.1988 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 28.03.1988 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवास मण्डल के पत्र क्रमांक 4320 दिनांक 27.09.2002 के द्वारा श्री थावर दास पुत्र श्री कल्लूमल के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्री थावर दास की मृत्यु दिनांक 25.02.2013 को हो जाने के कारण इनके पुत्रान श्री घनश्याम दास, श्री अजय कुमार एवं श्री भगवान पुत्रान स्व.श्री थावर दास ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति होतो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्री घनश्याम दास, श्री अजय कुमार एवं श्री भगवान पुत्रान स्व.श्री थावर दास के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1591 दिनांक-08.07.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 10/647, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 90.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री राधा कृष्ण पुत्र श्री कुन्ज किशन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 350 दिनांक 03.02.1988 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास भौतिक कब्जा दिनांक 07.03.1988 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवास मण्डल के पत्र क्रमांक 152 दिनांक 03.02.1994 के द्वारा श्रीमती कृष्णा सेन पत्नी श्री प्रशान्त सेन के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 26.07.1999 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती कृष्ण सेन की मृत्यु दिनांक 28.06.2015 को हो जाने के कारण इनकी पुत्री श्रीमती अनुपमा घोष पत्नी श्री कनक घोष ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति होतो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्रीमती अनुपमा घोष पत्नी श्री कनक घोष के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1431 दिनांक-28.07.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 64/268, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 30.750 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री कैलाश चन्द बंसल पुत्र श्री मेवाराम बंसल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8567 दिनांक 20.02.1986 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास भौतिक कब्जा दिनांक 28.03.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 3144 दिनांक 09.03.2004 के द्वारा श्री मुकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री महावीर प्रसाद जैन के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 28.03.2004 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री मुकेश कुमार शर्मा की मृत्यु दिनांक 28.02.2023 को हो जाने के कारण इनकी माताजी श्रीमती सुशीला देवी जैन पत्नी स्व. श्री महावीर प्रसाद जैन ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति होतो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोईआपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्रीमती सुशीला देवी जैन पत्नी स्व. श्री महावीर प्रसाद जैन के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भिवाडी
क्रमांक-591 दिनांक-14.6.2023

आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 5/57 अरावली विहार, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड, भिवाडी श्री दीन मोहम्मद को आवांटन पत्रांक 1809 दिनांक10.9.2010 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा कार्यालय आदेश संख्या 4411 दिनांक 24.12.2010 के द्वारा इनके नाम के साथ इनके पुत्र श्री असगर का नाम जोड़कर उक्त आवास श्री दीन मोहम्मद एवं श्री असगर के सयुक्त नाम से किया गया। श्री दीन मोहम्मद की मृत्यु दिनांक 13.03.2021 को हो चुकी है। श्री असगर ने प्रार्थना पत्र, आवश्यक प्रपत्र एवं श्री दीन मोहम्मद की मृत्यु का प्रमाण पत्र, अन्य वारिसानों का घोषणा पत्र एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है, उनके पिताजी का स्वर्गवास दिनांक 13.03.2021 को हो जाने के कारण उपरोक्त आवास संख्या 5/57 अरावली, भिवाडी जिला अलवर का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तांतरण उनके नाम किया जाये। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता हैकि उक्त आवास संख्या 5/57 अरावली विहार, भिवाडी के संबन्ध में पिता, पुत्र, पुत्रियॉं, भाई व अन्य किसी रिश्तेदार को किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड भिवाडी में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री असगर पुत्र स्व. श्री दीन मोहम्मद के पक्ष में उपरोक्त आवास संख्या 5/57 अरावली विहार भिवाडी जिला अलवर का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तांतरण किये जाने की कार्यवाही की जावेगी।
(पी.एल.मीणा) आवासीय अभियन्ता
राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड भिवाडी

विधायको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

आदेश 5 के नियम 1 और 5

न्यायालय सहायक कलेक्टर सांभरलेक जि.जयपुर

कान्ता देवी वगैरह बनाम अर्जुन वगैरह

वाद पत्र सं. 7/21

बाद विभाजन आराजी व स्थायी विशेषज्ञ

बनामः-1 अर्जुन पुत्र लक्ष्मण जाति अहीर2-छोटू पुत्र काना जाति अहीर 3-तीजदेवी पत्नि लक्ष्मण जाति अहीर 4-नन्छी पुत्री लक्ष्मण जाति अहीर 6-नरसाराम पुत्र नारायण जाति अहीर 7-नरसाराम पुत्र स्व.नारायण 8-सागर मल पुत्र स्व.नारायण 9-श्रवणीदेवी पुत्री स्व.नारायण 10-मालीदेवी पुत्री स्व.नारायण 11-पतासी देवी पुत्री हनुमान जाति अहीर 12-प्रेम पुत्री लक्ष्मण जाति अहीर 13-बसंती पुत्री लक्ष्मण जाति अहीर 14-बाबूलाल पुत्र भैरू जाति अहीर 15-विदानी पुत्री हनुमान जाति और 16-विमला पुत्री हनुमान जाति अहीर 17- बोदूराम पुत्र हनुान जाति अहीर 18-भूरी देवी पत्नि स्व.भगवान सहाय19रामस्वरूप पुत्र स्व.भगवानसहाय 20-बलराम पुत्र स्व.भगवान सहाय, 21 लच्छू पुत्र स्व.भगवान सहाय 22-भागचन्द पुत्र महादेव जाति अहीर, 23-मुकेश पुत्र लक्ष्मण जाति अहीर 24-मदन पुत्र भैरू जाति अहीर 25-मदन पुत्र माना जाति अहीर 26-मालीदेवी पुत्री हनुमान जाति अहीर 27- मोहन पुत्र महादेव जाति अहीर 28-मोहनी पुत्री हनुमान जाति अहीर 29- रामनाथ पुत्र हनुमान जाति अहीर 30-नरेश पुत्र स्व.शैतान 31-कैलाश चन्द पुत्र शैतान 32-सावित्री देवी पत्नि स्व.शतान 33-शिशपाल पुत्र भैरू जाति अहीर 34-संतोष पुत्री लक्ष्मण जाति अहीर 35-संतोष पुत्री हनुमान जाति अहीर 36- सरजू पुत्री हनुमान जाति अहीर 37-सुरजी पत्नि महादेव जाति अहीर 38-सागरमल पुत्र नारायण जाति अहीर, समस्त निवासीयान बघाल तहसील f.रेनवाल जिला जयपुर राज.39-दी जयपुर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि.शाखा रेनवाल जरिये प्रबन्धक 40-राज.मरूधरा ग्रामीण बैंक शाखा बघाल जरिये-प्रबन्धक 41-भारतीय स्टेट बैंक शाखा कि.रेनवाल जरिये-प्रबन्धक वादी ने उपरोक्त आपके विरूद्ध उपरोक्त के वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 21/03/2023 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे स्यक अनुदेशक दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन के साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता.20-7-2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा से लगाकर दिया गया है।
न्यायधीश सहायक कलेक्टर, सांभर लेक (जयपुर)

'अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमतें बढ़ने के बाद भी देश में चीनी की कीमतें स्थिर'

केन्द्र सरकार का दावा है कि देश में चीनी की पर्याप्त मात्रा की उपलब्धता है

जयपुर (कासं)। चीनी की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि होने के बाद भी देश में इसकी खुदरा कीमत स्थिर बनी हुई हैं। पिछले 5 वर्षों में केंद्र के हस्तक्षेप के कारण चीनी सेक्टर आत्मनिर्भर हो गया है। भारत सरकार देश में चीनी की खुदरा कीमतों को स्थिर रखने में सफल हुई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी की कीमतें अप्रैल-मई 2023 में एक दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। चीनी की घरेलू कीमतों में लगभग 3 प्रतिशत की मामूली मुद्रास्फीति देखी गयी है, जो गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में बढ़ोतरी के अनुसार है।

केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी की कीमतें भारत की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक हैं। देश में चीनी की औसत खुदरा कीमत लगभग 43 प्रति किलोग्राम है और इसके इसी के आसपास रहने की संभावना है।

सरकार द्वारा समय पर किये गये हस्तक्षेप ने चीनी क्षेत्र को संकट से बाहर ला दिया है। चीनी क्षेत्र के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों और देश में गन्ने और चीनी के पर्याप्त से अधिक उत्पादन ने यह सुनिश्चित किया है कि चीनी प्रत्येक भारतीय उपभोक्ता को आसानी से उपलब्ध रहे। चालू चीनी सीजन (अक्टूबर-सितंबर) 2022-23 के दौरान, भारत में लगभग 43 एलएमटी के इथेनॉल उत्पादन के लिए डायवर्जन के बाद 330 एलएमटी चीनी का उत्पादन होने का अनुमान है। इस प्रकार देश में कुल सुक्रोज उत्पादन लगभग 373 एलएमटी होगा जो पिछले 5 वर्षों में दूसरा सबसे अधिक है।

इसके अलावा, पिछले 10 वर्षों के दौरान चीनी के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है; हालाँकि, खपत उसी अनुपात में नहीं बढ़ी है। जिससे, किसी भी अप्रत्याशित घटना के लिए पर्याप्त स्टॉक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। जुलाई 2023 के अंत में, भारत के पास लगभग 108 एलएमटी का चीनी स्टॉक है, जो वर्तमान एसएस 2022-23 के शेष महीनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और सीज़न के अंत में लगभग 62 एलएमटी के अनुकूलतम स्टॉक के लिए भी पर्याप्त है। इस प्रकार, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पूरे वर्ष उचित मूल्य पर पर्याप्त चीनी उपलब्ध है।

इसके अलावा, उचित और लाभकारी मूल्य के साथ-साथ चीनी मिलों द्वारा समय पर भुगतान सुनिश्चित करके गन्ना किसानों के हितों पर ध्यान दिया जा रहा है।

2021-22 तक के चीनी सीज़न के लिए गन्ना किसानों का 99.9 प्रतिशत गन्ना बकाया चीनी मिलों द्वारा पहले ही चुकाया जा चुका है। चालू चीनी सीजन 2022-23 के लिए भी, 1.05 लाख करोड़ से अधिक के भुगतान के साथ, आज की तारीख तक लगभग 93 प्रतिशत गन्ना बकाया भुगतान चुकाया जा चुका है। इस प्रकार, भारत सरकार द्वारा अपनी उचित नीतियों, स्थिर कीमतों और किसानों के गन्ना बकाया की समय पर भुगतान के साथ चीनी क्षेत्र में सुधार करके सभी तीन प्रमुख हितधारकों, उपभोक्ताओं, किसानों और चीनी मिलों के हितों की रक्षा की गई है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान सरकार
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, उदयपुर (राज.)
उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के अन्तर्गत उदयपुर जिले के लिए गठित
प्रकरण संख्या 70/22
फर्म वंदना 1020 विरुद्ध ए.सी. इंजिनियरिंग वर्क्स
शिकायत कर्ता विपक्षी
शिकायत बाबत : धारा 35 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के परिवाद की छाया प्रति संलग्न
नोटिस
निमित ए.सी. इंजिनियरिंग वर्क्स जरिये - प्रोपराइटर चतुराराम पुत्र खरथा राम प्लॉट नं.-3. बालाजी विहार-42, बाढ़ारना के पास, जयपुर (राज.)
आपके विरूद्ध प्राप्त शिकायत की एक प्रति भेजकर सूचित किया जाता है कि आप जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, उदयपुर (राज.) के कार्यालय/न्यायालय मे दिनांक 31.08.2023 को समय 9:30 ए एम बजे स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से अपना उत्तर प्रस्तुत करे कि आपको उक्त शिकायत के बाबत क्या कहना है तथा अपने कथन की पुष्टि में संबंधित साक्ष्य दस्तावेज व शपथ पत्र भी प्रस्तुत करें।
यदि आप या आपके अधिकृत प्रतिनिधी उक्त तिथि को समय व स्थान पर उपस्थित नहीं हुए तो आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जा सकेगी।
दिनाक 07.07.2023 को जारी किया गया।
आज्ञा से
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग उदयपुर (राज.)

मालवीय अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
प्रधान कार्यालयः ऐ-48 सुदर्शनपुरा ऐनक्लेव, गोलिमार गार्डन, सहकार मार्ग, जयपुर 302001
एम.यू.सी.बी/27/08/2023-24 दिनांक 09.08.2023

अधिसूचना

बैंक के समस्त सम्मानित सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बैंक की चौबीसवीं वार्षिक साधारण सभा (प्रतिनिधि सभा)वर्ष 2022-2023 की बैठक दिनांक 25.08.2023 को अपरान्ह 3.00 बजे, बैंक के प्रधान कार्यालय, ऐ-48 सुदर्शनपुरा ऐनक्लेव, गोलीमार गार्डन, सहकार मार्ग, जयपुर पर होगी। जिसमें निम्नांकित कार्य सम्पादन हेतु आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।
विचारणीय विषय निम्न है।

1. बैंक की गत सामान्य सभा(प्रतिनिधि सभा) की बैठक दिनांक 17.09.2022 की कार्यवाही की पुष्टि करना।
2. बैंक के निदेशक मण्डल के चौबीसवें वार्षिक प्रतिवेदन को स्वीकार करना।
3. बैंक के 31.03.2023 को समाप्त हुए वर्ष के अंकेक्षित संतुलन चित्र एंव लाभ हानि खाते की स्वीकृति प्रदान करना।
4. बैंक की वर्ष 2022-2023 की ऑडिट रिपोर्ट एवं उसकी पूर्ती रिपोर्ट की स्वीकृति प्रदान करना।
5. बैंक की वर्ष 2023-2024 की अधिकतम साख सीमा निर्धारित करना ।
6. बैंक की वर्ष 2023-2024 की भावी कार्य योजना को स्वीकृति प्रदान करना।
7. बैंक के वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लेखों के अंकेक्षण हेतु सांविधिक अंकेक्षक की नियुक्ति करने पर विचार।
8. बैंक के वर्ष 2022-2023 के लाभ वितरण की स्वीकृति प्रदान करना।
9. बैंक के वर्ष 2023-2024 के बजट प्रस्तावों का अनुमोदन करना एवं वर्ष 2022-23 में बजट से अधिक हुए खर्चो की पुष्टि करना।
10. बैंक के उपनियमों में संशोधन करने की स्वीकृति प्रदान कर विशेष प्रस्ताव पास करना।
11. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से लिया जावेगा।

कोरम के अभाव में स्थगित सामान्य सभा (प्रतिनिधि सभा) नियमानुसार आयोजित की जावेगी जो दिनांक 25.08.2023 को अपरान्ह 4.00 बजे उसी स्थान पर सम्पन्न होगी। स्थगित बैठक में उपरोक्त विचारणीय विषय ही रहेंगें।
आदेशानुसार, प्रबन्ध निदेशक

निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर निलंबन को चुनौती दी

माना जा रहा है कि, हाई कोर्ट में मुनेश की याचिका पर इस सप्ताह के अंत तक सुनवाई शुरू हो सकती है

जयपुर 8 अगस्त (कासं)। हैरिटेज नगर निगम की निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर ने अपने निलंबन आदेश को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट मुनेश की याचिका पर सप्ताह के अंत में सुनवाई कर सकता है।

याचिका में अधिवक्ता विज्ञान शाह ने कहा है कि, गत 5 अगस्त को राज्य सरकार ने आनन-फानन में आदेश जारी कर मुनेश गुर्जर को पार्षद और मेयर पद से निलंबित कर दिया। उन पर आरोप है कि, उनके पति सुशील गुर्जर ने पट्टे जारी करने के नाम पर उनकी उपस्थिति में दलाल से 2 लाख रुपए की रिश्वत ली और उनके घर से 40 लाख रुपए से अधिक की रकम बरामद हुई।

याचिका में कहा गया कि, पंचनामे में याचिकाकर्ता के बयान दर्ज हैं कि, घटना के 3 दिन पहले उनके (मुनेश गुर्जर) ससुर ने अपना प्लॉट बेचा था, जिसके रुपए घर में रखे थे। इसके अलावा ए.सी.बी. की रेड के समय उनके पति घर पर ही नहीं थे, बल्कि उन्हें उनके कार्यालय से पकड़कर लाया गया था। वहीं, एफ.आई.आर. में भी याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। इसके अलावा सह आरोपी बनाए गए नारायण सिंह के घर से बरामद 2 लाख रुपए का संबंध याचिकाकर्ता से नहीं है।

याचिका में कहा गया है कि, निर्वाचित जनप्रतिनिधि को निलंबित करने से पहले कम से कम प्रारंभिक जांच करनी चाहिए थी या उसका नाम एफ.आई.आर. में होना चाहिए था।

> ■ याचिका में मुनेश गुर्जर की ओर से कहा गया कि, ''निर्वाचित जनप्रतिनिधि को निलंबित करने से पहले कम से कम प्रारंभिक जांच करनी चाहिए थी या उसका नाम एफ.आई.आर. में होना चाहिए था। इसके बावजूद गलत तथ्य पेश कर उन्हें निलंबित कर दिया गया और पक्ष रखने का भी मौका तक नहीं दिया।''

इसके बावजूद निलंबन आदेश में गलत तथ्य पेश कर उन्हें निलंबित कर दिया गया और उन्हें पक्ष रखने का भी मौका नहीं दिया गया। ऐसे में उनके निलंबन आदेश को रद्द कर उसे बहाल किया जाए।

याचिकाकर्ता का कहना है कि, उसने नगर निगम महापौर के पद पर रहते हुए भू-माफियाओं और अवैध निर्माणकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई की है। पिछले दिनों हैरिटेज नगर निगम के टैंडर की फाइलें अटकाने वाले तत्कालीन अतिरिक्त कमिश्नर राजेन्द्र वर्मा के खिलाफ कई पार्षदों के साथ मुख्यालय भवन में धरना भी दिया था। जिसके कारण कई लोगों ने उनके खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाकर मेयर पद से हटाने का दबाव भी बनाया। उन्होंने कहा कि, ए.सी.बी. द्वारा सीज़ किए गए दस्तावेजों में याचिकाकर्ता के बैंक खातों की डिटेल्स और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी व कुछ प्रॉपर्टियों के कागज़ात हैं, जो कि उनके पति सुशील गुर्जर के नाम पर हैं। मुनेश गुर्जर की ओर से अदालत में दायर की गई बहाली याचिका में तीन प्रमुख तथ्य रखे गए हैं। पहला तथ्य है कि, उनका खुद का नाम एफ.आई.आर. में नहीं है, जो भी दस्तावेज व फाइलें ए.सी.बी. ने सीज़ की हैं, वह उनकी स्वयं की नहीं हैं। ए.सी.बी. ने उन्हें फंसाने के लिए यह साजिश रची है, क्योंकि ए.सी.बी. की एफ.आई.आर. से भी यह साबित नहीं हो रहा है कि, महापौर अथवा उनके पति ने 2 लाख रुपये परिवादी से लिए हैं। क्योंकि परिवादी ने एफ.आई.आर. में दर्ज अपने बयानों में यह कहा है कि, उसने 2 लाख रुपये की यह रकम नारायण सिंह गुर्जर को मिलकर दी थी।

वहीं, दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से भी हाईकोर्ट में कैवियट दायर की जा चुकी है। ऐसे में अब हाईकोर्ट दोनों पक्षों को सुनकर ही अंतरिम आदेश पारित करेगा।

गौरतलब है कि, गत दिनों ए.सी.बी. ने रिश्वत लेकर पट्टा जारी कराने की एवज में मुनेश गुर्जर के पति सुशील गुर्जर और दलाल नारायणसिंह व अनिल को गिरफ्तार किया था। ए.सी.बी. कोर्ट ने मंगलवार को सुशील गुर्जर को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। जबकि दोनों दलालों को पूर्व में जेल भेजा जा चुका हैं।

सार-समाचार

अधिवेशन में हुए कार्यकारिणी चुनाव

अंकित शर्मा

राकेश कुमार

सतीश यादव

जयपुर (कासं)। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज फैडरेशन का 10वां प्रान्तीय अधिवेशन संपन्न हुआ। जिसमें जी.एन.पारीक लगातार तीसरी बार निर्विरोध महासचिव चुने गए। सतीश कुमार यादव लगातार 2008 से अध्यक्ष हैं और इस बार भी अध्यक्ष बने। बनवारी लाल नेहरा कार्यकारी अध्यक्ष चुने गए और युवाओं को भी इस बार मौका मिला और इसमे फिनग्रोथ बैंक से राकेश कुमार उपमहासचिव और अंकित कुमार संयुक्त सचिव चुने गये। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज फेडरेशन के महासचिव जी.पारीक ने बताया कि 6 अगस्त को को कॉमरेड एस.डी.खासपुरिया नगर, हटवाड़ा रोड सोडाला में राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज फैडरेशन जयपुर का 10वां प्रांतीय अधिवेशन और कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें फिनग्रोथ कॉपरेटिव बैंक से सतीश कुमार यादव को अध्यक्ष, राकेश कुमार उपमहासचिव और अंकित कुमार शर्मा को संयुक्त सचिव बनवारी लाल नेहरा (ग्रामीण बैंक) को कार्यकारी अध्यक्ष एवं जी.एन.पारीक (रिज़र्व बैंक) को महासचिव चुना गया। इसके अलावा 3 सरंक्षक, 4 उपाध्यक्ष, 3 उपमहासचिव, 5 संयुक्त सचिव, 5 क्षेत्रीय सचिव, 1 संगठन सचिव एवं बसन्त कुमार जम्मड, कोषाध्यक्ष, 1 सहायक कोषाध्यक्ष एवं 18 कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

'तर्क से नहीं श्रद्धा से मिलते हैं परमात्मा'

जयपुर। श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के दौरान व्यासपीठ से मदन मोहन महाराज ने कहा कि आज के समय में आधुनिकता की दौड़ में लोग अपने माता-पिता का बंटवारा महीने एवं दिनों के हिसाब से कर लेते हैं और इस भागदौड़ के समय में अपने माता-पिता की सेवा न करके उनको वृद्ध आश्रम में रहने को मजबूर करते हैं, जबकि श्रीमद् भागवत गीता में हजारों साल पहले कहा है कि माता-पिता की सच्ची सेवा ही ईश्वर प्राप्ति का साधन है। माता ही किसी भी इंसान की प्रथम गुरु होती है, उनकी आत्मा को तकलीफ नहीं देनी चाहिए, यही श्रीमद् भागवत गीता में भगवान की प्राप्ति का एक साधन बताया गया है। महाराज ने यह भी कहा कि परमात्मा तर्क से नहीं श्रद्धा से प्राप्त होते हैं, अगर व्यक्ति हर बात पर तर्क करेगा तो वह श्रद्धा को प्राप्त नहीं कर सकता और जहां तक तर्क एवं कुतर्क होंगे वहां श्रद्धा नहीं होगी, जहां श्रद्धा नहीं होगी वहां ईश्वर के प्रति ज्ञान की प्राप्ति मनुष्य को नहीं हो सकती। कार्यक्रम संयोजक राजकुमार गर्ग मनोहरपुर वालों ने बताया कि महाराज ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य के नेक इरादे मनुष्य को मजबूत बनाते हैं और जब एक इंसान मजबूत बनता है तो वह प्राकृतिक एवं बौद्धिक संपदा को बढ़ाकर धर्म के रास्ते पर मानव धर्म को पूरा करता है। भागवत कथा के सह संयोजक गोवर्धन शर्मा एवं अमित गुप्ता ने बताया कि गौतम मैरिज गार्डन पर भगवत कथा के पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया एवं तीसरे दिन की कथा में पूज्य व्यास जी महाराज मदन मोहन जी के द्वारा ध्रुव चरित्र एवं जड़ भरत चरित्र पहला चरित्र आदि पर श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार ज्ञान वर्षा होगी।

कंजर समाज ने ज्ञापन सौंपा

जयपुर (कासं)। अखिल राजस्थान कंजर समाज महापंचायत प्रदेशाध्यक्ष ग्यारसीलाल गोगावत ने मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। अखिल राजस्थान कंजर समाज महापंचायत के प्रदेशाध्यक्ष ग्यारसीलाल गोगावत ने बताया कि राजस्थान राज्य में कंजर समुदाय की उपजाति कंजर,भाट, नट तीनों जातियों को मिलाकर समाज को मुख्यधारा में लाने व समाज का सर्वांगीण विकास के लिए बिजोरी कांजरी कल्याण बोर्ड का गठन की मांग की गई है। इस पत्र में बताया गया कि कंजर समाज की जनसंख्या लगभग 10 से 15 लाख और पूरे भारत में लगभग एक करोड़ है, इसके बावजूद हमें उचित राजनैतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि कंजर समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। हमारे समाज के लोग स्वतंत्रता प्रिय और देश की आन बान शान के लिए मर मिटने वाले रहे हैं , गुरिल्ला युद्ध शैली से भारत के प्रमुख कबिलो ने मुगलों और अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे, उन कबिलो में हमारा कबिला भी प्रमुख था। घबराई अंग्रेजी सरकार ने 1871 जयरामपेसा कानून लगाकर बिना दलील अपील के अपराधी घोषित कर दिया ओर सेंटलमेट जेलों में बंद करना शुरू कर दिया। जन्मजात अपराधी का स्टिगमा हमारे समाज के साथ कई कबीलों पर थोप दिया गया। तब से लेकर अब तक हमारा समाज राष्ट्र की मुख्यधारा से कट गया और आर्थिक, सामाजिक , शैक्षिक, राजनीतिक दृष्टि से पिछड़ता चला गया। वर्तमान में हमारा समाज वंचित, शोषित व पीड़ित होने के साथ ही सामाजिक भेदभाव का शिकार है।

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ हुआ

जयपुर। छोटीकाशी में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन लगातार जारी है। इसी कड़ी में मंगलवार को श्री वीर हनुमान सेवा समिति और भगवा क्रांति दल की ओर से मालपुरा गेट की किसान कॉलोनी के श्री हनुमान जी की बगीची, रानी का तालाब में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा थे। आयोजकों ने डॉ. शर्मा का दुपट्टा और साफा पहनाकर स्वागत किया। डॉ. शर्मा ने इस मौके पर कहा कि देश और समाज पर मंडराने वाले बड़े संकटों के निवारण के लिए सामूहिक प्रयास ही कारगर साबित होते हैं। सामूहिक रूप से किए गए हनुमान चालीसा के पाठ हमारे आत्मबल में वृद्धि करते हैं। और उसी आत्मबल के सहारे हम बड़े से बड़ा संकट आसानी से हल कर लेते हैं। रामदरबार के पूजन के साथ सस्वर हनुमान चालीसा पाठ प्रारंभ हुए। भक्ति की मस्ती में झूमते हुए भक्तों ने हनुमान चालीसा की चौपाइयों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। इसके बाद दीप प्रज्जवलित कर महाआरती की गई। इससे पूर्व भक्तों के जत्थे जय श्री राम के जयघोष लगाते हुए मंदिर पहुंचे। बड़ी संख्या में मातृ शक्ति भी आयोजन में शामिल हुईं। सभी का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

राज्यपाल से शुभम की शिष्टाचार भेंट

जयपुर (कासं)। हाल ही में बुल्गारिया की उप राष्ट्रपति ने एक्टर, फ़िल्ममेकर एवं स्क्रीन राइटर शुभम मानव मिश्र को ''वाइस प्रेसिडेंटल ह्यूमेटेरियन अचीवमेंट अवार्ड'' देकर सम्मानित किया है। उन्हें ये अवार्ड पिछले सात साल में उनके द्वारा बनाई गईं मानवीय मूल्यों पर आधारित फिल्में तथा कलाकृतियों के लिए दिया गया है। इस अवसर पर शुभम ने राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से शिष्टाचार भेंट की एवं उन्हें इस बारे में जानकारी दी तथा कला से जुड़े कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने शुभम को ढेर सारी बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौक़े पर शुभम के पिता गजानन्द मिश्र मानव भी शुभम के साथ मौजूद थे एवं उन्होंने हर्षित होकर अपने दादा स्वतंत्रता सैनानी स्व. पंडित गिरीश चंद्र मिश्र द्वारा लिखी गई गिरीश रामायण एवं भजनावली महामहिम राज्यपाल महोदय को भेंट की। पूर्व में शुभम को उनकी कला द्वारा किए गए मानवीय कार्यों में असाधारण योगदान के लिए कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अवार्डस मिल चुके हैं।

अरशद हुसैन देंगे गोवा में प्रस्तुति

जयपुर। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए प्रसिद्ध राजस्थान एवं यहां पर होने वाली शाही शादियों के बारे में गोवा में आयोजित होने वाले इवेंट मैनेजर्स एंड प्लानर्स एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस (ईईएमए) में इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर अरशद हुसैन राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे व डेस्टिनेशन राजस्थान पर प्रेजेंटेशन भी देंगे। इवेंट मैनेजर्स एंड प्लानर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री श्याम बसरानी ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में पूरे भारत से लगभग 2500 डेलिगेट्स हिस्सा ले रहे हैं जिसमें डेस्टिनेशन वेडिंग एवं इवेंट मैनेजमेंट के विस्तार के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। इस दो दिवसीय चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधि डेस्टिनेशन वेडिंग एव इवेंट मैनेजमेंट से जुड़े विषयों पर अपनी राय देंगे, साथ ही इस अवसर पर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है।

3100 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकलेगी तिरंगा रैली

जयपुर (कासं)। आजादी के 76वें अमृत महोत्सव पर 15 अगस्त को दोपहर दो बजे सीकर रोड ढेहर के बालाजी स्थित सियाराम बाबा की बगीची से 3100 फीट लंबे तिरंगे के साथ विशाल तिरंगा रैली निकाली जाएगी। इसके बहुरंगी पोस्टर का विमोचन वरिष्ठ पत्रकार डॉ. गोपाल शर्मा ने किया। आयोजन से जुड़े लोगों ने डॉ. शर्मा को तिरंगा रैली में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस मौके पर डॉ. शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा रैली का यह आयोजन ऐतिहासिक होगा। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसमें शामिल होकर देश को और अधिक मजबूत और समर्थ बनाने का संकल्प लेना चाहिए। ढेहर का बालाजी व्यापार मंडल के अध्यक्ष डॉ. रवि जिंदल ने बताया कि तिरंगा यात्रा जयपुर में एक नया इतिहास रचने जा रही है। महंत हरिशंकरदास वेदांती के सान्निध्य में तिरंगा रैली सियाराम बाबा की बगीची से प्रारंभ होकर पथ नंबर सात, भौमियां जी का मंदिर, प्रतापनगर चौराहा, माताजी का मंदिर, केडिया पैलेस चौराहा, मुरलीपुरा स्कीम, रोड नंबर दो होते हुए सन एंड मून परिसर पहुंचेगी। गौसेवी संत प्रकाशदास महाराज देशभक्ति भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। टीम बनाकर जुटे कार्यकर्ता: तिरंगा रैली का प्रचार-प्रसार करने के लिए सैंकड़ों लोग टीम बनाकर अलग-अलग कॉलोनियों में जनसंपर्क कर रहे हैं। आयोजन में समाज के सभी वर्गों, संगठनों, समाजों और संस्थाओं के लोगों ने शामिल होने का विश्वास दिलाया है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 551 फीट लंबे तिरंगे के साथ तिरंगा रैली निकाली गई थी।

रायपुर की तरह जयपुर में ई-गवर्नेंस सुविधाएं देने की तैयारी में जुटा हैरिटेज निगम प्रशासन

हैरिटेज निगम आयुक्त ने घर-घर पर यूनिक बार कोड लगाने पर चर्चा की

जयपुर (कासं)। जयपुर हैरिटेज निगम अपनी ई-गवर्नेंस सेवाओं का दायरा बढ़ाने के लिए मंथन कर रहा है। निगम अधिकारियों ने मंगलवार को आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में इण्डसइण्ड बैंक की ओर से यूनिक कोड के माध्यम से नागरिकों के घरों की यूनिक कोड के माध्यम से पहचान करने संबंधी प्रस्तुतिकरण को देखा। शेखावत ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत शहर के सभी प्रकार के भवनों पर बार कोड नम्बर प्लेट लगाने एवं यूनिक आई.डी. बनाने के सम्बन्ध में विमर्श किया गया।

> ■ रायपुर में दी जा रही सुविधाएं जांचने के लिए अफसरों की टीम भी जाएगी

हैरिटेज निगम आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत और अन्य अधिकारियों ने इंडसइंड बैंक की ओर से यूनिक कोड प्रणाली पर तैयार किया गया प्रस्तुतिकरण देखा।

बैंक के तकनीकी सेवा प्रदाता मोहित कुमार चेलारामानी ने बताया कि भवनों में लगायी जाने वाली यूनिक बार कोड प्रणाली से क्यूआर कोड को स्कैन करने से भवन स्वामी अपने भवन के सम्बन्ध में नगर निगम से सम्बन्धित सभी सेवाएं जैसे हाउस टैक्स, वाटर टैक्स, डोर-टू-डोर कलेक्शन आदि निगम की विभिन्न सेवाओं के सम्बन्ध में घर बैठे जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन भुगतान भी कर सकेगा। साथ ही भवन की लोकेशन की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। शेखावत ने बताया कि इण्डसइण्ड बैंक द्वारा अपने तकनीकी सेवा प्रदाता रैडमैलन बिजनेस सोल्यूशन प्रा. लि. द्वारा यह सेवा रायपुर नगर निगम में प्रदान की जा रही है। इस यूनिक आईडी प्रणाली से रायपुर नगर निगम एवं वहां के नागरिकों को हो रहे व्यावहारिक लाभ के बारे में जानकारी लेने के लिए अगस्त माह के अन्त में एक दल भेजा जायेगा व इसके बाद इस प्रोजेक्ट को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर किसी वार्ड में लागू करने पर विचार किया जायेगा। कार्यशाला में उपायुक्त आशीष कुमार, सुरेन्द्र सिंह यादव, नरेश तंवर, छगन लाल यादव, मुख्य लेखाधिकारी कृष्ण कन्हैया मीणा साहित मुख्यालय के अधिशाषी अभियन्ता, इण्डसइण्ड बैंक के क्षेत्रीय गर्वनमेंट बिजनेस हैड भवानी शंकर शर्मा व रिलेशनशिप मैनेजर अरविन्द दाधिच आदि उपस्थित थे।

जी.एन.एम. प्रथम वर्ष मुख्य परीक्षा का परिणाम जारी

जयपुर। राजस्थान नर्सिंग कौंसिल ने जी.एन.एम. प्रथम वर्ष मुख्य परीक्षा 3 वर्षीय पाठ्यक्रम का परिणाम जारी कर दिया है। कौंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. शशिकान्त शर्मा ने बताया कि इस साल जून में आयोजित जी.एन.एम. प्रथम वर्ष मुख्य परीक्षा 3 वर्षीय पाठ्यक्रम का परिणाम जारी कर दिया है। यह परीक्षा परिणाम राजस्थान नर्सिंग कौंसिल जयपुर की वेबसाइटपर देखा जा सकता है।

जिन तीन लोगों के पास ''लाइव बम'' मिले, उन्होंने विशेष कोर्ट में दोषमुक्त करने की अर्जी लगाई

आरोपियों की ओर से अदालत में कहा गया कि ''वह वर्ष 2008 में राजधानी जयपुर में हुए सिलसिलेवार बम ब्लास्ट के केसेज़ में दोषमुक्त हो गए हैं, इसलिए उन्हें जिंदा बम प्रकरण में भी दोषमुक्त किया जाए''

जयपुर। जयपुर में वर्ष 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के तीन आरोपियों मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान व सरवर आजमी ने जयपुर बम ब्लास्ट मामलों की विशेष कोर्ट में उन्हें इस केस में दोषमुक्त करने की अर्जी दायर की है।

इस अर्जी पर 11 अगस्त को सुनवाई होगी। इसी दिन एटीएस की ओर से पूर्व एडीजी अरविन्द कुमार जैन व मीडियाकर्मी प्रशांत टंडन सहित अन्य गवाहों का नाम जोडने व उन्हें तलब करने वाली अर्जी पर भी सुनवाई होगी।

आरोपियों की ओर से दायर अर्जी में कहा गया है कि जयपुर बम ब्लास्ट से जुडे आठ मुकदमों में समान तथ्य, समान गवाह व दस्तावेज हैं। इन मामलों में हाईकोर्ट उन्हें 29 मार्च 2023 को आदेश जारी कर दोषमुक्त कर चुका है। वहीं जयपुर बम ब्लास्ट से जुडे मामले और जिंदा बम के प्रकरण से जुडे गवाह, दस्तावेज व तथ्य भी समान ही हैं। ऐसे में विधि का यह सुस्थापित नियम है कि यदि किसी व्यक्ति को किसी अपराध के लिए सक्षम अधिकारिता वाले कोर्ट द्वारा सुनवाई कर उन्हें दोषमुक्त किया जा चुका है तो उन्हीं समान तथ्यों पर किसी अन्य ऐसे अपराध के लिए आरोपी पर ट्रायल नहीं चलाई जाएगी। ऐसे में जिन तथ्यों, गवाहों व दस्तावेजों पर वे हाईकोर्ट से दोषमुक्त हो चुके हैं, उन्हीं तथ्यों के आधार पर उनके खिलाफ ट्रायल नहीं चलाई जा सकती है। वहीं देश के संविधान में भी यह प्रावधान है कि किसी भी व्यक्ति को किसी भी अपराध के लिए एक बार से ज्यादा बार दंडित नहीं किया जा सकता। इसलिए जिंदा बम मामले में उन्हें दोषमुक्त किया जाए।

> ■ ज्ञात रहे कि जयपुर में वर्ष 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान व सरवर आजमी के पास मिले थे जिंदा बम

गौरतलब है कि 13 मई 2008 को शहर में कई जगहों पर बम ब्लास्ट हुए थे और एक जगह से जिंदा बम बरामद किया गया था। मामले में विशेष अदालत ने आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई थी, लेकिन बाद में हाईकोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया था। वहीं जिंदा मिले बम को लेकर भी जांच एजेन्सी ने समान धाराओं में आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया था।

भांकरोटा क्षेत्र के शेल्टर होम में युवक की हत्या

जयपुर। राजधानी के भांकरोटा स्थित शेल्टर होम में दो लोगों ने एक व्यक्ति की लाठी-डण्डों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने हत्या में शामिल रहे दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

थानाप्रभारी चेना राम के अनुसार मृतक की पहचान ओमप्रकाश (47) निवासी खातियों की ढाणी के रूप में हुई है। वह करीब 2 माह से भांकरोटा स्थित मानव सेवा संस्थान में रह रहा था। इसी संस्थान में सतीश और अर्जुन भी रहते हैं, जो साफ-सफाई का काम करते हैं। घटनाक्रम के अनुसार शाम करीब 6 बजे सतीश और अर्जुन का ओमप्रकाश से विवाद हो गया। मामूली विवाद ने इतना तूल पकड़ा कि गुस्साएं सतीश और अर्जुन उस पर लाठी-डण्डों से टूट पड़े। ओमप्रकाश के सिर और शरीर में आई गंभीर चोट के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। ओमप्रकाश को घायल देख अन्य लोगों ने उसे एम्बुलेंस से एसएमएस अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शरीर पर चोट के निशान देखे तो शक के आधार पर मानव सेवा संस्थान जाकर पड़ताल की। वहां उसके सीढ़ियों से गिरकर घायल होने की जानकारी मिली। मृतक के बेटे मेहुल को शक हुआ तो हत्या का मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने दोनों संदिग्धों को पकड़ पूछताछ की। काफी टालमटोली के बाद उन्होंने माना कि सफाई की बात को लेकर हुए झगड़े के चलते मारपीट में उसकी मौत हो गई। पुलिस सपोटरा करौली निवासी सतीश जोशी और इंदौर मध्य प्रदेश निवासी अर्जुन आदिवासी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार करेगी।

फैक्ट्री में चोरी करने वाले पकड़े

जयपुर। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने फैक्ट्री में हो रही चोरी का खुलासा करते हुए फैक्ट्री कर्मचारी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपियों के पास से तीन सौ किलोग्राम लोहे की एंगल और मोटर बरामद की है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

'नौकरियों से मनचलों को प्रतिबंधित करेंगे'

जयपुर। राज्य सरकार ने फैसला किया है कि बालिकाओं एवं महिलाओं से छेड़छाड़, दुष्कर्म के प्रयास एवं दुष्कर्म के आरोपियों एवं मनचलों को सरकारी नौकरियों से प्रतिबंधित किया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को ट्वीट कर बताया कि इसके लिए मनचलों का भी पुलिस थानों में हिस्ट्रीशीटरों की तरह रिकॉर्ड रखा जाएगा। राज्य सरकार व पुलिस द्वारा जारी किए जाने वाले इनके चरित्र प्रमाण पत्र पर यह अंकित किया जाएगा। ऐसे असमाजिक तत्वों का सामाजिक बहिष्कार करना आवश्यक है। उधर जयपुर में पुलिस कमिश्नरेट की निर्भया टीम ने सेफर सिटी सेफर स्ट्रीट अभियान के तहत अलग-अलग स्थानों से सात मनचलों को गिरफ्तार किया है।

एससी-एसटी वर्ग को मिल रहा न्याय : गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहा है कि राज्य सरकार की संवेदनशीलता और पुलिस की कार्रवाई से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) वर्ग को न्याय सुनिश्चित हो रहा है। गहलोत ने मंगलवार को अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत गठित राज्य स्तरीय सतर्कता और मॉनिटरिंग समिति की बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी अत्याचार के मामलों में पुलिस द्वारा पूरी संवेदनशीलता के साथ बिना किसी दबाव एवं भयमुक्त होकर त्वरित अनुसंधान कर उन्हें न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस पर आम जनता की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। पुलिस द्वारा तुरंत एक्शन कर अपराधियों की गिरफ्तारियां की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एससी-एसटी के प्रकरणों में एफआर के बाद भी पुलिस द्वारा प्रकरणों के रिव्यू का दायरा और बढ़ाया जाए। उन्होंने एससी-एसटी के लम्बित प्रकरणों में जांच कम से कम समय में पूरी करने, पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में कदम उठाने, महिलाओं के विरूद्ध अपराधों को रोकने के लिए सामाजिक जनजागृति के लिए भी निर्देश दिए।

दो अवैध हुक्का बार पर छापा, 2 संचालक दबोचे

जयपुर। जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व ने सोमवार देर रात आदर्श नगर व जवाहर सर्किल इलाके में दो अवैध हुक्का बार पर छापेमारी की कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों हुक्का बार के संचालकों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं हुक्का पी रहे 10 युवक-युवतियों का चालान किया है।

डीसीपी ईस्ट ज्ञानचन्द यादव ने बताया कि आदर्श नगर में शांति क्लब हुक्का बार पर कार्रवाई कर 2 हुक्का, 13 चिलम, 30 पाइप, 12 पैकेट फ्लेवर जब्त कर 8 व्यक्तियों के कोटपा अधिनियम में चालान किए है। वहीं क्लब संचालक वीरसिंह जादौन पुत्र किशन सिंह (30) निवासी गांव महारपुर सरमथुरा धौलपुर के खिलाफ कोटपा अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया है। वहीं जवाहर सर्किल में ब्लैक कोड बार एण्ड कैफ पर दबिश देकर 4 हुक्का, 11 पाइप, 4 चिलम, 7 फ्लेवर के पैकेट जब्त कर दो लोगों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान किए गए है। वहीं मैनेजर मोईन खान पुत्र इलियास खान (24) निवासी खान मौहल्ला, कुचामन सिटी नागौर को गिरफ्तार किया है।

> ■ हुक्का पी रहे 10 युवक-युवतियों का चालान किया

रोड से थड़ी-ठेलों को हटाया

जयपुर। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए यातायात पुलिस ने प्रयास शुरू कर दिए है। मंगलवार को पुलिस ने न्यू सांगानेर रोड पर यातायात में बाधा बनने वाले थडी व ठेलों को रोड़ से उचित दूरी पर लगवाया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राहुल प्रकाश ने पीक हॉवर्स सुबह 8 से 12 बजे तक एवं शाम को 4 से 9 बजे तक सुगम यातायात व्यवस्था के लिए यातायात पुलिस को विशेष निर्देश दिए हैं। निर्देशों की अनुपालना में न्यू सांगानेर रोड सहित भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात में बाधित थड़ी-ठेलों को रोड से उचित दूरी पर लगवाया। ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा, बस स्टैंड पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के वाहन चालकों को व्यवस्थित रूप से यातायात संचालित करने के लिए समझाया गया।

Melon Day

Melon Day has been designed to pay tribute to this tasty ingredient. As mentioned, it started off as a holiday in Turkmenistan. However, it has now been honoured in many different places around the world. If you are someone who enjoys eating this tasty fruit, you can definitely celebrate Melon Day. You may even want to use this date as an opportunity to try a variety of melon that you have never tried before.The Turkmenbashi melon, in particular, has been praised for its large size, taste, and aroma. It is a type of muskmelon.

#GENETIC-STUDY

A Mother's Diet Can Protect Her Grandchildren's Brains

Senior author Professor Roger Pocock and his team were investigating nerve cells in the brain that connect and communicate with each other through about 850,000 kilometres of cables called axons. For axons to function and survive, essential materials need to be transported along an internal structure that contains microtubules.The discovery is part of a project that found a mother's diet can affect not just her child's brain but also those of her grandchildren.

Mothers who eat apples and herbs in early pregnancy could be protecting the brain health of their children and grandchildren, a Monash University study using genetic models has found.

The discovery is part of a project that found a mother's diet can affect not just her child's brain but also those of her grandchildren.

Published in Nature Cell Biology, the Monash Biomedicine Discovery Institute study found that certain foods could help protect against the deterioration of brain function.

More specifically, the study used roundworms (Caenorhabditis elegans) as the genetic model because many of their genes are also found conserved in humans, allowing insights into human cells. The researchers found that a molecule present in apples and herbs (basil, rosemary, thyme, oregano, and sage) helped reduce the breakdown of communication cables needed for the brain to work properly.

Senior author Professor Roger Pocock and his team were investigating nerve cells in the brain that connect and communicate with each other through about 850,000 kilometres of cables called axons. For axons to function and survive, essential materials need to be transported along an internal structure that contains microtubules.

Professor Pocock explained that a malfunction that caused the axons to become fragile led to brain dysfunction and neurodegeneration.

He said his team used a genetic model with fragile axons that break as animal's age. "We asked whether natural products found in the diet can stabilise these axons and prevent breakage," he explained.

"We identified a molecule found in apples and herbs (ursolic acid) that reduces axon fragility. How? We found that ursolic acid causes a gene to turn on that makes a specific type of fat. This particular fat also prevented axon fragility as animal's age by improving axon transport and therefore its overall health."

Professor Pocock said this type of fat, known as a sphingolipid, had to travel from the mother's intestine, where food is digested, to eggs in the uterus for it to protect axons in the next generation. He said while the results were promising, they still need to be confirmed in humans.

"This is the first time that a lipid/fat has been shown to be inherited," he said. "Further, feeding the mother the sphingolipid protects the axons of two subsequent generations. This means a mother's diet can affect not just their offspring's brain but potentially subsequent generations. Our work supports a healthy diet during pregnancy for optimal brain development and health."

The Mukesh-Raj Kapoor pair gave Hindi cinema some of its most remembered songs. Mukesh's voice fitted Raj Kapoor's on-screen persona perfectly and it is difficult to distinguish the actor and the singer in their numerous songs together. The partnership with Kapoor started with Aag (1948) where Kapoor's feelings of despondency and despair were vividly caught by Mukesh in Ram Ganguly's composition Zinda Hoon Is Tarah, and ended with RD Burman's Ek Din Bik Jayega in the film Dharam Karam (1975) Then there are the all-time hits like the evergreen songs of Awara (1951), Shree 420 (1955), Parvarish (1958), Anari (1959), Sangam (1964), and Mera Naam Joker (1970). Songs like Awaara Hoon, Mera Joota Hai Japani, Aansoo Bhari Hai, Sab Kuch Seekha Humne, Dost Dost Na Raha, Jane Kahan Gaye Woh Din and many more.

DOST DOST NA RAHA...

Mukesh (1923 – 2023)

Dr. Shoma A. Chatterji
Film scholar journalist & author

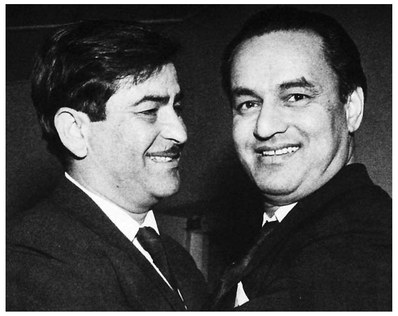

**God gave Kishore Kumar His voice,
God gave Mohammad Rafi His heart
God gave Mukesh His soul**

I met Mukesh only once personally during a variety entertainment function when I was just into my teens. Mukesh-ji was invited to sing and in those days, singers did not charge a single paisa for such functions on invitation provided they knew the organizers well. Mukesh asked me my name and what I was studying and I told him. He asked if I was comfortable out of school watching such functions which were distanced from my studies. I was sitting in the greenroom next to him as I too, had a dance number to perform. I was so awestruck both by his star aura and by his very rooted modesty that I was unable to respond except with a wan smile. He smiled right back and patted me on the back and left for the stage to perform. That was Mukesh for you. No starry airs, no arrogance, no 'public image' but just committed to what he had to do – sing. I never met him again in person.

As a young girl, I was fascinated with the voice of Hemant Kumar and then Kishore Kumar and then Mohammad Rafi. Mukesh as a talented singer did not find a high place within my musical favourites. And then, I heard numbers like Cheen, Arab Humara, Hindustan Hamara, Rehno Ghar Nahin Hai – Hindustan Hamara and my world simply turned over in a somersault. I still listen to the Mukesh songs he sang for Phir Subah Hogi (1958) which are unforgettable such as Aasman pe Hai Khuda, Aur Zamin pe Hum, Aaj Kal wo is taraf dekhte hai kum on lyrics by Sahir Ludhianwi and music by Khayyam. Or, his beautiful numbers in Anand (1971) where he sang to Salil Choudhury's music the immortal numbers Kahin Door Jab Din Dhal Jaaye and Maine Tere Liye hi Saat Rangke Sapne Chune which live on and on and on among his fans across the world.

> As a young girl, I was fascinated with the voice of Hemant Kumar and then Kishore Kumar and then Mohammad Rafi. Mukesh as a talented singer did not find a high place within my musical favourites. And then, I heard numbers like Cheen, Arab Humara, Hindustan Hamara, Rehno Ghar Nahin Hai - Hindustan Hamara and my world simply turned over in a somersault. I still listen to the Mukesh songs he sang for Phir Subah Hogi (1958) which are unforgettable such as Aasman pe Hai Khuda

Next to all-time greats among Golden Voices in Hindi cinema, the name of Mukesh was somewhat mentioned in a low key when compared to his compatriots like Mohammed Rafi, Hemant Mukherjee, Kishore Kumar, Manna De and many others. Yet, looking back on his golden years of creating his own, natural style, one discerns that his memorable numbers are musically and lyrically attuned to very philosophical lyrics that cross the barriers of time, place and geography, barring language.

An ardent fan, Narayan Kutty Karrupath writes, "He is singer of the soul. That is why it is ever green. It touches some deep part of the heart. The honesty in his voice is unmatched. I have been listening to his songs for more than 50 years. Each song I would have heard 100s of times. Still it is as fresh as it was at the beginning. A big salute to him."

Over his memorable stint in films, Mukesh sang around 1300 songs and was actually discovered not by Raj Kapoor but by the veteran actor Motilal who loved his singing at his sister's wedding. Motilal and Mukesh were distantly related. Motilal brought him to Bombay, kept him in his own house and arranged for Pandit Jaganath Prasad to groom him. Mukesh even did a Hindi film during this period as hero, Nirdosh (1941) but sadly for him, it flopped miserably. He had once dreamt of making it as an actor. He was very good-looking in person and when photographed. But his plans were put to rest when Nirdosh fell flat on its face. But he had only postponed his plans to become an actor for some time. He tried again when he desperately wanted to succeed as a singling star. Mashuqa (1953) with Suraiya and Anuraag (1956) with Usha Kiron both sank at the box-office. He also did a small role as a tangewala enacting his own song – Choti Si Zindagani in Aah (1953).

#TRIBUTE

When he realized that this attempt will not work ever, he switched back to lending only his voice but the gap had put a spoke in his career and all playback singing offers for him seemed to have dried up. The story goes that the family fell on such bad days that two of his kids had to quit school as Mukesh could not pay their fees!

Mukesh Chand Mathur was born on the 22nd of July, 1923 in a small middle class family in Delhi and came to Bombay only when Motilal brought him. One is not very sure whether it was the Raj Kapoor-Mukesh duo that made an actor-voice pair famous first or whether it was the Dilip Kumar-Mohammad Rafi duo. Then followed the Dev Anand-Kishore Kumar duo. But the fact remains that Raj Kapoor and Mukesh remain the classic pair of actor-voice that has stood the test of time long after both of them have left us to step into another world.

> Mukesh Chand Mathur was born on the 22nd of July, 1923 in a small middle class family in Delhi and came to Bombay only when Motilal brought him. One is not very sure whether it was the Raj Kapoor-Mukesh duo that made an actor-voice pair famous first or whether it was the Dilip Kumar-Mohammad Rafi duo. Then followed the Dev Anand-Kishore Kumar duo. But the fact remains that Raj Kapoor and Mukesh remain the classic pair of actor-voice that has stood the test of time.

The Mukesh-Raj Kapoor pair gave Hindi cinema some of its most remembered songs. Mukesh's voice fitted Raj Kapoor's on-screen persona perfectly and it is difficult to distinguish the actor and the singer in their numerous songs together. The partnership with Kapoor started with Aag (1948) where Kapoor's feelings of despondency and despair were vividly caught by Mukesh in Ram Ganguly's composition Zinda Hoon Is Tarah, and ended with RD Burman's Ek Din Bik Jayega in the film Dharam Karam (1975) Then there are the all-time hits like the evergreen songs of Awara (1951), Shree 420 (1955), Parvarish (1958), Anari (1959), Sangam (1964), and Mera Naam Joker (1970). Songs like Awaara Hoon, Mera Joota Hai Japani, Aansoo Bhari Hai, Sab Kuch Seekha Humne, Dost Dost Na Raha, Jane Kahan Gaye Woh Din and many more.

He managed to come back with a bang with Yeh Mera Deewanapan Hai from Yahudi (1958) followed by a string of hits the same year in Madhumati, Parvarish and Phir Subah Hogi. Even SD Burman, who had not utilized Mukesh's services for over a decade following the Dev Anand-Suraiya starrer Vidya (1948), composed those two masterpieces for him – Chal Ri Sajni from Bombai Ka Babu (1960) and O Jaanewale Ho Sake To Laut Ke Aana from Bandini (1963). There was- no turning back.

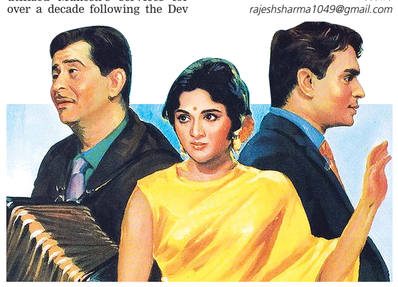

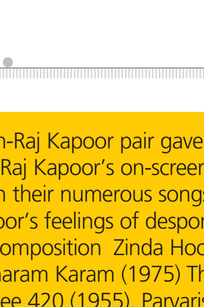

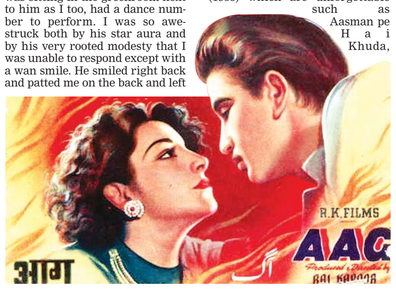

After Mukesh's sudden demise of a heart attack at the mellow age of 53 in the US, Kapoor said in the singer's death, he had lost his "soul". "There was Mukesh – my soul, my voice, I was a mere body. It was he who sang to the hearts of the people all over the world, not me. Raj Kapoor was an image, just a carcass of flesh and bones. When he died, I felt there goes my breath, there goes my soul" said Raj Kapoor in his daughter's book. His son Nitin Mukesh, now 73, said, "His repertoire was great. His songs are 47 or 50 years old or more. But all the songs are fresh in people's minds even today. A song, which describes him the best, is 'Kisi ki muskurahaton pe ho nisar, kisi ka dard mil sake to le udhaar, kissi ke waste ho tere dil mein pyar, jeena usika naam hai."

Tuesday, August 1, 2023

rajeshsharma1049@gmail.com

#TUNE-IN

The Rise of Makeba ... Part Deux

The song, which has been gracing fitness, cooking and home cleaning as well as fridge restocking videos on Instagram, has a far deeper meaning and history than you would otherwise attach to its catchy, thudding beats.

Uma Sharma
Arbit Correspondent

In 2018, a fresh new ad, with a fresh new sound burst onto our television screens. It made you want to move and groove, to a tune that was so catchy, and beats that resonated in your body. From bhangra to hip hop, the ad showcased a range of dance styles. The iconic brand that made the (transiently iconic) ad was Levis. The song was Jain's Makeba.

If you're even moderately into Instagram or TikTok, you would have come across dozens and dozens of reels set to Jain's tune over the last month. The song, which disappeared from our horizons the moment Netflix caught our imaginations, has made a meteoric appearance on our social media feeds, so much so that everyone from 4 to 40 is obsessed with this new (old) tune.

First released in 2015, Makeba was composed by Jeanne Louise Galice herself, better known by her stage name Jain, and featured in her debut album Zanaka. The song is an ode to the real "Mama Africa", Miriam Makeba, who was herself a singer, songwriter, actor and civil rights activist.

Born in South Africa, Miriam Makeba's life was one of both adversity and dreams coming true. She rose from the ashes of a tough beginning in life that included an early, abusive marriage and a battle with cancer, to emerge as one of the 200 greatest singers of all time (Rolling Stone, 2023).

Although she claimed that none of her songs were politically driven, her music frequently spoke of her struggles and pain living under Apartheid and her subsequent exile from her homeland. Her vocal style, over a career spanning more than 50 years, encompassed African Jazz to Afropop, to even including Latin American styles in her performances. Also known as "The Queen of South Africa" she is credited for popularizing South African artists and also helping in putting the spotlight on "World Music".

Miriam also has an Indian connection. The granddame of South African music was briefly married to Shunna Pillay, or Sunny Pillai, a South African Indian from Durban. In the 1950s, Pillai himself was a Jazz singer, rising to fame in Durban and eventually moving to the US and UK, where he performed for most of his life. Although they were married for only a few months, and their marriage is not very well documented, despite Miriam's global popularity, they were considered one of the glamorous couples of the 50s.

Indian Jazz queen Usha Uthup, a long time die-hard fan of Makeba, frequently included the latter's songs in her performance repertoire, especially Makeba's best known international hit Pata Pata (1967). While touring Johannesburg over 25 years ago, Usha Uthup met with Nelson Mandela. When she touched his feet in the traditional Indian salutation, he asked her what her one wish was while in Africa. Without missing a beat, Uthup replied that she wanted to meet "Mama Africa", whose songs she had been performing for years, without really knowing her. The next

day, when Uthup performed at Lenasia, a sprawling Indian suburb, Makeba was found sitting in the audience. Mandela had delivered on his promise!

In 1999, Makeba was named a Goodwill Ambassador of the Food and Agriculture Organization of the United Nations. She also won a Grammy Award for her collaboration with Harry Belafonte, whom she considered her mentor. She died of a heart attack in 2008 during a concert in Italy. Nelson Mandela, in a tribute to her said, "Her haunting melodies gave voice to the pain of exile and dislocation which she felt for 31 long years. At the same time, her music inspired a powerful sense of hope in all of us."

Coming back to Jain's Makeba, while most reels don't use the music beyond the opening beats and first lines, the real beauty of her song lies in the subsequent lyrics that speak of Miriam's struggles and influence.

I want to hear your breath just next to my soul
I want to feel oppress without any rest
I want to see you sing
I want to see you fight
Because you are the real beauty of human right
Nobody can beat the Mama Africa
You follow the beat that she's going to give ya
Only her smile can all make it go
The sufferation of a thousand more

With over 2.7 million reels made using the song in just the last one month, the song is topping many weekly charts, including Sweden, Hungary, the UK, Poland, etc. Another niche audience that the song has found, is with the fishermen's community of Kerala.

The music video itself, shot in South Africa, is meant to celebrate the rich culture and natural beauty of the country. With the key message of unity and oneness, which the director has tried to communicate with the use of monochromatic colours, a play of black and white in several frames, it showcases the beauty of African music and its ability to uplift and inspire.

THE MAKEBA PLAYLIST

For those interested in familiarizing themselves with Makeba, here's Arbit's recommendation on a few of her numbers:

1. **Pata Pata:** Her most popular song, which gained her widespread international recognition.
2. **The Click Song:** A traditional song of the Xhosa people of South Africa. It is sung at weddings to bring good fortune.
3. **Malaika:** A Swahili song that became a worldwide hit in 1965 when Makeba covered the song with Harry Belafonte.
4. **Africa Is Where My Heart Lies:** A soulful love song that celebrates the beauty and vibrancy of Africa.
5. **Amampondo:** A traditional Zulu song with a driving rhythm and infectious chorus.
6. **Makeba (Jain):** Where our journey into Makeba's life began.

THE WALL

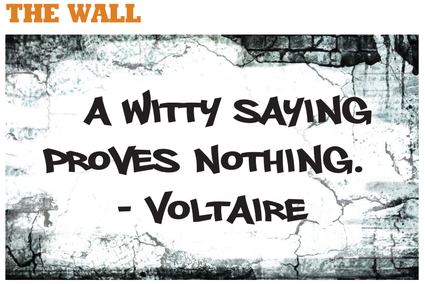

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

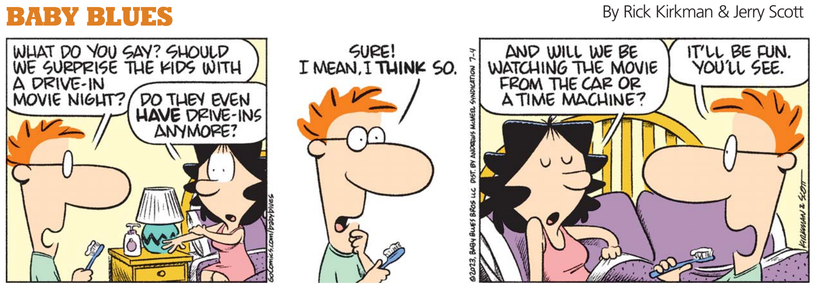

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

नाबालिग पत्नी को नहीं भेजने पर दामाद ने की सास की हत्या

मृतका के 16 व 14 साल की दो बच्चियां है और मृतका का पति भी मर चुका है

उदयपुर, (निसं)। नाबालिग पत्नी को नहीं भेजने से आवेश में आए एक दामाद अपनी सास को अपने साथ राजसमंद अपने गांव लेकर गया और उसकी हत्या कर शव को माइंस में फैंक दिया। मृतका के 16 व 14 साल की दो बच्चियां है और मृतका का पति भी मर चुका है। ऐसे में दोनों बच्चियां अनाथ हो गई और दोनों की जिम्मेदारी उनके मामा पर आ गई।

मामला सुखेर थाना क्षेत्र का है। गीता (33) पत्नी सुरेन्द्र सिंह निवासी हवा मंगरी सुखेर ने अपनी पुत्री जान्हवी कुँवर (16) की शादी इसी वर्ष 12 मई को ईश्वर सिंह पुत्र धनसिंह निवासी आरना केलवा राजसमंद से करवाई थी। शादी के दौरान यह तय किया था कि बालिग होने पर ही जान्हवी कुँवर को ससुराल भेजा जाएगा और तब वह अपने पीहर में रहकर पढ़ाई करेगी। साथ ही यह भी तय किया गया था कि जान्हवी कुंवर ससुराल में भी पढाई करेगी। शादी के कुछ दिनों बाद पता चला कि ईश्वर सिंह की पूर्व में शादी हो चुकी है, जिससे उसका तलाक भी हो चुका है। यह बात भी जान्हवी के परिजनों से छिपाई गई। शादी के बाद से ही ईश्वर सिंह लगातार दबाव बना रहा था कि गीता अपनी पुत्री जान्हवी को ससुराल भेज दे पर गीता पूर्व में तय हुए वायदे के अनुसार ससुराल नहीं भेज रही थी। इसी को लेकर ईश्वर सिंह नाराज चल रहा था।

रविवार को ईश्वर सिंह उदयपुर आया और अपनी सास गीता कुँवर को साथ लेकर अपने गांव आरना केलवा राजसमंद लेकर गया। दोपहर को जान्हवी ने मां गीता को फोन किया तो गीता ने कहा कि वह कुछ समय में रवाना हो रही है। शाम को वापस फोन किया तो गीता ने फोन नहीं उठाया। इस पर लगातार कई बार फोन किया तो केवल मैसेज ही आ रहे थे। जब ईश्वर सिंह को फोन तो उसने कहा कि उसकी मां निकल

- **पुलिस ने शव बरामद कर हत्या का मामला दर्ज किया, आरोपी को पकड़ा**

चुकी है। शाम तक नहीं आने पर गीता की दोनों बेटियां जान्हवी व ईशिका दोनों सुखेर थाने पहुँची और रिपोर्ट दी।

इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर गीता की लोकेशन निकलवाई तो उसकी लोकेशन मीरानगर में राजकमल होटल के पास आई। इस पर दोनों बेटियां तलाशने के लिए गई तो काफी तलाशने के बाद भी उसका पता नहीं चला। बेटियों ने सोचा कि मां घर पर आ गई होगी तो वे पुन: घर पर गई तो मां घर पर नहीं थी। इस पर सुखेर थाने पर जाकर बताया तो फिर से लोकेशन निकलवाई तो फिर से फोन की लोकेशन फिर से वहीं पर निकली। इस पर मीरानगर में राजकमल होटल पर जाकर देखा तो गीता का फोन झाडियों में पडा मिला। यह देखकर पुलिस को शंका हुई और सुखेर थाने से जाब्ता ईश्वर सिंह के गांव आरना केलवा राजसमंद गया। वहां पर जाकर ईश्वर सिंह की मां से पूछा तो मां ने बताया कि ईश्वर सिंह माइंस पर गया है। पुलिस ने शंका के आधार पर घर की छत पर जा देखा तो वहां पर ईश्वर सिंह भागने का प्रयास कर रहा था, जिसे पुलिस ने पकडा और अपने साथ सुखेर थाने पर लेकर आई। यहां पर पूछताछ में ईश्वर सिंह में पहले तो ईश्वर सिंह मना करता रहा और बाद में जब सख्ती से पूछा तो ईश्वर सिंह ने बताया कि उसने अपनी सास गीता की हत्या कर शव को माइंस में फैंक दिया। इस पर पुलिस पुन: आरना गांव केलवा राजसमंद गई, जहां पर माईंस में से गीता का शव बरामद किया। शव के गले में दो जगह पर रस्सियों के निशान थे और सीने पर भी मारपीट करने के निशान थे। पुलिस ने शव बरामद कर हत्या का मामला दर्ज कर शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका के परिजनों की आर्थिक स्थिति खराब होने पर मृतका के शव का बैकुण्ठ धाम सेवा संस्थान के सुपुर्द किया। संस्थान के हिरालाल साहू व शंकरदयाल शर्मा ने मृतका के परिजनों के साथ अंतिम संस्कार करवाया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी ईश्वर सिंह अपनी पत्नी जान्हवी कुंवर को अपने साथ रखना चाहता था, पर गीता कुंवर अपनी 16 साल की बेटी को साथ नहीं भेजना चाहती थी। इसी कारण ईश्वर सिंह काफी नाराज चल रहा था। इसी कारण ईश्वर सिंह अपनी सास गीता को साथ लेकर गया, जहां पर विवाद हुआ और ईश्वर सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर गीता की हत्या कर दी।

उदयपुर में हनीट्रैप का खुलासा, पांच गिरफ्तार

- **सभी जयपुर निवासी और उदयपुर में कर रहे थे नौकरी**
- **आरोपी रिमाण्ड पर, मुख्य सरगना की तलाश जारी**

उदयपुर, (कासं)। वेब पर टीओटीटीएएएक्स के नाम से एक वेबसाईट बनाकर उस पर लड़कियों के फोटो अपलोड कर क्लिक करने वाले युवाओं को फंसाकर उन्हें सुनसान जगह पर बुलाकर मारपीट तलवार से डरा-धमकाकर और बदनाम करने की धमकी देकर नकदी व जेवरात लूटने में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले तीन-चार माह में सैंकडों लोगों से लूटपाट कर चुके है और शर्म के मारे अब तक कोई भी थाने नहीं आया। ये सभी आरोपी युवक जयपुर के एक व्यक्ति के अंडर में नौकरी करते है और वहां से उन्हें निश्चित वेतन मिलता है। आरोपी लूटपाट का कुछ हिस्सा खुद रखते है और शेष पैसा जयपुर भेजते हैं।

मामला प्रतापनगर थाना क्षेत्र का है। एसपी भुवन भूषण यादव ने अनैतिक गतिविधियां करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के आदेश दे रखे है। इसी दौरान एएसपी सिटी अनंत कुमार के निर्देशन में थानाधिकारी हिमांशु सिंह को पता चला कि कुछ लोग वेबसाईट के माध्यम से एक रात के लिए लडकियां उपलब्ध करवाने का झांसा देकर युवकों को एकांत में बुलाकर इन युवाओं को लडकी के साथ बदनाम करने का झांसा देकर या मारपीट कर तलवार से डरा-धमकाकर नकदी और जेवरात लूटने का एक गिरोह चल रहा है। यह गिरोह इतना शातिर है कि इसके झांसे में फंसने वाला किसी भी सूरत में थाने में आकर शिकायत नहीं देता है।

इस पर थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम ने एक युवक को बोगस ग्राहक बनाकर वेबसाईट पर जाकर आरोपियों से सम्पर्क करने के लिए कहा। बोगस ग्राहक ने इस वेबसाईट पर क्लिक किया। जिस पर एक मोबाईल नम्बर से संपर्क हुआ। वॉट्सअप पर मैसेज, वाईसकॉल कर बात की। बातचीत करने पर लडकियों के फोटो भेजे। इस पर बोगस ग्राहक ने आरोपियों को एक फोटो को वापस भेजकर उसके संबंध मे रेट के बारे में बात कर मिलने के स्थान व गाडी के बारे मे पूछा तो आरोपियों ने उसे सुखानाका रोड पर महिन्द्रा थार गाडी में मिलना तय किया। इस पर बोगस ग्राहक सुखानाका के नए रोड भेजी गयी लोकेशन पर पहुँचे। साथ में दूरी पर जाब्ता भी चल रहा था, जहां एक काले रंग की थार व एक कार खडी थी 7 बोगस ग्राहक पैदल चलकर थार के पास भेजा। थार से एक लडका नीचे उतरा जिसने बोगस ग्राहक को अपने साथ लेकर के पास खडी दूसरी गाड़ी कार मे बैठा दिया। कुछ देर बाद दोनो थार व कार वहां से रवाना होने लगी।

पुलिस ने घेरा देकर दोनो गाडियों को रोका और दोनो गाडियों मे बैठे व्यक्तियों को पकडकर तलाशी ली तो गाडियों में तलवार, फोन, हिसाब की डायरियां मिली। इन लोगों के कब्जे से 10 मोबाईल फोन, 2 हजार रूपये, 2 डायरियां भी मिले। दोनों कारों में सवार प्रीतम सिंह पुत्र जितेन्द्रसिंह राजावत निवासी मौहब्बपुरा फागी रेनवाल जयपुर, मनीष पुत्र नारायणलाल चौधरी निवासी पवालियां सांगानेर महुनामण्डी जयपुर, अशोक सैन पुत्र रामकिशोर सैन निवासी बगरू बेगस रोड जयपुर, सुबराती खान पुत्र मजीद खान निवासी छोटा बास मौहल्ला साकुन्द नरेना जयपुर, दीपक कुमार पुत्र रामस्वरूप मीणा निवासी कचनार मौजवाबाद जयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से तीन दिन के रिमाण्ड पर प्राप्त किया है और पूछताछ की जा रही है।

व्यापारियों ने किया प्रदर्शन, काम बंद करवाने की दी चेतावनी

मंडावा में रूडिप कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए व्यापारी।

मंडावा, (निसं)। रूडिप कंपनी की कार्यशैली को लेकर मंगलवार को व्यापारियों ने मुकुंदगढ़ मार्ग स्थित रूडिप कार्यालय पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। करीब एक दर्जन से अधिक हाजी मार्केट के व्यापारी रूडिप कार्यालय पहुंचे लेकिन यहां पर कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिलने पर नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया।

व्यापारियों का कहना है कि कस्बे मैं सीवरेज का काम चल रहा है और हाजी मार्केट में बने सभी रास्तों को एक

- **रूडिप कंपनी की कार्यशैली को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया**

साथ खोद कर रख दिया और काम भी धीमी गति से किया जा रहा है जिससे हमारा व्यापार ठप हो रहा है और कंपनी द्वारा काम को तरीके से नहीं किया जा रहा है। मात्र व्यापारियों को परेशान करने का काम किया जा रहा है।

अगर बुधवार सुबह तक अधिकारियों द्वारा कोई पुख्ता आश्वासन इस काम को लेकर नहीं दिया जाता है तो हम यह काम नहीं होने देंगे जिसकी जिम्मेदारी कंपनी अधिकारियों की होगी। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि राजेश रणजीरोत, व्यापारी साहिल, सुंदरलाल बारी, प्रमोद कुमार योगी, जोगेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह तिहावली, बीरबल सिंह, बजरंग लाल मारोठिया, पवन कुमार, साजिद भाटी, संजय जांगिड़, अनिल कुमार, कयूम, सतीश मराठा सहित अन्य दुकानदार मौजूद रहे।

शिक्षक के घर आग लगने से कैंपर, ट्रैक्टर, बाइक सहित घर का सामान जला

गाडना गांव में शिक्षक के घर शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी

बाप, (निसं)। बाप उपखंड मुख्यालय से महज चार किमी दूर गाडना गांव में एक शिक्षक के मंगलवार सुबह हुई आगजनी की बड़ी घटना में चार वाहन सहित एक कमरा व उसमें रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शॉटसर्किट बताया जा रहा है। घटना के समय महिलाएं घर में थी। ग्रामीणों द्वारा नुकसान का आंकड़ा लाखों में बताया जा रहा है। आग की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग वहां मौके पर पहुंचे तथा आग पर काबे पाने का प्रयास किया, लेकिन संसाधनों के अभाव में ग्रामीणों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

गाडना गांव में मोहनदान पुत्र शक्तिदान शिक्षक है। मंगलवार सुबह अपने निर्धारित समय पर स्कूल के लिए निकल गये। करीब साढ़े आठ बजे शॉर्ट सर्किट से उनके घर में आग लग गई। देखते ही देखते ही विकराल हुई आग ने कमर के पास खड़े वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। घर की महिलाओं के चिखने चिल्लाने पर नखताराम, गणपत दान, पुनाराम, पुरखाराम, स्वरूप सिंह, राणुलाल व नखतदान, लालचंद

बाप में आग से कैंपर गाड़ी जलकर राख हो गई।

लोहिया सहित बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर मोहनदान भी वापिस घर आ गए। नखताराम लोहिया व अन्य लोग पानी का टैंकर लेकर आये। बाप पुलिस व हल्का पटवारी सहित सरपंच प्रतिनिधि भैरूसिंह, बाप से भाजपा नेता महेश पालीवाल होपारड़ी, मनोज लोहिया, श्याम राठी भी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि विकराल हुई आग से एक कैंपर, एक ट्रेक्टर, एक बाइक, एक थ्रेसर व दो प्लास्टिक की पानी की टंकियां जल गई। कमरे में रखा सारा सामान व बच्चों के पुस्तकें, बिस्तर आदि भी जल गये। लोगों ने आग को बुझाने का भरकस प्रयास, लेकिन आग काबू में आती जिससे पहले ही पीड़ित के सारे वाहन जलकर खाक हो गए थे। हल्का पटवारी ने आग से हुए नुकसान की फर्द रिपोर्ट तैयार की है।

आग बुझने के बाद पहुंची दमकल :- लालचंद लोहिया ने बताया कि उसने दमकल व बाप थाने में आग की घटना के बारे में सूचना दी थी। पुलिस दस मिनट में आ गई, लेकिन दमकल बाप में नहीं थी। इसलिए भडला से सौर्य ऊर्जा कंपनी की दमकल बुलाई पड़ी। दूरी की अधिकता की वजह से उसे आने में दो घंटे से अधिक का समय लग गया। तब तक आग से लाखों का नुकसान हो गया था। आग भी काबू में आ गई थी। भाजपा नेता महेश पालीवाल ने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही से गाडना में आगजनी की बड़ी घटना हुई है। बाप उपखंड मुख्यालय पर दमकल मांग ग्रामीण लंबे समय से करते आ रहे है, लेकिन सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। आए दिन बाप क्षेत्र में हो रही आगजनी की घटनाओं में पीडित परिवारों को सबकुछ जल कर राख हो जाता है।

शारीरिक शिक्षक द्वारा बालिकाओं से दुराचार का मामला सामने आया

बाप, (निसं)। दुराचार के आरोपी निलंबित शारीरिक शिक्षक से पुलिस द्वारा उसे हिरासत में लेकर सख्ताई से पूछताछ करने की मांग ग्रामीणों ने उठाई है। इसको लेकिन ग्रामीणों ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी की अनुपस्थिति में कार्यालय के जिम्मेदार कार्मिक को ज्ञापन सौंपा। उधर, इसी मामले में फलोदी विधायक पब्बाराम विश्नोई भी बाप में सीधे सीबीईओ कार्यालय पहुंचे।

विधायक ने बाप मुख्यालय पर इस तरह की घटनाओं को शर्मनाक बताते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर ही सवाल उठाये। मंगलवार को उपखंड अधिकारी कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में लिखा कि बाप क्षेत्र में स्थित विद्यालय में कार्यरत अध्यापक अवधेश चारण ने विद्यालय के नजदीक निजी कमरा ले रखा है।

रविवार को दोपहर में उक्त अध्यापक के रूम में इसी विद्यालय की अध्यनरत छात्रा अंदर गई। आसपास के लोगों को भनक लगी तो वे एकत्रित हो गए तथा रूम का दरवाजा खोलने की कोशिश करने लगे थे। इस बीच उक्त शिक्षक द्वारा छात्रा को पीछे के दरवाजा से आपत्तिजनक हालत में वहां से भगा देने के साथ खुद भी अपनी बाइक छोड़ भाग गया, जो बाप पुलिस थाना परिसर में खड़ी करवाई गई है।

ज्ञापन में लिखा कि छात्रा का पता नहीं चलने की वजह से किसी प्रकार का मुकदमा दर्ज नहीं हो पाया। उक्त शिक्षक को भागाने में अन्य शिक्षक शिवराम यादव ने सहयोग किया। लेकिन रविवार को मामले ने तूल पकड़ लिया। इस कारण शिक्षा विभाग ने दोनों शिक्षकों को निलंबित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सहयोगी शिक्षक शिवपाल यादव बाप पुलिस की हिरासत में है।

दो बाइकों की टक्कर में पिता-पुत्री की सहित तीन की मौत

सुजानगढ़, (निसं)। सोमवार रात गनोडा-सारोठिया मार्ग पर दो बाइक की हुई टक्कर में एक मासूम बालिका सहित तीन जनों की मौत हो गई।

सदर थाने के कांस्टेबल करणाराम ने बताया कि घाबरिया निवासी ओमप्रकाश ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसका भाई तिलोकचंद (23) पुत्र गोपालराम जाट अपनी 6 वर्षीय पुत्री मानवी के साथ बुआ से मिलने के लिए बाइक से पारेवडा गए थे। जहां से सुजानगढ़ आते समय अचानक सडक पर आई नीलगाय को बचाने के चक्कर में बाइक टकराने से हादसा हो गया। दूसरी बाइक पर सवार शराब ठेके पर सेल्समैन का कार्य करने वाले ओंकार सिंह पुत्र मूल सिंह निवासी सुजानगढ़ से अपने गांव लिखमनसर जा रहा था। इसी वक्त सामने से आ रही बाइक पर टक्कर हो जाने से ओंकार सिंह ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद घायल हुए तिलोकचंद व उसकी बेटी मानवी को हारे का सहारा टीम के सदस्य श्याम सुंदर स्वर्णकार, नवरत्न बिजारनिया घटनास्थल से राजकीय बगडिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर मौजूद चिकित्सको ने तिलोकचंद को मृत घोषित कर दिया। घायल हुई मानवी को रैफर किया गया। जिसके बाद मानवी ने सीकर एसके अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया।

केवलादेव नेशनल पार्क में प्लास्टिक उत्पादों पर रोक

भरतपुर, (निसं)। पक्षियों की नगरी के नाम से जाने वाला जिले में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान में देश-विदेशों से हजारों की संख्या में पक्षी प्रतिवर्ष आते हैं। ऐसे में केवलादेव ने विश्वस्तरीय पर्यटन के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान कायम की है।

वेटलैंड्स, ग्रासलेंड्स के साथ इतिहास की घटनाओं को अपने आंचल में समेटे हुए केवलादेव पक्षियों के साथ स्पोटेड डियर, सांभर, अजगर, विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पेड़ पौधों का घर है। फ़्लोरा एंड फौना से समृद्ध घना यूं तो कई बार पानी से कमी से झूझा। परन्तु प्रशासनिक चेतना के साथ समय रहते घना को बचा लिया गया। इस सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती थी, केवलादेव को प्लास्टिक से बचाना। पर्यटकों के साथ खाद्य सामग्री एवं पानी की बोतल के रूप में पार्क के अंदर जाने वाला प्लास्टिक कई बार पर्यटकों की न समझी की वजह से पार्क में दिखाई पड़ता जोकि वन्यजीवन के लिए खतरा साबित हो सकता था। केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान के उप वन संरक्षक मानस सिंह द्वारा अनूठी पहल कर घना को प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में प्रयास किये जा रहे है।

मानस ने बताया कि पर्यटकों द्वारा पार्क में लाये जाने वाले उत्पादों की पार्क के प्रवेश द्वार पर चेकिंग की जाती है एवं प्रत्येक प्लास्टिक निर्मित उत्पाद पर 50 प्रति उत्पाद फीस जमा कर एक टैग लगा दिया जाता है। जब पर्यटक पार्क भ्रमण कर वापस आते हैं तो टैग लगे हुए उत्पादों की वापस चेकिंग की जाती है एवं सही संख्या में पाए जाने पर 50 रुपए की फीस वापस कर दी जाती है एवं नहीं पाए जाने पर 50 रुपए जमा कर लिए जाते हैं।

सांचौर के लक्ष्मण देवासी हत्याकांड मामले में धरना दिया, बाजार बंद रहे

सांचोर, (कासं)। सांचौर जिला बनने के बाद हत्याकांड की घटना के बाद हर किसी को सोचने को मजबूर कर दिया। सांचोर के नेशनल हाईवे स्थित थराद रोड़ पर सोमवार शाम पांच बजे अज्ञात युवकों ने शराब कारोबारी लक्ष्मण देवासी के ऊपर फायरिंग कर उनकी हत्या को लेकर परिजन आरोपियों को गिरफ्तारी को लेकर धरने पर बैठ गये। हत्याकांड की घटना के बाद मंगलवार को सांचौर शहर का पूरा मार्केट बंद रहा। शाम को चार बजे पुलिस के अधिकारियों द्वारा आश्वासन देने के बाद धरना को हटाया गया। वही शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया। इस दौरान सांचोर विधायक एवं श्रम राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई मौके पर पहुंचकर परिजनों को इस हत्या को लेकर मुलजिम को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि आरोपियों की कोई जाति धर्म नहीं है। किसी भी जाति से हो, आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने इस हत्या को लेकर निंदा की। वहीं कांग्रेसी नेता रानीवाडा विधायक रतन देवासी ने इस हत्या को लेकर पुलिस पर सीधे सवाल खड़े किये। इस पर यहां पर कई लोगों से मिले होने की बात सही है। इस मामला को बहुत गंभीर रूप से लिया जाये। उन्होंने बताया कि पुलिस अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी

शराब कारोबारी लक्ष्मण देवासी की हत्या के बाद समाज के लोग धरने पर बैठ गये।

है। यदि जल्द ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया तो मैं जिला कलेक्टर सांचौर के सामने धरना पर बैठूंगा। इन आरोपियों को किसी से भी सूरत में बक्सा नहीं जायेगा।

पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी ने कहा कि काफी क्षेत्र में काले शीशे की गाड़ियां बिना नंबरी आगे पीछे बंपर लगाई हुई, खुलेआम घूम रही है। पुलिस इन पर तुरंत कार्यवाही कर तुरंत प्रभाव से सीज करे। सब चोरियों की गाड़ी चल रही है। पिछले कई सालों से यह गुंडाराज चल रहा है। पुलिस इसको हल्के में ना लेकर कार्रवाई करें। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव, राव मोहनसिह चितलावना दानाराम चौधरी, मोतीराम चौधरी, रावत सिंह, दुर्गा राम चौधरी, हरचंद राम पुरोहित, शीला बिश्नोई, रोहित, भानाराम देवासी, सांवलाराम देवासी, धनाराम देवासी समाज के साथ 36 कम क्लॉक मौजूद रहे।

देवासी समजा ने सुखराम विश्नोई के प्रति जताया विरोध :- राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई धरना स्थल पर आने पर देवासी समाज के लोगो ने मुलजिम को शह देने का आरोप लगाया और उनके खिलाफ नारे लगाए बताएं कि मुलजिम का राज्य मंत्री सहयोग कर रहे हैं। एक बार मामला गर्मा गया। लेकिन रतन देवासी ने खड़े होकर सब को शांत कर मामला को शांत किया।

विरोध में सांचोर के बाजार रहे बंद :- शराब कारोबारी लक्ष्मण देवासी की हत्या को लेकर व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष हरीश पुरोहित ने इसके विरोध मे समस्त प्रतिष्ठान बंद रखने का घोषणा की थी। जिसके तहत मंगलवार को पूरे दिन बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने हत्या का विरोध किया। वहीं लक्ष्मण देवासी मर्डर केस मामले को लेकर उपखण्ड मुख्यालय पर परिजनों के साथ ग्रामीणों का धरना जारी रहा। परिजनों की सहमति के बाद जालोर से आई मेडिकल टीम द्वारा पोस्टमार्टम को परिजन राजी हुए। वहीं हत्याकांड में आरोपी मुकेश पुत्र जगदीश राम बिश्नोई का पुलिस ने फोटो स्केच कर राजस्थान के हर थाने में भेज दिया गया। इस मुलजिम को देखें तो शीघ्र गिरफ्तार करने किया जाये। वही तेजाराम पुत्र वीरमा राम जाती रेबारी निवासी नागौरलडी सांचौर ने पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया है।

देरी के आधार पर बीमा कम्पनी को क्लेम निरस्त करने का अधिकार नहीं

- **स्थाई लोक अदालत ने मेडिकल पॉलिसी के तहत भुगतान का दिया आदेश**

जोधपुर, (कासं)। स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार शर्मा और सदस्य जेठमल पुरोहित व माणकलाल चाण्डक ने एक परिवाद का निस्तारण करते हुए कहा कि देरी के आधार पर बीमा कम्पनी को क्लेम निरस्त करने का अधिकार नहीं है। स्थाई लोक अदालत ने प्रार्थी राकेश जैन द्वारा प्रस्तुत जनोपयोगी सेवा प्रकरण को स्वीकार कर बीमा कम्पनी स्टार हेल्थ एण्ड एलाइड इंश्योरेन्स कम्पनी द्वारा निरस्त किए गए क्लेम को अपास्त कर 69 हजार 23 रुपए की राशि नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से 30 दिवस के भीतर भुगतान करने का आदेश पारित किया।

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता किशोर कुमार व्यास ने स्थाई लोक अदालत के समक्ष तर्क प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रार्थी एक राजकीय कर्मचारी है और पूर्व में नायब तहसीलदार के पद पर कल्याणपुर जिला बाड़मेर में कार्यरत थे। प्रार्थी ने अपने स्वयं एवं परिवार के हितार्थ चिकित्सा सुविधा के लिए मेडिक्लेम पॉलिसी करवाई थी जिसका वार्षिक प्रीमियम 23 हजार रुपए का भुगतान भी प्रार्थी द्वारा समय-समय पर बीमा कम्पनी को अदा किया जाता रहा है। उक्त बीमा पॉलिसी के तहत मेडिक्लेम पांच लाख रुपए तक का प्रार्थी व उसके परिवार का किया गया। प्रार्थी को गत 7 फरवरी 2019 को तेज बुखार आ गया तब प्रार्थी ने राजकीय चिकित्सालय बाड़मेर में उपचार करवाया लेकिन प्रार्थी को कोई राहत नहीं मिली तब प्रार्थी 9 फरवरी 2019 को इलाज के लिए जोधपुर आया और राठी अस्पताल में भर्ती हुआ। छह दिन तक भर्ती रहने के बाद उसकी सेहत में सुधार हुआ और अस्पताल द्वारा प्रार्थी को 14 फरवरी 2019 को छुट्टी दे दी गई।

प्रार्थी ने अस्पताल में भर्ती होने के दौरान ही बीमा कम्पनी को फोन पर सूचित कर दिया था। चूंकि प्रार्थी जिस अस्पताल में इलाज करवा रहा था वह अप्रार्थी इंश्योरेन्स कम्पनी के नॉन नेटवर्क की कैटेगरी में था इसलिये कैशलेस सुविधा मिलना संभव नहीं था। तब प्रार्थी ने इलाज में पिचहतर हजार चार सौ अठावन रुपए व्यय किए और प्रार्थी जैसे ही स्वस्थ होकर अपने कार्यस्थल पहुंचा तो प्रार्थी की लोकसभा चुनाव में इलेक्शन ड्यूटी 14 मार्च, 2019 से लग गई। इस कारण प्रार्थी को एक बार तत्काल अपने कार्यस्थल जाना पड़ा और ड्यूटी ज्वॉइन करनी पड़ी। इस कारण प्रार्थी अपने इलाज में व्यय के लिए क्लेम का आवेदन बीमा कम्पनी को समय पर नहीं कर सका। प्रार्थी जैसे ही जोधपुर आया तब अपने इलाज से सम्बन्धित सभी दस्तावेज एवं बिल क्लेम राशि के पुनर्भुगतान हेतु इंश्योरेन्स कम्पनी के कार्यालय में प्रस्तुत कर दिए।

तब बीमा कम्पनी द्वारा दो मई 2019 को ईमेल से एक पत्र जारी कर यह कथन किया कि प्रार्थी का क्लेम खारिज कर दिया गया है क्योंकि प्रार्थी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के तीस दिवस के भीतर बीमा कम्पनी के समक्ष क्लेम प्रस्तुत करना था जो कि प्रार्थी द्वारा नहीं किया गया। इस आधार पर बीमा कम्पनी द्वारा प्रार्थी का जो बीमा दावा केवल तकनीकी एवं गौण आधार पर निरस्त किया है वह त्रुटिपूर्ण है जबकि प्रार्थी चुनाव ड्यूटी में व्यस्त था इसलिये अपना क्लेम प्रस्तुत नहीं कर सका और इस आशय का प्रतिवेदन भी प्रार्थी द्वारा ग्रीवेन्स सेल में प्रस्तुत कर दिया था।

कोटड़ी जैसी घटना दोबारा ना हो, सरकार करेगी हर संभव प्रयास : सचिन पायलट

पायलट ने राहुल गांधी की सदस्यता बहाली लोकतंत्र की जीत बताया

राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पीड़ित परिवार से मुलाक़ात कर सांत्वना दी।

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। भीलवाडा जिले के कोटड़ी थाना इलाक़े के एक गांव में हुई नाबालिग से गैंगरेप और कोयला भट्टी में झोंक कर की गई निर्मम हत्या के मामले में राजनेताओं के आने का दौर लगातार जारी है। वहीं मंगलवार को राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पीड़ित परिवार से मुलाक़ात कर सांत्वना दी।

मीडिया से बातचीत के दौरान पायलट ने कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता की बहाली के बाद पहली बार राजस्थान के बांसवाड़ा में कल राहुल गांधी की रैली आयोजित होगी। यह मानहानि का कानून डेढ़ सौ साल पुराना है इस कानून में अधिकतम

- **कोटड़ी थाना इलाक़े के एक गांव में हुई नाबालिग से गैंगरेप और कोयला भट्टी में झोंक कर की गई निर्मम हत्या का मामला**

सजा का प्रावधान 2 साल का है डेढ़ सौ साल में कभी किसी व्यक्ति को अधिकतम 2 साल की सजा नहीं हुई है। 1 साल 11 महीने 25 दिन की होती तो सदस्यता नहीं जाती। गुजरात के किसी व्यक्ति ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। जहां सेशन कोर्ट, लोवर कोर्ट और हाई कोर्ट ने सजा दे दी और सजा 2 साल की हो जिससे उनकी सदस्यता चली जाए, लेकिन मैं देश की सर्वोच्च न्यायपालिका को धन्यवाद देना चाहता हूं सुप्रीम कोर्ट का जिन्होंने जिस प्रकार से राहुल गांधी की सदस्यता बहाल की। यह लोकतंत्र की जीत है। लोकतांत्रिक तरीके से हमारी आवाज दबाना चाहे तो हम ऐसा होने नहीं देंगे। जब से सुप्रीम कोर्ट का राहुल जी का निर्णय आया है वे सदन में गए हैं। एक नई ऊर्जा पार्टी के लोगों में आएगी और हमारा इंडिया अलायंस है वो और मजबूत होकर उभरेगा और विपक्ष के तमाम सांसद और मजबूत होकर अपना पक्ष रखेंगे। राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने के बाद उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है इसके लिए वो राजस्थान आ रहे हैं। पूरे प्रदेश की जनता उनका स्वागत करेगी जो मीटिंग होने जा रही है वह ऐतिहासिक एक मीटिंग होगी।

कोटड़ी हत्याकांड के विषय में उन्होंने चिंता ज़ाहिर करते हुए कहा कि पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए जो कार्यवाही की है वह आरोपियों को फांसी तक पहुँचायेगी। हमें अभी यह प्रयास करना है कि कैसे आरोपियों के ख़िलाफ़ जल्द से जल्द चार्जसीट पेश की जा सके और मामले में डे टू डे सुनवाई करवाई जा सके। मामले में पीड़िता और उसके परिवार की पहचान सोशल मीडिया पर उजागर किए जाने के विषय में पायलट ने चिंता ज़ाहिर करते हुए क़ानून का ख्याल कर ऐसा नहीं करने की भी अपील की है। पायलट से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उस बयान की में मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना चाहता हूं पर वह नहीं छोड़ती है यह पूछा गया तो वह बिना कोई जवाब दे आगे बढ़ गए।

कोटड़ी पहुंचा मंत्रियों का दल, पीड़ित परिवार से मुलाकात की

मणिपुर में अपनी नाकामी छिपाने के किए भाजपा कर रही कोटड़ी मामले में राजनीति : गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। कोटड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में हुये नाबालिग के हत्याकांड के मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर तीन मंत्रियों का एक दल आज पीड़ित परिवार के घर पहुंचा। मंत्रियों के दल ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के साथ ही घटना स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। मीडिया से बातचीत के दौरान गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव ने कहा की भाजपा मणिपुर में अपनी विफलता को छिपाने के लिए कोटड़ी के मामले पर राजनीति कर रही है। जबकि यह मामला राजनीति का नहीं बेटी को न्याय दिलाने के लिए एकजुटता दिखाने का था।

कोटड़ी क्षेत्र में नाबालिक बालिका के साथ गैंगरेप कर कोयले की भट्टी में जलाने के मामले में अब सियासत तेज हो गई है जहां मृतक परिवार को सात्वना देने कई राजनेता अब तक पहुंच चुके हैं जहां पूर्व में यहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, टोंक सवाई माधोपुर सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, भीलवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. महेश जोशी व भाजपा की चार महिला सदस्य सांसदों की टीम पहुंची थी। वहीं इस मामले की जांच करने केंद्रीय महिला आयोग व केंद्रीय बाल संरक्षण आयोग की टीम के साथ ही राजस्थान बाल संरक्षण आयोग भी टीम पर मौके पर पहुंची थी। जहां केंद्रीय महिला आयोग में टीम प्रारंभिक तौर पर भीलवाड़ा प्रशासन व पुलिस की नाकामी बताई। वहीं इस मामले में आज राज्य सरकार की ओर से गठित दो मंत्रियों की टीम भी मौके पर पहुंची जिसमें प्रदेश के राजस्व मंत्री रामलाल जाट, गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव ने शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना देने पहुंचे इस दौरान उन्होंने घटना की वास्तविक जानकारी ली।

इस दौरान गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव ने प्रेस से मुखातिब होते हुए कहा कि निश्चित तौर पर हृदय विदारक घटना है जिस तरह का अपराध हुआ है वह वाकई हीनस क्राइम है। पुलिस ने उसी दिन चार युवाओं को गिरफ्तार कर लिया था। बाकी को बाद में गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले को हमारे एडीजी रैंक के अधिकारी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जल्द ही फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई करवाकर सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी जिससे समाज में मैसेज अच्छा जाये। इस तरह का कृत्य करने वाले को ज्यादा से ज्यादा सजा हो सके इस तरह की घटना में राजनीति नहीं होनी चाहिए। राज्य सरकार चौक चौबंद है शक्ति से काम कर रही है। बीजेपी के पास आरोप लगाने के अलावा कुछ नहीं है। मणिपुर के लिए कुछ नहीं बोलते हैं हमने तुरंत कार्रवाई की है। मणिपुर की घटना से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा इस मामले को हवा दे रही है।

वहीं प्रदेश के राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि बहुत जगन्य अपराध है इससे बढ़कर कोई जगन्य अपराध हो नहीं सकता है चारों तरफ भर्त्सना की जा रही है। मुख्यमंत्री स्पेशल मॉनिटरिंग करते हुए स्पेशल अधिकारी को लगाया है। आज हम गृह राज्य मंत्री और मैं यहां पहुंचा हूं। घटना की जानकारी ली है और तुरंत मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 लाख रूपये की सहायता राशि का चेक मृतक बालिका के परिजनों को सौंपा और इस मामले में जल्द चालान पेश कर सख्त सजा दिलवाई जाएगी।

गौरतलब है कि भीलवाड़ा जिले के कोटडी थाना क्षेत्र में बुधवार शाम एक नाबालिग बालिका के साथ गैंगरेप कर कोयले की भट्टी में जला दिया था। उसके बाद देश भर के लोगों में काफी गुस्सा था पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए सात महिला पुरूषों को गिरफ्तार कर दौ बाल अपचारी को निरूद्ध किया है। वहीं इस मामले में दोषियों को फांसी की सजा व परिवार को उचित मुआवजे के लिए 3 दिन तक कोटडी थाना परिसर में सर्वसमाज की ओर से धरना दिया गया था। उस धरने की समाप्ति जिला कलेक्टर व बीज निगम के अध्यक्ष धीरज गुर्जर के आश्वासन के बाद समाप्ति हुई थी जहां परिवार में एक व्यक्ति को संविदा पर नौकरी व 53.50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया था।

''प्रदर्शन व राजकार्य में बाधा'' पहुंचाने पर भाजपाईयों पर मुकदमा दर्ज

शाहपुरा स्थापना दिवस पर प्रदर्शन के दौरान प्रभारी मंत्री महेश जोशी की गाड़ी की ओर काले झंडे लेकर दौड़ने, रोड़ जाम, पुलिस से धक्का-मुक्की कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। नवगठित शाहपुरा ज़िले के स्थापना दिवस समारोह के दौरान हुरडा, गुलाबपुरा तहसील को शाहपुरा में शामिल करने की मांग को लेकर सोमवार को प्रदर्शन के दौरान प्रभारी मंत्री महेश जोशी की गाड़ी की ओर काले झंडे लेकर दौड़ने, रोड़ जाम, पुलिस से धक्का-मुक्की और पत्थरबाजी कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में डीएसपी ने शाहपुरा संघर्ष समिति संयोजक, भाजपा नेताओं सहित 15 नामजद और 50-60 अन्य लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है।

शाहपुरा थाने में दर्ज करवाई रिपोर्ट में बताया कि 7 अगस्त को नवसृजित जिला शाहपुरा का स्थापना दिवस प्रताप सिंह बारहठ महाविद्यालय में समारोह था। इसके चलते वे, पुलिस जाब्ते के साथ प्रताप सिंह बारहठ महाविद्यालय सभा स्थल पर करीब 11-11.15 बजे कार्यक्रम शुरु होने से पहले ही शाहपुरा कस्बावासी एव आसपास गांवों के लोग प्रताप सिंह बारहठ महाविद्यालय के बाहर शाहपुरा संघर्ष समिति के संयोजक जयन्त जीनगर, भाजपा नेता अविनाश जीनगर, भाजपा नेता लालाराम बैरवा के नेतृत्व में पंकज सुगन्धी, हनुमान धाकड, शिवराज कुमावत, ओमप्रकाश जाट, शक्ति सिंह परिहार, भानुप्रताप सिंह, शाहरुख खान निवासी भीमपुरा, अशोक बोहरा, विठ्ठल शर्मा, अर्पित कसेरा, सुरेश गुर्जर, अंश छीपा व अन्य 50-60 अन्य व्यक्तियों के साथ उग्र भीड़ को साथ लेकर सरकार एवं प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुये कॉलेज के गेट के सामने एकत्रित हो गये। नव सृजित जिला शाहपुरा में तहसील हुरडा, गुलाबपुरा को मिलाने की मांग को लेकर कॉलेज के सामने स्टेट हाईवे 12 पर बैठकर जाम लगा यातायात अवरुद्ध कर दिया गया था।

कॉलेज परिसर में जो सभास्थल पाण्डाल बना रखा था, जिसमें सभा में आने वाले लोगों को जाने से रोकने लगे। इस पर डीएसपी व अन्य जाब्ते ने काफी समझाइश की। समझाइश के दौरान ही प्रभारी मत्री महेश जोशी की गाडी जैसे ही कॉलेज वीआईपी गेट में प्रवेश हुयी तो एकत्रित भीड़ वीआईपी की गाडी की तरफ काले झण्डे लेकर दौड़ने लगी। डीएसपी व जाब्ते ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया तो आक्रोशित भीड पुन: रोड की तरफ तथा कोलेज की दीवारों के उपर से भागकर वीआईपी की गाडी की तरफ दोड़ने लगी। इस पर हल्का बल प्रयोग कर आक्रोशित भीड़ को खदेड़ना चाहा तो भगदड़ मच गयी। कुछ लोग दीवार को लांघने तथा थडियों पर बैठने के लिये लगी पट्टियों तथा वहां खड़ी मोटरसाईकिलों से टकराकर गिर पड़े। आक्रोशित भीड ने पुलिस जाब्ते के साथ धक्का मुक्की, गाली गलौच व पत्थरबाजी कर राजकार्य कर रहे पुलिस जाब्ता को चोटिल किया। पत्थरबाजी तथा धक्का मुक्की से ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल आशाराम, विकास, देवेंद्र, महेश के चोटें आई है। आक्रोशित भीड़ ने पुन: कॉलेज के सामने एनएच 12 रोड पर आकर बैठ गये तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस, प्रशासन तथा राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। उग्र भीड ने करीब 3 घण्टों तक रोड जाम कर यातायात को बाधित किया जिससे आम जन को परेशानी का सामना करना पड़ा। डीएसपी की इस रिपोर्ट पर शाहपुरा पुलिस ने अपराध धारा 147, 149, 283, 336, 332, 353 भादसं के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

जखराना टोल टैक्स पर बदमाशों ने पांच लाख रुपए की लूट की

बहरोड़ से नारनौल रोड के जखराना टोलटैक्स पर लूट की वारदात हुई।

बहरोड़/भिवाड़ी, (निसं)। बहरोड़ से नारनौल रोड के जखराना टोलटैक्स पर दिनदहाड़े करीब दो से तीन बजे के बीच 20 से 25 बदमाशों ने टोल टैक्स पर लाठी-डंडों से तोड़फोड़ करते 5 लाख रुपए की लूट एवं टोल कर्मियों से हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया।

वहीं प्रत्यक्षदर्शी कर्मचारी दीपक सिंह चौहान ने बताया कि स्कॉर्पियो लेकर आए गांव के गुड्डू सरपंच द्वारा बुलाए गए 20 से 25 बदमाशों द्वारा टोल नाके पर जमकर तोड़फोड़ की गई। जिसमें टोल के सीसे आदि तोड़ते हुए घटना को अंजाम दिया गया और बचाव करते हुए कर्मचारियों में भगदड़ मचने के चलते कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई। वहीं तीन कर्मचारियों को चोटें आई जिनका सीएचसी जखराना में उपचार कराया गया। टोल कर्मियों के अनुसार तोड़फोड़ करते हुए मारपीट के दौरान बदमाशों द्वारा करीब 5 लाख रुपए लूटने सहित सीसीटीवी कैमरे तथा एलईडी एवं डीवीआर मशीन भी उठा कर ले साथ लेकर गए। गौरतलब है कि टोल के ठेकेदार मौके पर नहीं थे। वहीं टोल के ठेकेदारों से बात करने पर देर शाम मामला दर्ज कराने पहुंचने की जानकारी प्राप्त हुई।

इसी के चलते मामले में बहरोड़ डीवाईएसपी तेज कुमार पाठक से बात करने पर उन्होंने बताया कि टोल मालिकों आदि द्वारा अभी तक मामला दर्ज कराने नहीं पहुंचे बताए और मामला दर्ज कराने पर घटना को गंभीरता से लेते हुए अनुसंधान कर कार्यवाही की जाएगी।

डराने-धमकाने के मामले में लोगों ने सुरक्षा की गुहार लगाई

सीकर, (निसं)। स्थानीय वार्ड संख्या 54 के निवासियों ने कुछ लोगों के द्वारा नाजायज रुप से रास्ता निकालने को लेकर डराने धमकाने पर उद्योग नगर थाने में सुरक्षा की गुहार लगाई।

मिली जानकारी के अनुसार

- **नाजायज रुप से रास्ता निकालने को लेकर डराने धमकाने का आरोप**

पिपराली रोड़ पर स्थित इंदिरा कॉलोनी में गत दिवस विकास कॉलोनी निवासी भंवरलाल सैनी, मंगल चंद सैनी, श्याम लाल सैनी, रामनिवास सैनी पुत्रगण गुलाब राय सैनी निवासी विकास कॉलोनी एक राय होकर तीन दीवार को ट्रॉली, डम्पर आदि लाकर तोड़ गये।

इसी के साथ कॉलोनी वासियों को घर मे घुसकर मारने की धमकी दी। जिसको लेकर मोहल्ले के लोग डरे हुए हैं। ये लोग नाजायज तरीके से कानून को दरकिनार कर रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं। शिकायत करने वालों में आनंदी लाल जांगिड़, गोपाल राम, ललित कुमार, नेमीचंद, बनवारीलाल जांगिड़ आदि मौजूद रहे।

पाक की तरफ से भारत की सीमा में गुब्बारा आया

जैसलमेर, (नि.सं.)। भारत की सीमा में एक बार फिर पाकिस्तान की तरफ से एक गुब्बारा आया है। ये गुब्बारा हवाई जहाज के आकार का है। गुब्बारे के पीछे उर्दू में कुछ लिखा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियां गुब्बारे की पड़ताल कर रही है। जैसलमेर से लगती भारत-पाकिस्तान की सरहद से लगते नगराजा गांव में ग्रामीणों ने गुब्बारा देखा था। ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार देर शाम चरवाहों को एक खेत के किनारे हरे और सफ़ेद रंग का हवाई जहाज जैसे दिखने वाला गुब्बारा नजर आया। गुब्बारे को चेक किया तो उस पर पाकिस्तान लिखा देखकर दंग रह गए। किसी साजिश की आशंका को देखते हुए खुहड़ी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा एजेंसियों को बुलाया। उन्होंने गुब्बारे को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

पूर्व सांसद रामसिंह यादव पंचतत्व में विलीन

किशनगढ़ बास (निस)। किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र के छोटे से गांव कौशलपुर में किसान प्रेम सिंह यादव के घर में जन्मे 95 वर्षीय राम सिंह यादव की अंत्येष्टि में राजनेता अधिकारी एवं अधिवक्ता सहित बड़ी तादाद में गणमान्य लोग शामिल हुए। किसान आयोग उपाध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक दीपचंद खैरिया एसडीएम गंगाधर मीणा डीएसपी ने पूर्व सांसद रामसिंह यादव के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए नमन किया।

किशनगढ़ बास तहसील के गांव कौशलपुर में 18 अप्रैल 1929 को जन्मे राम सिंह यादव ने प्रधान से सांसद तक का राजनीतिक सफर तय किया। करीब एक महीने पहले ब्रेन हेमरेज होने पर उन्हें जयपुर दुर्लभजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। सोमवार दोपहर को निधन होने पर राम सिंह यादव के शव को किशनगढ बास निवास पर लाया गया। मंगलवार को किशनगढ़ बास बांसडा रोड मोक्षधाम पर अंत्येष्टि की गई। एमए एलएलबी राम सिंह यादव ने 1953 में किशनगढ़ बास में वकालत शुरू की और 1960 में पहली बार किशनगढ बास पंचायत समिति के प्रधान बने। 1972 में राम सिंह यादव मंडावर से चुनाव लड़े और जीतकर विधानसभा उपाध्यक्ष बने। 1979 में जेल भरो आंदोलन में भाग लिया। 1985 में शताब्दी समारोह राजस्थान संयोजक बनाए गए। 1980 से 1990 तक लोकसभा में राजस्थान के सदस्यों की समिति के संयोजक रहे हैं। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के विश्वास पात्र रहे राम सिंह यादव विधायक और सांसद रहते हुए अनेक केंद्र और राज्य सरकार की समितियों में सदस्य रहे।

पूर्व सांसद राम सिंह यादव के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर नमन करते विधायक दीपचंद खेरिया।

- **राम सिंह यादव राजस्थान विधानसभा और लोकसभा की अनेक समितियों में सदस्य रहे**

पूर्व सांसद राम सिंह यादव के 3 पुत्र और 4 पुत्री और 5 पौत्र व एक पोती है। मंगलवार दोपहर 12 बजे तिजारा रोड जैन मंदिर के सामने स्थित निवास से शव यात्रा प्रारंभ हुई और बांसडा रोड मोक्षधाम पहुंची। अंत्येष्टि में किसान आयोग उपाध्यक्ष व क्षेत्रीय विधायक दीपचंद खेरिया पूर्व सांसद डॉक्टर करण सिंह यादव, तिजारा विधायक संदीप यादव, रामहेत यादव, नसरुखा पदम, एसडीएम डीएसपी थाना अधिकारी सहित बड़ी तादाद में अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति का धरना जारी

चूरू, (कासं)। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गत 18 जुलाई से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को 22वें दिन भी जारी रहा। नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के सह संयोजक विनोद माहिच ने बताया कि राज्य सरकार हमारी मांगों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है, इसको लेकर आगामी 10 अगस्त को पूरे जिलेभर के नर्सेज एक विशाल रैली निकालकर जिला कलक्टर को ज्ञापन देंगे। इस अवसर पर धरना प्रदर्शन करने वालों में जिलाध्यक्ष सुमेर सिहाग, मामराज ईषराण, सन्नेसिंह, पतराम, गणेश, मंगल सिंह, रामगोपाल ईषराण, संदीप भाकर, हरीबाबू मीणा, देवीदान, अंकित, सुमन रानी बुडानियां, धनेष, मंजू धायल, रचना, विनय, राजबाला सहित बड़ी संख्या में नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

ENGINEERING COLLEGE KARAULI
(A Constituent College of Rajasthan Technical University, Kota)
Camp Office- Village-Shyorana, Near Sewar & National Highway-21, Bharatpur

FileNo.:F1(1)/GEC-Karauli/2023-24/435 Date: 08-08-2023

EMPANELMENT

On-line application on prescribed format for academic session 2023-24 are invited for empanelment of temporary Guest Faculty for the following Departments- Mechanical Engineering, Civil Engineering, Electronics and Communication Engineering, Electrical Engineering, Computer Science & Engineering, Mathematics. Minimum qualification for empanelment as above will be as per AICTE/UGC norms applicable for the post of Assistant Professor. Application should be submitted online up to 21/08/2023 till 4 P.M. written test followed by interview for eligible candidates will be held on 25/08/2023. Applicant may visit Engineering College, Karauli Camp office Engineering College, Bharatpur website www.ecbharatpur.ac.in/gec-karauli for the other terms & condition and notifications from time to time. -Principal

संक्षिप्त

नगरपालिका की बैठक आहूत

फागी । राज सरकार द्वारा फागी को चतुर्थ श्रेणी नगरपालिका घोशित हेतु जारी अधिसूचना के तहत नगरपालिका फागी द्वारा मंगलवार को बोर्ड की प्रथम साधारण सभा ओम प्रकाश शर्मा की अध्यक्ष नगरपालिका की अध्यक्षता में पालिका सभा भवन में आयोजित की गई। अधिशाषी अधिकारी राजपाल बुनकर के अनुसार बोर्ड के सभी सदस्यों पदभार ग्रहण एवं सम्मान विकास कार्यो पर विचार विमर्श एवं निर्णय शहर की सफाई व्यवस्था एवं सौन्दर्यकरण पर विचार एवं निर्णय 15 अगस्त पर विचार विमर्श एवं निर्णय तथा आयोजन का एजेण्डा रखा गया। सभी ने आपसी बधाईयां देकर खुशी का इजहार करते हुए विभिन्न निर्णयों पर आम सहमति बनाई गयी। बैठक में पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाष षर्मा अधिषाशी अधिकारी राजपाल बुनकर पार्षद सुरेन्द्र कुमार, कमलेश माली, शहनाज बानो, गंगाराम गुर्जर, निर्मला देवी, सीमा देवी, सरोज गुर्जर, राजकुमार जैन मोहनी देवी महेश कुमार जैन महेश कुमार टेलर बाबूलाल कुम्हार इन्द्र कुमार चौधरी बृजमोहन शर्मा जयप्रकाश सैन दीपक कलोसिया संजय गुर्जर रामगोपाल रामफूल देवी कजोड माली रामेश्वर गुर्जर नाथी देवी उपस्थित रहे।

एडीएम ने ली बैठक

मालपुरा (निस) विश्व प्रसिद्ध व अन्तर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल डिग्गी मे जन-जन की आस्था के केन्द्र कल्याणजी महाराज के लक्खी मैले के सफल आयोजन को लेकर एडीएम शिवचरण मीणा ने पंचायत समिति सभागार मे समीक्षा बैठक ली गई। एडीएम की अध्यक्षता मे आयोजित बैठक मे अधिकारी व कर्मचारी तो पहुंचे लेकिन आधी-अधुरी सुचना व तैयारी के चलते बैठक महज औपचारिक चर्चा बनकर रह गई। विभागवार मैला तैयारियो की समीक्षा मे पंचायत समिति विकास अधिकारी प्रतिनिधि से डिग्गी कस्बे की धर्मशालाऐं व यात्री प्रतिक्षालय की सुची के साथ कितनी धर्मशालाऐं उपयोगी तो कितनी अनुपयोगी की जानकारी पूछने पर कोई जवाब नही मिला लक्खी मैले मे चंद दिन शेष रहने के बावजूद धर्म नगरी डिग्गी कस्बे मे गंदगी तो जगह-जगह लगे गंदगी के अम्बार तथा सफाई की माकुल व्यवस्थाऐं नही होने पर एडीएम ने कडी नाराजगी जताई।

राजस्थान का एक ही शेर सचिन पायलट के मालपुरा में नारे लगे

मालपुरा (निस) जयपुर से भीलवाड़ा के कोटडी में हुई नाबालिग की नृशंस हत्या से आहत परिवारजनो से मिलने के लिए सड़क मार्ग से जा रहे पूर्व उपमुख्यमंत्री व टोंक विधायक सचिन पायलट के मालपुरा विधानसभा सीमा में पहुंचने पर दर्जनो जगह कांग्रेसजनो की जुटी भीड़ ने सचिन पायलट का गर्मजोशी से स्वागत किया।

- अलग-अलग गुटों में कांग्रेसजनो की भीड़ ने किया स्वागत

जयपुर से भीलवाड़ा के कोटडी जाते समय कांग्रेस नेता सचिन पायलट का मालपुरा में जोरदार स्वागत किया।

वाहनों के काफिले के साथ मालपुरा पहुंचे पायलट का आदर्श नगर पीनणी रोड चौराहे पर युवा नेता व कांग्रेस से विधायक की ताल ठोक रहे गोपाल गुर्जर के नेतृत्व में जुटे सैंकडों कांग्रेसजनो ने गर्मजोशी से पायलट का स्वागत करते हुए राजस्थान का एक ही शेर सचिन पायलट, सचिन पायलट व मालपुरा का बेटा मालपुरा की आस गोपाल गुर्जर के नारे लगे।

पायलट ने स्वागत के दौरान साफा व माला पहनने से दूरियां बनाई रखी। कई बार अपनी कार में बैठे बैठे ही कार्यकर्ता व समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया। नर्सरी के सामने जुटी युवाओं की भारी भीड के बीच गोपाल गुर्जर को कंधों पर बैठा कर की जा रही नारेबाजी को देख पायलट अपनी कार से उतर युवाओं के बीच पहुंच गये तथा गोपाल गुर्जर की तरफ आंखों ही आंखो के ईशारे में लगे रहो का संदेश देते हुए विधानसभा चुनावों तक ही नही लोकसभा चुनाव में भी युवाओं से इस जोश को बरकरार रखने का संदेश दिया। जिस पर मौजूद देश का भविष्य युवाओं ने दोनों हाथ उठा कर पायलट के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। कोर्ट परिसर के सामने पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा के समर्थको की भीड का भी पायलट ने कार से उतर अभिवादन स्वीकारा। विधानसभा चुनाव के चंद महिने शेष रहने के बावजूद ब्लॉक अध्यक्ष की क्षेत्र में निष्क्रियता व पायलट के दौरे के दौरान अनुपस्थिति सुर्खियां बनी हुई है।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की तैयारी

फुलेरा । फुलेरा नगर पालिका मण्डल सभागार में मंगलवार को दोपहर 3 :15 बजे नगर पालिका मण्डल की आवश्यक बैठक पालिका अध्यक्षा संगीता अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमे आगामी 15 अगस्त के कार्यक्रम को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर चर्चा की गई। जिसमे सर्वप्रथम पार्षद त्रिलोक चन्द भाटी ने गत राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी को गठित कमेटी के हस्ताक्षर बिना ही बिल पास करने की बात कही।

इसके बाद भगवान परशुराम सर्किल पर एक बड़ा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाने एवं उक्त सर्किल से मुख्य बाजार तक सडक के दोनो तरफ तिरंगा लाइट और झण्डा लगाने की बात कही। तत्पश्चात पार्षद सरदार सिंह चौधरी ने पुराना बस स्टैण्ड पर भी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झण्डा ऊंचाई पर लगाने का आठाह किया। जिसका उपस्थित सभी पार्षदों ने सहमति दी। इसी बात पर पार्षद श्रवण वर्मा ने सुझाव दिया कि वहां पर पूर्व में अम्बेडकर संस्था द्वारा नीला झण्डा लगाया हुआ है। अत: उसको किसी भी प्रकार से नही नुकसान न पहुंचाते हुए तिरंगा लगाना चाहिए। वही नेता प्रतिपक्ष संजय पारीक ने कहा कि पालिका में सबसे वरिष्ठ पार्षद दौलत चौधरी, त्रिलोक चन्द भाटी, विधा सागर शर्मा उम्र होने के बाद भी फुलेरा नगर पालिका के जनमानस की सेवा कर रहे है ।

सार-समाचार

लक्ष्मी जैन मिली दिव्यांग बच्चों से

टोंक । दिव्यांग विशेष विद्यालय आदर्श नगर में पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन दिव्यांग बच्चों से मिलकर बहुत खुशी हुई। उनके साथ गेम खेलें और उनको प्रोत्साहित किया तथा फल वितरित किए और उनकी कला को देखकर पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन बहुत प्रभावित हुई । इस अवसर पर गोपाल, नटराज, अनुराग, पुरोहित युवा भाजपा नेता विनायक जैन, नंदकिशोर सैनी उमाशंकर शर्मा आदि कई लोग उपस्थित थे।

सोसायटी की बैठक आयोजित

फुलेरा । कस्बे के निकट स्थित सांभरलेक के धार्मिक स्थल देवयानी सरोवर में संकट मोचन हनुमान मन्दिर परिसर में मंगलवार को रेलवे पेंसनर्स सोसायटी की बैठक का आयोजन रमेश चन्द वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डी.डी.कुमावत, पूर्व पालिका अध्यक्ष रतन राजोरा, महेश सहाय शर्मा, एस.के.माथुर, रमेश चन्द कुमावत, रामेश्वर दास कुमावत रहे। बैठक में पेंशनर्स सोसाइटी के पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। इसी क्रम में महेश शर्मा ने रेलवे से संबंधित कई समस्याओं को लेकर अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही एस. के. माथुर ने पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा एवं विचार व्यक्त किये। इसके बाद डी.डी. कुमावत ने सभा को संबोधित करते हुए पेंशनर्स के लिए मिटिंग के लिए एक साथ बैठने के लिए जगह को लेकर आ रही समस्याओं की व्यवस्था कराने की बात कही। साथ ही रेलवे अधिकारियों से मिलकर फुलेरा स्टेशन पर अधिक से अधिक ट्रेनों का ठहराव करवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन सीपी त्रिपाठी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर वीरेन्द्र बंसल,राज कुमार, बनवारी लाल, शेष नारायण सैनी, श्याम लाल सैनी, अशोक कुमार, सद्दीक खान, लाला राम मीना, शंकर लाल वर्मा, रामप्रसाद कुमावत, राम किशोर, अब्दुल रशीद, मुंशी लाल, उमर फारुख, ललित मोहन, विक्रम सिंह, राम सिंह सहित अन्य कई महिला एवं पुरूष उपस्थित रहे।

शिव पुराण कथा का शुभारंभ

अलवर । श्री वैंकटेश बालाजी दिव्य धाम ट्रस्ट की ओर से होटल स्वरूप विलास में मंगलवार से शुरू हुई शिव पुराण कथा से पहले निकली एक किलोमीटर लंबी शोभायात्रा में 2100 महिलाएं मिटटी के बने आकर्षक शिवलिंग थाली में रखकर अपने सिर पर धारण किए हुए भगवान शिव का भजन गाते हुए चल रही थी। वैंकटेश मंदिर से कथा स्थल तक निकली शोभायात्रा में सभी महिलाएं एक जैसे गरुए कलर की चुनरी में पार्थिव शिव लिंग सिर पर धारण किए हुए थी। शिव पुराण कथा के पोथी कमल झिरीवाल, राजन झिरीवाल, राजन झिरीवाल सिर पर धारण किए हुए चल रहे थे। बैंड की धुन आकर्षक भजन गा रही थी। इस शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। यात्रा में दोनों तरफ से रस्सा डालकर ले जाया जा रहा था। शोभायात्रा के अंत में संत स्वामी सुदर्शनाचार्य प्रसाद वितरण और आशीर्वाद देते हुए चल रहे थे। अलवर में पहली बार इतनी भारी संखया में पार्थिव शिव लिंग का निर्माण कर उनकी पूजा की जा रही है। इन शिव लिंगों को होटल स्वरूप विलास में एक तरफ सजा कर रखा जा रहा है जिसे देखने दिन भर लोग आते रहे। इन पार्थिव शिव लिंग के श्रद्धालु दिन में कभी भी आकर दर्शन कर सकते हैं। शिव पुराण कथा के पहले दिन दूसरे सत्र में संत स्वामी सुदर्शनाचार्य ने कहा कि अलवर तपोभूमि है जिसके कण-कण में भगवार शिव हैं। यहां सागर ऊपर बखतेश्वर महाराज का मंदिर देश में अपनी तरह का अनोखा मंदिर है जिसमें भगवान शिव के पूरे परिवार और उनके वाहनों की प्रतिमाएं हैं। अलवर वेद व्यास जी के ननिहाल है। यहां भर्तृहरि जी ने तप किया जिसका असर आज तक है।

मकान से जेवर व नगदी चोरी

मालपुरा (निस) पचवेर थाना क्षेत्र के कचोलिया गांव में शातिर चोरों ने मकान के ताले तोड लाखों रूपयों की नगदी व जेवर चोरी की वारदात को दिया अंजाम। कचोलिया निवासी पिडित सत्यनारायण साहू ने थाना पुलिस को चोरी की वारदात का शिकार होने की दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने कचोलिया पहुंच टूटे ताले व अलमारियो के लॉकर सहित बक्सो से साक्ष्य जुटा अनुसंधान शुरू किया। पिडित मकान मालिक की और से दी रिपोर्ट मे सोने का बोरला,दो जोडी पयजेब,एक सोने की रकडी,चांदी की कणकती, सोने की बाली, चांदी की दो चुडी,व नगदी चोरी की रिपोर्ट दी गई। चोरी की वारदात का पता सवेरे जाग होने व टूटे ताले देखने पर लगा।

बेबी किट बांटे

टोंक । इनरव्हील क्लब टोंक द्वारा विश्व स्तनपान दिवस के उपलक्ष्य में मिल्क बैंक टोंक में बेबी किट बांटे गए। कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब टोंक अध्यक्ष सोनिया राजावत, सचिव स्मिता शर्मा,कार्यकारिणी सदस्य मोनू जैन,दीपिका सिंघल,श्वेता सिंघल एवं स्नेहा बम्ब, रेखा जाजू, अंजू कक्कड, ममता गर्ग, ऋतु विजय, सीता बजाज, सरिता विजय, सरोज माहेश्वरी, सुशीला गुप्ता, मंजू गर्ग, मधु गोयल, सुधा लोढ़ा ,सुशीला जैन, सुनीता वर्मा, किरण त्रिपाठी, बीना जैन, रिजवाना, पुष्पा मीणा उपस्थिथ रहे।

फरार मुल्जिम गिरफ्तार

टोंक। सदर थाना क्षेत्र के मोलाईपुरा निवासी मुकेश मीणा के साथ गत 18 अक्टूम्बर 2022 को तेज गति से ट्रेक्टर नही चलाने की समझाईश को लेकर हुई मारपीट व परिवादी की मोबाईल फोन को लिई जाने के मामले में पुलिस द्वारा एसटी.एससी प्रेकरण के अन्तर्गत आरोपी हनुमान सैनी पुत्र रखालाल जाति माली उम्र 28 साल निवासी तिल्लीयो की बाडी थाना सदर क्षेत्र से गिरफ्तार कर एसटी.एससी कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जिला कारागृह में रखने के आदेश दिये गये है।

पुलिस जवान सुरेंद्र सिंह की अंत्येष्टि

बौंली, बामनवास । क्षेत्र के मित्रपुरा थानाअंतर्गत ग्राम गोतोड के आरएसी पुलिस जवान सुरेंद्र सिंह राजावत की मंगलवार को पुलिस सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव गौतोड में अंत्येष्टि कर दी गई। सुरेंद्र सिंह राजावत उम्र 50 वर्ष आरएसी की 5वीं बटालियन में जयपुर तैनात थे । 30 जुलाई को वह बाइक से अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे। जयपुर घाटगेट के रास्ते में उनकी बाइक चौपाइयां वाहन से टकरा गई जिससे जवान सुरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए । घायल जवान को तुरंत सवाई मानसिक चिकित्सालय ट्रॉमा सेंटर इलाज के लिए ले जाया गया ।

जहां 8 दिन तक इलाज के दौरान जवान ने मंगलवार को दम तोड़ दिया। इस दौरान जयपुर से आए आरएससी कमांडर लक्ष्मी नारायण के नेतृत्व में आरएसी के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम भावभीनी विदाई दी। अंत्येष्टि के समय क्षेत्र के परिजन, रिश्तेदार व गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

सुरेंद्र सिंह राजावत

विजय संकल्प लेकर जनता के बीच जाएं कार्यकर्ता : चंद्रशेखर

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने मंगलवार को सीकर और झुंझुनूं में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठकों में भाग लिया। इस दौरान उन्होने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संगठन की आगामी कार्ययोजना और रोडमैप पर विस्तार से बताया। बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा पूरे विश्व में अपनी अनूठी पहचान रखता है, इसके पीछे कार्यकर्ता की लगन और कडी मेहनत है। हमारे संगठन का कार्यकर्ता किसी स्वार्थ के लिए काम नहीं करता, बल्कि समाज की हर आपदा और विपदा में सहयोग को सदैव तत्पर रहता है।

संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि प्रदेश में महिला उत्पीडन और बेलगाम अपराधों से आमजन पूरी तरह त्रस्त है। कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी से किसान खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है। छात्र आज सालभर परीक्षाओं की तैयारी में अपना पैसा और कीमती समय लगाता है, लेकिन पेपर देने के बाद पता चलता है कि पेपर ही लीक हो गया। आमजन की पीडा को कम करने के बजाय कांग्रेस के नेता गैर जिम्मेदाराना बयान देते हैं। प्रदेश का किसान कर्ज से तंग आकर आत्महत्या करने को मजबूर है उसकी जमीनें नीलाम हो रही हैं। संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि प्रदेश में महिला उत्पीडन और बेलगाम अपराधों से आमजन पूरी तरह त्रस्त है। कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी से किसान खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है। छात्र आज सालभर परीक्षाओं की तैयारी में अपना पैसा और कीमती समय लगाता है, लेकिन पेपर देने के बाद पता चलता है कि पेपर ही लीक हो गया। आमजन की पीडा को कम करने के बजाय कांग्रेस के नेता गैर जिम्मेदाराना बयान देते हैं। प्रदेश का किसान कर्ज से तंग आकर आत्महत्या करने को मजबूर है उसकी जमीनें नीलाम हो रही हैं। संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि भीलवाडा के कोटडी में एक जघन्य दुष्कर्म की घटना और उसके बाद शव को भट्टी में डाल देना। इतनी बडी घटना होने के बावजूद पीडित परिवार की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी करने के बजाय पुलिस पीडित परिवार से मृतका की मार्कशीट और टीसी मांगती रही। इसके बाद भी पीडित परिवार ही आरोपियों को पकडकर पुलिस को सौंपता है। प्रदेश में प्रतिदिन 18 दुष्कर्म की घटनाएं और रोज सात से आठ हत्या और फायरिंग के मामले देखकर स्पष्ट है कि कानून व्यवस्था किस कदर बिगडी हुई है। जिला समन्वय समिति की बैठकों में भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, सीकर जिलाध्यक्ष इंदिरा चौधरी और झुंझुनू जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बादलों की लुकाछुपी से फिर बढ़ाया जयपुर में पारा

मानसून के इस दौर में राजधानी जयपुर पर मेघ जमकर मेहरबान रहे, लेकिन इन दिनों बादलों की लुकाछुपी के कारण फिर से शहर में गर्मी और उमस बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अब कुछ समय के लिये बारिश का दौर रुक गया है, लेकिन राजधानी जयपुर के आसमान में रोजाना काले बादलों की सूर्यदेव के साथ लुका-छुपी जारी है, जिससे गर्मी-उमस फिर से बढ़ रही है। मंगलवार को संसार चंद्र रोड पर एक होटल के हैरिटेज लुक के साथ बादलों की ये तस्वीर मौसम के सुहाने होने का अहसास दिला रही है। फोटो-राष्ट्रदूत

पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी

श्रीमाधोपुर । महात्मा गाँधी पीजी कॉलेज, श्रीमाधोपुर में आज एन.एस.एस. व एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वाधान में पुलिस विभाग द्वारा यातायात नियम, साइबर क्राइम-सुरक्षा, पॉक्सो एक्ट की दी जानकारी दी गई। मांगीलाल कुमावत ने बताया की श्रीमाधोपुर थानाधिकारी राजवीर सिंह, हेडकांस्टेबल जयप्रकाश के नेतृत्व में एक दिवसीय शिविर में यातायात नियम, साइबर क्राइम-सुरक्षा, पॉक्सो एक्ट की जानकारी दी।

उन्होंने बताया की रोड पर निकले तो वाहन के दस्तावेज, इंसोरेंस, हेलमेट और लाइसेंस की साथ होना चाहिए और सावधानी से वाहन चलाने पर जोर दिया। थानाधिकारी राजवीर सिंह ने युवाओ को अपराध से दूर रहने पर जोर दिया। हेडकांस्टेबल जयप्रकाश ने ऑनलाइन ठगी में सावधानी बरतने, मोबाइल पर आने वाले अनजान लिंक पर क्लिक न करने, अनजान व्यक्ति को ओटीपी शेयर नहीं करने, कॉल करने वाला अगर 20 सेकंड तक बोलता नहीं (आवाज नहीं आती हो) तो कॉल काट देने पर जोर दिया। सुशीला देवी के सानिध्य में बालिकाओ को सावधानी बरतने, जाल सांझे से दूर रहने और पोक्सो एक्ट के बारे में क़ानूनी जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय निदेशक मोहर सिंह खर्रा व प्राचार्य डॉ वीरेंद्र सैनी द्वारा एस.एच.ओ. राजवीर सिंह का माला पहनाकर सम्मान किया। इस शिविर में रीडर विनोद कुमार, कांस्टेबल सीताराम, राजेंद्र सैनी साथ थे। कार्यक्रम में मंच संचालन व्याख्याता प्रमोद वर्मा ने किया। इस अवसर पर विजेंद्र कुमार, सुशीला देवी, कैलाश कुमावत, अभिषेक कुमावत, राकेश शर्मा, बृजमोहन यादव, आनंद बबेरवाल आदि स्टाफ मौजूद थे।

चौरू में अवैध बजरी खनन

उनियारा/चौरू । टोंक जिले के अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में इन दिनों खुलेआम अवैध बजरी खनन माफिया की सक्रीयता को लेकर चर्चा का केंद्र बना हुआ है। बजरी खनन माफिया भी अवैध रूप से बजरी से भरे हुए ट्रैक्टरों ट्रॉली को चौथ का बरवाडा चौरू सडक मार्ग होते हुए अलीगढ़ थाना क्षेत्र में पहुंचने के बाद ही चैन की नींद ले पाते हैं ऐसा बजरी खनन माफिया से जुड़े लोगों से एव चाय पान कि दुकानों पर आम चर्चा के दौरान खुलेआम सुनने को मिल रहा है। इस मार्ग पर फिल्मी अंदाज में बजरी माफियाओं का इतना आतंक है कि 50,60 ट्रैक्टर ट्रॉली अवैध रूप से बजरी से भरे हुए दिनदहाड़े देर रात्रि खुलेआम निकलती रहती हैं इन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं है । वही आश्चर्यजनक बात तो यह है कि इन बजरी माफियाओं ने गांव-गांव में दलाल नियुक्त कर रखे हैं । इन के माध्यम से ही निर्माण करताओ के पास बजरी के ट्रैक्टर ट्रॉली पहुंचते हैं इससे यह बजरी माफिया मुंह मांगे दामों पर इन दलालों के माध्यम से बजरी को बेच रहे हैं। इससे नव निर्माण करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । गांव में हालात यहां तक भी हो गए हैं कि जिस किसी को भी बजरी चाहिए पहले इन दलालों से मिलना पड़ता है जब जाकर ही बजरी मिल पाती है ।

भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी ने मोदी सरकार की योजनाओं से लाभान्वित महिलाओं से संवाद किया

विराट नगर । मोदी सरकार के सफलतम नौ वर्ष के कार्यकाल में लाभान्वित हुए विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के सम्मानित वरिष्ठजनों और महिलाओं के साथ विराटनगर, पापड़ा और बाडीजोडी क्षेत्र में भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी के नेतृत्व में लाभार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम किया गया।

रत्ना कुमारी ने बताया कि मोदी सरकार के नौ वर्षों में कई जनकल्याणकारी कार्य हुए है।

कश्मीर में धारा 370 हटाना, आयुष्मान भारत, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शहरों का कायाकल्प हुआ जिसमें राजस्थान के कोटा अजमेर, जयपुर और उदयपुर शहर शामिल हुआ, आत्मनिर्भर भारत, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया सहित सेना में नवचार हुए जिससे देश के सैनिकों को सम्मान प्राप्त हुआ ।

मोदी सरकार ने नौ वर्षों में कई क्रांतिकारी फैसले लिए जिससे वैश्विक पटल पर भारत को सम्मान की नजरों से देखा जाने लगा। इस दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की तथा लाभान्वित महिलाओं एवं नागरिकों के साथ संवाद कर आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देने के लिए कहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लाभार्थियों और ग्रामवासियों ने केंद्र सरकार की जनकल्याण योजनाओं की सराहना करते हुए पुन: राजस्थान में कमल खिलाने का दृढ संकल्प लिया।

विराटनगर, पापड़ा और बाडीजोडी क्षेत्र में भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी ने लाभार्थियों से संवाद किया।

'सांभर जिला घोषित होने तक संघर्ष जारी रहेगा'

फुलेरा । क्षेत्र के प्रमुख तीर्थ स्थल देवयानी सरोवर पर पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दीनदयाल कुमावत डीडी ने एक प्रेस वार्ता कांठोस की गहलोत सरकार को जमकर आड़े हाथ लिया। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दीनदयाल कुमावत ने कहा कग राज्य की वर्तमान गहलोत सरकार ने सांभर फुलेरा की जनता की भावनाओ के साथ कुठराघात किया है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही लगातार 70 वर्षो से चली आ रही सांभर फुलेरा की जनता की मांग सांभर फुलेरा जिला नही बनाकर कांठोस सरकार ने अपने दामन में छुरा घोपने का कार्य किया है। साथ ही आगे कहा कि अभी भी समय है ।

सरकार इस पर विचार कर ले अन्यथा आगे किसी भी प्रकार से यहां सांभर फुलेरा की जनता सरकार की हटधर्मिता को बर्दाश्त नहीं करेगी। कुमावत ने कहा कि सांभर विश्वभर में नमक के लिए विश्व विख्यात है तो वहीं फुलेरा संपूर्ण एशिया में रेल नगरी के नाम से अपनी अनूठी पहचान रखता है। फिर भी इस क्षेत्र को जिला घोषित नही करके दूदू पंचायत को जिला घोषित कर उन्होंने अपनी राजनीतिक रोटियां सेकी है। अगर समय रहते इस विषय पर पुनर्विचार नही किया गया, तो इसका परिणाम सरकार को भुगतना ही होगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने राहुल गांधी से सवाल पूछे

जयपुर (कासं)। राजस्थान आ रहे कांग्रेस नेता राहुल गाँधी से भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी ने कुछ सवाल पूछे हैं। उन्होंने पूछा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में घूम-घूम कर जनता से वादा किया था कि सरकार में आये तो राजस्थान में सुशासन देंगे। गत 55 महीनों के उनके शासन में 10 लाख से अधिक आपराधिक घटनाएं, 7 हज़ार 600 से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की हत्या, 30 हजार से ज्यादा बेटियों से दुष्कर्म की घटनायें हुई , क्या यही कांग्रेस का सुशासन मॉडल है ? विधानसभा में एक मंत्री राजस्थान की बेटियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बोलता है तो उसे बर्खास्त कर दिया जाता है और दूसरी तरफ एक दूसरा वरिष्ठ मंत्री विधानसभा में कहता है की राजस्थान रेप में नंबर एक पर है क्योंकि ये मर्दों का प्रदेश है, उसकी मुख्यमंत्री सराहना करते है। सी.पी.जोशी ने पूछा कि क्या राहुल गांधी शांति धारिवाल से सहमत हैं? अगर नहीं तो ऐसा मंत्री सरकार में क्यों हैं? कांग्रेस की सरकार कोटा में जैसे संगठन को रैली निकालने की अनुमति देती है, और हनुमान जयंती, हिंदू नववर्ष, परशुराम जयंती, रामनवमी की शोभायात्राओं पर प्रतिबंध लगाती है। जयपुर, करौली, जोधपुर, मालपुरा,

- राजस्थान में बढ़ रहे महिला अपराधों पर सवाल उठाए

छबड़ा व भीलवाड़ा में सांप्रदायिक हिंसा होती है, कांग्रेस की सरकार एक समुदाय विशेष के दंगाइयों के पीछे खड़ी होती है । उदयपुर में कन्हैया लाल तैली की नृशंस हत्या होती है, सरकार उन्हें माँगने पर भी सुरक्षा नहीं देती । जयपुर बम ब्लास्ट जिसमें 71 लोगों की जान गई 200 से ज्यादा घायल हो गये , उसके अभियुक्त आतंकियों के खिलाफ पैरवी करने के लिए राज्य सरकार का हाईकोर्ट में गया ही नहीं, और वो बरी हो गये । हिंदुओं के खिलाफ कांग्रेस की राज्य सरकार के इन कारनामों पर राहुल गाँधी का क्या जवाब है ?

सी.पी.जोशी ने पूछा कि 2018 के चुनाव में वादा किया था की सरकार में आये तो 10 दिन में प्रदेश के संपूर्ण किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करेंगे , 55 महीने निकल गये किसानों पर कुल कर्ज का 5 प्रतिशत भी माफ नहीं किया, उल्टा कर्ज नहीं चुकाने की वजह से 19 हजार 422 किसानों की जमीन नीलाम हो गई, कई किसान भाईयों ने आत्महत्या कर ली , राहुल गाँधी बताये इसका ज़िम्मेवार कौन है ?

'वह एक महान खिलाड़ी के साथ विनम्र व्यक्ति भी है। हम सभी भाग्यशाली थे कि हमें उसके साथ खेलने का मौका मिला और हमने उससे बहुत कुछ सीखा। वह सभी के लिए एक आदर्श है। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि (महेन्द्र सिंह) धोनी, (विराट) कोहली, रोहित शर्मा और सभी दूसरे खिलाडियों उनका नाम लेते हैं।" - **मोहम्मद कैफ**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सचिन तेंदुलकर के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्ये रहाणे

अजिंक्य रहाणे ने अपने आक्रामक तेवरों के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार सभी को चौंकाया है और उन्होंने इसका श्रेय चेन्नई सुपर किंग्स के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को दिया। रहाणे ने कहा," मैं आपको एक ही चीज कह सकता हूं.... मैंने वास्तव में अपनी पारी का भरपूर आनंद लिया। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि हमने यह मैच जीता।" रहाणे ने धोनी को श्रेय देते हुए कहा कि उन्हें केवल मौके की जरूरत थी और भारत के विश्वकप विजेता कप्तान ने उन्हें फॉर्म में वापसी के लिए यह मौका दिया।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

एशियन चैम्पियंस ट्रॉफी : 2023 : भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

मौजूदा चैम्पियन दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराया

नई दिल्ली, 8 अगस्त। भारत ने सोमवार को एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के राउंड रॉबिन मैच में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया को 3-2 से हरा दिया। सोमवार को ही मलेशिया के खिलाफ जापान की हार के कारण मैच से पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके भारत की ओर से निलाकांता शर्मा (छठे मिनट), हरमनप्रीत सिंह (23वें मिनट) और मनदीप सिंह (33वें मिनट) ने गोल किए। कोरिया की ओर से किम सुंगह्युन ने 12वें मिनट जबकि यैंग जीहुन ने 58वें मिनट में गोल किया।

इस जीत की साथ भारत चार मैच में 10 पॉइंट्स के साथ टॉप पर चल रहा है। मेजबान टीम ने तीन मैच में जीत दर्ज की है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। भारत अपना आखिरी लीग मैच बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा।

सोमवार को मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में भारत ने मैच की अच्छी शुरुआती की। निलाकांता ने छठे ही मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। भारत का यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं रह सका, और कोरिया ने छह मिनट बाद ही सुंगह्युन के गोल की बदौलत बराबरी हासिल कर ली। सुंगह्युन ने मेनजेई जुंग के पास पर भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक को अपने दमदार शॉट से पछाड़ते हुए गोल किया। पाठक का यह 100वां इंटरनेशनल मैच था।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा रहा। मेजबान टीम ने चार मौके बनाए और 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 कर दिया। हाफ टाइम तक भारतीय टीम 2-1 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही मनदीप ने शमशेर सिंह के पास पर गोल कर भारत की बढ़त को 3-1 तक पहुंचाया। कोरिया को पेनल्टी कॉर्नर पर और नाकामी हाथ लगी। टीम हालांकि 58वें मिनट में यैंग के मैदानी गोल से भारत की बढ़त को कम करने में सफल रही। कोरिया की टीम ने अंतिम समय में बराबरी का गोल करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इस टूर्नामेंट में एशिया की छह टॉप टीमें (भारत, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, चीन और पाकिस्तान) हिस्सा ले रही हैं। सिंगल-लेग राउंड-रॉबिन लीग स्टेज के आखिरी में टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 12 अगस्त को खेला जाएगा।

मर्डेका टूर्नामेंट 2023 में मलेशिया से भिड़ेगा भारत

कुआला लंपुर, 8 अगस्त। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को मर्डेका टूर्नामेंट 2023 के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया का सामना करना होगा। मलेशिया फुटबॉल संघ ने मंगलवार को ड्रॉ समारोह के बाद इसकी पुष्टि की। यह मैच 13 अक्टूबर को कुआला लंपुर के बुकिट जलील नेशनल स्टेडियम में होगा। दूसरे सेमीफ़ाइनल में फ़िलिस्तीन का मुकाबला लेबनान से होगा। यह अंतरराष्ट्रीय मैचों में मलेशिया के साथ भारत की रिकॉर्ड 32वीं भिड़ंत होगी। दोनों टीमें आखिरी बार 2011 में कोलकाता में एक दोस्ताना मैच में आमने-सामने आयी थीं जहां भारतीय टीम 3-2 से विजेता बनी थी। भारत मर्डेका टूर्नामेंट में 2001 के बाद पहली बार और कुल 18वीं बार हिस्सा ले रहा है। भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1959 और 1964 में रहा था जब उसने उपविजेता का तमगा हासिल किया था। मर्डेका टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के विजेता 17 अक्टूबर को फाइनल में भिड़ेंगे। हारने वाली दो टीमें तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीता, भारत की पहले गेंदबाजी

गयाना, 8 अगस्त। वेस्ट इंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में मंगलवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पॉवेल ने टॉस के बाद कहा, "हम पहले बल्लेबाजी करेंगे. थोड़ा धीमा विकेट लग रहा है। आखिरी मैच में होल्डर के घुटने में चोट लग गयी थी। वह टीम से बाहर गये हैं, (रॉस्टन) चेज़ अंदर आया है। खिलाड़ी उत्साहित हैं, हम इतिहास के द्वार पर हैं।" भारत ने करो या मरो मुकाबले में ईशान किशन और रवि बिश्नोई को आराम दिया है, जबकि यशस्वी जायसवाल पदार्पण कर रहे हैं। वेस्ट इंडीज इस समय पांच मैचों की शृंखला में 2-0 से आगे है और यह मुकाबला जीतने पर वह सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना लेगी। भारत के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा, "लक्ष्य का पीछा करने में कोई हर्ज नहीं है। पूरन बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह बहुत सारी चीज़ें आज़माने के बजाय चीज़ों को सरल रखना चाहते हैं। टीम में दो बदलाव हुए हैं। यशस्वी (जायसवाल) ने पदार्पण किया, बिश्नोई की जगह कुलदीप आए। ईशान बाहर हैं।" वेस्टइंडीज एकादश : ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, जॉनसन चार्ल्स, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), रोवमैन पॉवेल (कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोमारियो शेफर्ड, रॉस्टन चेज़, अकील हुसैन, अल्ज़ारी जोसेफ, ओबेड मकॉय। भारत एकादश : शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार।

फवाद आलम ने पाकिस्तान क्रिकेट को अलविद कहा

नई दिल्ली, 8 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टॉप ऑर्डर बैटर फवाद आलम ने पाकिस्तान क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। फवाद का इंटरनेशनल करियर 15 साल का रहा। 37 साल के फवाद अब की लीग क्रिकेट में खेलते नजर आएंगे। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक वो की माइनर लीग क्रिकेट टी-20 टूर्नामेंट की टीम शिकागो किंग्समेन के लिए खेलेंगे। हालांकि अभी तक फवाद के तरह से कोई बयान नहीं आया है। साल 2007 में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले फवाद ने पाकिस्तान के सामी असलम, हम्माद आजम, सैफ बदर और मोहम्मद मोहसिन के क्लब में शामिल हो गए हैं।

कुलदीप सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज, चहल को पीछे छोड़ा

गुयाना, 8 अगस्त। भारत-वेस्टइंडीज टी-20 सीरीज का तीसरा मुकाबला गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। टीम ने 18 ओवर में पांच विकेट पर 131 रन बना लिए हैं। रोवमन पॉवेल और रोमारियो शेफर्ड क्रीज पर हैं।

शिमरोन हेटमायर 9 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मुकेश कुमार ने तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। इससे पहले, कुलदीप यादव ने ओपनर ब्रैंडन किंग (42 रन), निकोलस पूरन (20 रन) और जॉनसन चार्ल्स (12 रन) के विकेट लिए। कुलदीप सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने हैं। उन्होंने 30 मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। कुलदीप ने चहल के 34 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

कैरेबियाई ओपनर काइल मेयर्स और ब्रैंडन किंग ने अपनी टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने 46 बॉल पर 55 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप की। इस साझेदारी को अक्षर पटेल ने तोड़ा। उन्होंने मेयर्स को आउट किया

भारत: शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह और मुकेश कुमार।

5 मैचों की सीरीज में विंडीज 2-0 की बढ़त पर है। भारत को सीरीज बचाने के लिए यह मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। अगर भारत हारता है, तो वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 या उससे ज्यादा टी-20 मैचों की सीरीज पहली बार हारेगा।

वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय ओपनर्स टी-20 सीरीज में फीके रहे। गिल और ईशान दोनों टी-20 में शुरुआती ओवर में आउट होकर पवेलियन लौट गए। ईशान किशन 2 मैच में 33 और शुभमन गिल 2 मैच में 10 रन ही बना सके हैं। ऐसे में अब करो या मरो मुकाबले में उन्हें अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर सूर्यकुमार यादव भी अपना जादू नहीं दिखा सके हैं। मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज संजू सैमसन के लिए भी यह मैच प्रेशर से भरा होगा। सैमसन अब तक 2 मैच में 19 रन ही बना सके हैं। गेंदबाजी में कुलदीप यादव चोटिल हैं। दूसरे टी-20 में उनकी जगह रवि बिश्नोई को मौका मिला था।

एशियाड में ना चुने जाने पर ओलिम्पियन दीपा कर्माकर बोली- अभ्यास जारी

नई दिल्ली, 8 अगस्त। भारतीय ओलिंपिक संघ ने एशियन गेम्स जा रही जिम्नास्टिक टीम से ओलिंपियन दीपा कर्माकर का नाम काट दिया। तर्क दिया कि दीपा ने पिछले कुछ साल से इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है। एशियन गेम्स अगले महीने चीन में होंगे। भास्कर ने इस मसले पर कॉमनवेल्थ और वर्ल्ड कप की मेडलिस्ट दीपा कर्माकर और उनके कोच से बात की। दीपा ने कहा कि वो ट्रायल में नंबर वन थीं। कोच ने कहा कि सिलेक्शन में मौजूदा फॉर्म नहीं, बल्कि 2 साल पुराना रिकॉर्ड देखा गया।

भास्कर से दीपा ने कहा, सुनने में आया है कि मेरा नाम नहीं भेजा है, साई का कुछ क्राइटेरिया है, जिसके कारण मुझे नहीं भेजा है। उनका क्राइटेरिया क्या है, यह मुझे नहीं पता है। देखते हैं आगे क्या होता है क्या नहीं। फिलहाल मैंने अपनी ट्रेनिंग जारी रखी है। पिछले दो-तीन साल से मैं चोट के कारण कुछ टूर्नामेंट नहीं खेल सकी। बताया जा रहा है कि साई ने इसी कारण से मेरा नाम काटा है, लेकिन साई ने फुटबॉल टीम को भी तो भेजा है।

उन्होंने कहा, "जिस फुटबॉल टीम को भेजा गया, उसका इंटरनेशनल लेवल पर प्रदर्शन भी खास नहीं है। मैं किसी की आलोचना नहीं कर रही हूं, लेकिन यदि फुटबॉल टीम को भेजा जा सकता है तो मुझे क्यों नहीं। मैंने तो कुछ दिन पहले ट्रायल में नंबर-1 पोजिशन हासिल की है। मैंने साई को पत्र लिखा है। देखते हैं कि क्या होता है। मुझे इतना पता है कि मेरी तैयारियां प्रभावित हो रही हैं, लेकिन मैंने प्रैक्टिस नहीं छोड़ी है।"

दीपा के कोच बीएस नंदी ने कहा, "जिन लोगों ने क्राइटेरिया बनाया है, बहुत ही गलत बनाया है। हम टेक्निकल पर्सन हैं, हमारे फेडरेशन में बहुत से टेक्निकल एक्सपर्ट हैं। उन्होंने फेडरेशन और एक्सपर्ट से कुछ नहीं पूछा और क्राइटेरिया बना दिया।

विश्व चैम्पियनशिप जाने वाली टीम को आर्थिक मदद देगा खेल मंत्रालय

नयी दिल्ली, 8 अगस्त। केन्द्रीय खेल मंत्रालय आगामी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिये 42 सदस्यीय भारतीय दल का वित्तपोषण करने की घोषणा मंगलवार को की। हंगरी के बुडापेस्ट में 19 अगस्त से होने वाले इस टूर्नामेंट में 15 नये चेहरे भारतीय दल का हिस्सा होंगे। विश्व चैंपियनशिप के पिछले आयोजन में कुल छह भारतीय फाइनल में पहुंचे, जिनमें से तीन शीर्ष आठ में रहे जबकि नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में ऐतिहासिक रजत पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के किसी भी संस्करण में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि वह टीम की प्रशिक्षण लागत, आवास लागत, हवाई किराया, वीजा लागत सहित अन्य खर्च वहन करेगा। चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाले 28 एथलीटों में से 13 टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के एथलीट हैं। पूर्व अंडर 20 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता शैली सिंह दल की सबसे कम उम्र की सदस्य हैं। वह इस साल अपनी पहली सीनियर विश्व चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिये भारतीय टीम : ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज़), शैली सिंह (लंबी कूद), अन्नू रानी (भाला फेंक), भावना जाट (पैदल चाल), कृष्ण कुमार (800 मीटर), अजय कुमार सरोज (1500 मीटर), संतोष कुमार तमिलरनसन (400 मीटर बाधा दौड़), अविनाश मुकुंद साबले (3000 मीटर स्टीपलचेज़), सर्वेश अनिल कुशारे (ऊंची कूद), जेसविन एल्ड्रिन (लंबी कूद), मुरली श्रीशंकर (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल (तिहरी कूद), अब्दुल्ला अबूबकर (तिहरी कूद), एल्डोज़ पॉल (तिहरी कूद), नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), डी.पी. मनु (भाला फेंक), किशोर कुमार जेना (भाला फेंक), आकाशदीप सिंह (पैदल चाल), विकाश सिंह (पैदल चाल), परमजीत सिंह (पैदल चाल), राम बाबू (पैदल चाल), अमोज जैकब (4 400 मीटर रिले), मुहम्मद अजमल (4 400 मीटर रिले), मुहम्मद अनस (4 400 मीटर रिले), राजेश रमेश (4 400 मीटर रिले), अनिल राजलिंगम (4 400 मीटर रिले), मिजो चाको कुरियन (4 400 मीटर रिले)

विश्व कप से पहले भारत में शिविर आयोजित करेगा नीदरलैंड

बेंगलुरु, 8 अगस्त। नीदरलैंड क्रिकेट टीम अक्टूबर-नवंबर में भारतीय सरज़मीन पर होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के लिये सितंबर में कर्नाटक के अलुर में एक शिविर आयोजित कर सकती है। क्रिकबज़ की ओर से मंगलवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, नीदरलैंड टीम 19 सितंबर से एक अक्टूबर तक 12 दिवसीय शिविर में हिस्सा लेगी। यह शिविर नीदरलैंड क्रिकेट और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, "कुछ डच अधिकारियों द्वारा क्रिकबज को योजना के बारे में सूचित करने के बाद केएससीए के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। शिविर को संभवत: सितंबर के पहले सप्ताह से कुछ सप्ताह तक बढ़ाने की योजना है, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।" उल्लेखनीय है कि नीदरलैंड ने विश्व कप क्वालीफायर में वेस्ट इंडीज और ज़िम्बाब्वे जैसी मज़बूत टीमों को हराकर पांच अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच होने वाले वैश्विक आयोजन में जगह बनायी है। यह 1996, 2003, 2007 और 2011 के बाद डच टीम का पांचवां विश्व कप अभियान होगा।

मोरक्को को रौंदकर फ्रांस क्वार्टरफाइनल में

एडिलेड, 8 अगस्त। फ्रांस ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के एकतरफा प्री-क्वार्टरफाइनल में मंगलवार को मोरक्को को 4-0 से रौंदकर शीर्ष आठ का टिकट कटा लिया। हिंडमार्श स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में कडिडाटू डियानी (15वां मिनट) और केन्ज़ा डाली (20वां मिनट) ने फ्रांस के लिये एक-एक गोल किया, जबकि यूजीनी ली सॉमर (23वां, 70वां मिनट) ने दो गोल जमाये। डियानी ने 15वें मिनट में मोरक्को के गोल के करीब आकर एक हेडर के ज़रिये फ्रांस का खाता खोला।

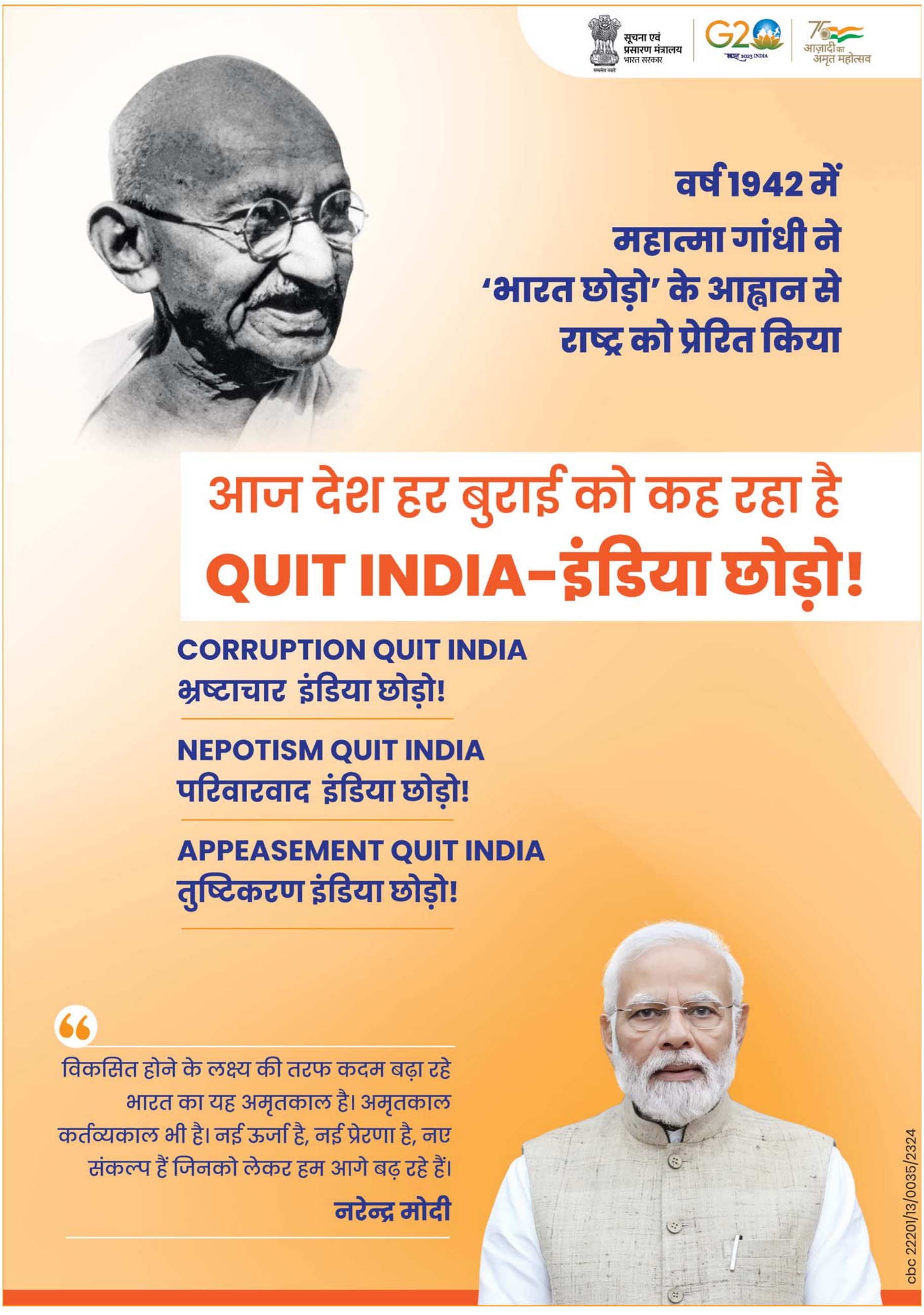

राहुल गांधी मानगढ़ में आज विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे

कांग्रेस विश्व आदिवासी दिवस पर हो रही इस सभा से राजस्थान व मध्य प्रदेश की 70 से ज्यादा आदिवासी सीटों को प्रभावित करने की कोशिश करेगी

- **कांग्रेस का दावा है कि, प्रधानमंत्री मोदी की राजस्थान में हुई गत 5 सभाओं से भी ज्यादा भीड़ जुटेगी इस सभा में।**
- **ज्ञातव्य है कि, 8 महीने पहले प्रधानमंत्री मोदी भी मानगढ़ आए थे और जनसभा की थी।**

मानगढ़,बांसवाड़ा, 8 अगस्त (का.प्र.)। गुजरात और राजस्थान सीमा पर आदिवासियों की आस्था का केंद्र और ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लेने वाले आदिवासी नेता गोविंद गुरु की धरती मानगढ़ धाम से कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजस्थान में कांग्रेस का चुनावी आगाज करेंगे। यह आगाज सिर्फ राजस्थान के लिए नहीं है, बल्कि यहां से लगती मध्यप्रदेश की आदिवासी बाहुल्य सीटों पर भी प्रभाव डालने के लिए भी है।

मानगढ़ में कांग्रेस की यह सभा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 8 महीने पहले हुई सभा के बाद हो रही है। कहा जा रहा है कि, राजस्थान विधानसभा की करीब दो दर्जन और मध्यप्रदेश की 47 एस.टी. आरक्षित सीटों पर असर डालने के लिए यह आयोजन हो रहा है। पिछले दो-तीन चुनावों से इस आदिवासी क्षेत्र में कांग्रेस का जनाधार कम हो रहा है। सन् 2003 के बाद से भाजपा ने तो यहाँ पैर पसारे ही हैं, वहीं, पिछले चुनाव में बीटीपी ने भी कांग्रेस को बड़ा नुकसान पहुंचाया था। यही कारण है कि, खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दो महीने में मेवाड़ के लगातार 3 दौरे कर चुके हैं।

राहुल गांधी के मानगढ़ दौरे को देखते हुए पिछले कई दिनों से प्रदेश सहित ए.आई.सी.सी. के पदाधिकारियों ने यहाँ डेरा जमा लिया है और दिन-रात तैयारियों में लगे हैं। पिछले 3 दिन से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भी अपने पदाधिकारियों के साथ यहां की तैयारियों को देख रहे हैं। प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित सह प्रभारी भी बांसवाड़ा में राहुल गांधी की सभा की तैयारियों पर नज़र रखे हैं। कांग्रेस दावा कर रही है कि मानगढ़ धाम की इस सभा में मोदी की पिछली 5 सभाओं से ज्यादा भीड़ जुटेगी।

दरअसल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस है और इस मौके पर मानगढ धाम में बडी संख्या में आदिवासी आते हैं, ऐसे में कांग्रेस अपनी ओर से तो भीड़ जुटाने की तैयारियों में लगी ही है, वहीं जो लोग इस समय मानगढ़ धाम आते हैं वो भीड़ भी सभा में बड़ी संख्या नजर आएगी। बताया जा रहा है कि, यह पहला मौका है जब कांग्रेस का कोई बड़ा नेता मानगढ धाम आ रहा है। सभा में राहुल गांधी के अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, डॉ. सी.पी. जोशी, गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य नेता शामिल होंगे।

राहुल गांधी की सुरक्षा के लिए यहां सी.आर.पी.एफ. के कमाण्डो तैनात किए जा रहे हैं।

ये कमाण्डो राहुल के हेलीकॉप्टर लैंड होने के स्थान से लेकर उनकी चुनावी जनसभा पूरी होने तक साथ रहेंगे। राहुल के पहुंचने से पहले उनके हेलीपैड के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था को चैक करना भी इन्हीं कमाण्डो के अधिकार क्षेत्र में रहेगा।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत जैमर वाहन को वी.वी.आई.पी. नेता की सुरक्षा की दृष्टि से शामिल किया जाता है।

ज्ञातव्य है कि, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 1913 में इसी मानगढ़ धाम पर ब्रिटिश सरकार ने गोविंद गुरु को आदिवासी साथियों के साथ घेर लिया था और फिर 1500 आदिवासियों का सामूहिक नरसंहार किया था। उन्हीं की याद में मानगढ धाम बना है।

राहुल को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरनेम'' वाली टिप्पणी के सिलसिले में उन्हें दो साल की जेल की सजा दे दी गई तथा इसके परिणामस्वरूप वे निम्न सदन (लोकसभा) की सदस्यता के 24 मार्च को डिसक्वालिफाई कर दिये गये थे।

जब राहुल गांधी से, उन्हें 12 तुगलक लेन बँगला आवंटित किये जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने तत्काल जवाब दिया, ''मेरा घर पूरा हिन्दुस्तान है।''

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मानहानि केस में उन्हें दी गई सजा पर ''स्टे'' दे दिये जाने के बाद, लोकसभा सचिवालय ने उनकी निम्न सदन की सदस्यता बहाल कर दी थी।

राहुल गांधी ने अप्रैल में मध्य दिल्ली स्थित अपना सरकारी आवास इस प्रोटोकॉल की अनुपालना में खाली कर दिया था कि डिसक्लालिफाइड कर दिये गये सांसद को, डिसक्लालि-फिकेशन के एक माह के अंदर सरकारी आवास खाली कराना होता है।

ज्ञातव्य है कि एक क्रिमिनल मानहानि केस में सूरत की अदालत द्वारा उन्हें दी गई सजा के फलस्वरूप, वे 24 मार्च को लोकसभा की सदस्यता से डिसक्वालिफाई कर दिये गये थे।

अमेरिका की जानी ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये गाड़ियाँ, पारम्परिक ताँगों के प्रतिस्पर्द्धा के साथ, सवारियों को लाने ले जाने के काम आने लगीं। बहुत से लोगों को वे यात्राएं याद होंगी, जो उन्होंने धुआँ छोड़ते तथा जोर की आवाज़ करने वाले ऑटो-रिक्शा का रूप ले चुके इन वाहनों में बैठकर की थी।

हार्ली डेविडसन कंपनी पहले ही भारत में आ गई थी, लेकिन करीब तीन साल पहले कंपनी ने यहां उत्पादन बंद कर दिया। क्योंकि उत्पादन लागत बहुत ज्यादा थी। इसलिये, भारतीय बाजार पर छा जाने के उद्देश्य से कंपनी ने एक भारतीय साझेदार के साथ मिलकर इसके निर्माण का एक प्लांट स्थापित कर दिया।

- **उसकी मोटरसाइकिल का ''बेस प्राइज'' अब 2.50 लाख रूपये रखा गया है, जो भारत के ''लग्ज़री मार्केट'' के लिये ज्यादा नहीं माना जाता है।**
- **हार्ली डेविडसन द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत भेजी गयी थी तथा विश्व युद्ध के बाद भारत में रह गयी थी तथा ऑटो टैक्सी के रूप में दिल्ली में चलाई गयी थी, कुछ तो आज भी चल रही हैं।**

अमेरिकन समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, हार्ली की नई मोटर बाइक को भारतीय बाज़ार की अत्यन्त उत्साहवर्द्धक प्रतिक्रिया मिली है।

भारतीय बाजार में हार्ली डेविडसन कंपनियों के साथ टाई-अप था। इसने जापान की होंडा मोटर्स के साथ भी टाई-अप किया था।

इस समय हीरो का मोटर बाइक उत्पादन के लिए हार्ली डेविडसन से अनुबंध से अनुबंध हुआ है। दिल्ली के समीप इसकी निर्माण इकाई शुरु की गई है। भारत में बनी हार्ली डेविडसन मोटर साइकिल इस वर्ष अक्टूबर तक बाजार के नाम की अपील के अलावा यह भारत की जनसंख्या के बड़े तबके की क्रय शक्ति का संकेत भी है। इस तरह के मंहगे उत्पादों की मांग में भारतीय जी.डी.पी. में निरंतर हो रही वृद्धि भी परिलक्षित होती है। हीरो कंपनी द्वारा निर्मित हार्ली डेविडसन के बेस मॉडल की कीमत 2.50 लाख रू. होगी। जो मोटर बाइक के लिए बहुत ज्यादा कीमत नहीं है।

हार्ली डेविडसन ने हीरो मोटर्स को चुना था जिसका कार व मोटर बाइक निर्माण के लिए विश्व की प्रमुख में आ जाएगी। उत्पादन सितम्बर से शुरु हो जाएगा। लेकिन किसी को भी भारतीय दुपहिया वाहन बाजार को हल्के में नहीं लेना चाहिए। बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा है। कई मजबूत खिलाड़ी मैदान में हैं। इनमें सबसे आगे है रॉयल एनफील्ड, जिसका तगड़ा बाजार है। मोटर साइकिल के क्षेत्र में रॉयल एनफील्ड भी जाना-माना नाम है।

'न्यूज़क्लिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यूज़क्लिक पर विभिन्न झूठे एवं भ्रामक आरोप लगाये गये हैं, जो उन मामलों से संबंधित हैं, जो इस समय भारत की विभिन्न अदालतों में इस समय विचाराधीन हैं। हम कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करते हैं तथा किसी मीडिया ट्रायल में मग्न होने का हमारा कोई इरादा नहीं है।'' पुरकायस्थ ने कहा, ''न्यूज़क्लिक एक स्वतंत्र समाचार-प्रतिष्ठान है तथा कोई भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष संकेत झूठा एवं गलत है कि हम चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी के प्रवक्ता के रूप में, या उसके अन्य हितों के लिये काम करते हैं। हम भारतीय न्यायालयों में अपना विश्वास पुनः दोहरा रहे हैं तथा हम आश्वस्त हैं कि न्यूज़क्लिक भारतीय कानून के अनुरूप काम करता आया है तथा कर रहा है।''

'प्र.मंत्री का मौन व्रत तुड़वाने के लिये हम अविश्वास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहता है कि मोदी मणिपुर का दौरा करें, राज्य में सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व करें और वहां विभिन्न संगठनों से मिलकर शांति बहाल करने का प्रयास करें।

मोदी की चुप्पी के कारण गिनाते हुए गोगोई ने कहा, ''यह इसलिए है क्योंकि राज्य सरकार मणिपुर में जातीय हिंसा को रोकने में नाकाम रही और गृह विभाग तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्थिति को संभालने में असफल रहे।

उन्होंने आगे कहा, ''प्रधानमंत्री की चुप्पी का तीसरा कारण है कि वे अपनी गलतियों को स्वीकार नहीं करते। वे कभी सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं करेंगे कि उनकी राज्य सरकार असफल हो गई है। वे गलतियां मानने की बजाय चुप रहना ज्यादा पसंद करते हैं। विपक्षी गठबंधन इंडियन नैशनल डवलपमैंट इंक्लुसिव एलायंस (इंडिया) की पार्टियों को अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मजबूर होना पड़ा जो संख्या को नहीं मणिपुर के लिए न्याय का मामला हैं।

गोगोई ने कहा, ''अगर मणिपुर जल रहा है तो पूरा भारत जल रहा है, अगर मणिपुर विभाजित है तो पूरा भारत विभाजित है। हमारी यही मांग थी कि प्रधानमंत्री मोदी को देश के नेता के रूप में सदन में आकर मणिपुर पर बोलना चाहिए। लेकिन उन्होंने मौन व्रत ले रखा है कि वे न लोकसभा में बोलेंगे और न राज्यसभा में। अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से हम उनका मौन व्रत तोड़ना चाहते है।''

गोगोई ने कहा कि वे प्रधानमंत्री से पूछना चाहेंगे कि वे मणिपुर क्यों नहीं गए जबकि राहुल गांधी गए, गृह मंत्री शाह और गृह राज्य मंत्री (नित्यानंद रॉय) गए।''

उन्होंने कहा, ''उन्होंने (मोदी ने) मणिपुर पर बोलने में 80 दिन क्यों लगाए और केवल 30 सैंकण्ड ही क्यों बोले। उसके बाद उन्होंने कभी मणिपुर पर शांति की अपील नहीं की। मंत्री कह रहे हैं कि वे बोलेंगे, मगर प्रधानमंत्री के शब्दों में जो ताकत है वह मंत्रियों में नहीं है।''

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गोगोई ने पूछा, ''जब कोविड के दूसरे दौर में जनता सांस लेने को तरस रही थी तब प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में वोट मांग रहे थे। जब मणिपुर में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे थे तब प्रधानमंत्री कर्नाटक में वोट मांग रहे थे। यह कैसा राष्ट्रवाद है जो सत्ता को राष्ट्र के ऊपर रखता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि जो सरकार ''एक भारत'' की बात करती है उसने दो मणिपुर बना दिए- एक पहाड़ियों में रहने वाला और दूसरा घाटी में।''

उन्होंने याद किया कि 2002 के गुजरात सांप्रदायिक दंगों के बाद पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुजरात का दौरा किया था।

अन्य मामलों में मोदी की चुप्पी पर प्रहार करते हुए गोगोई ने कहा, ''जब पुरस्कार जीतने वाली महिला पहलवान सड़कों पर विरोध कर रही थीं तब प्रधानमंत्री मौन रहे। जब 750 किसानों ने आंदोलन के दौरान जान गंवाई तब भी प्रधानमंत्री मौन रहे। वर्ष 2020 में जब दिल्ली में दंगे हुए और एक विदेशी नेता भारत के दौरे पर थे तब भी प्रधानमंत्री ने चुप्पी साधी।'' भाजपा की ओर से जोरदार विरोध के बीच कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री तब भी मौन रहे जब राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उनकी विदेश यात्राओं में एक व्यापारी ने उनके साथ रहकर फायदा उठाया।

गोगोई ने कहा, ''जब हमने सरकार से चीन की घुसपैठ के बारे में सवाल किया तो प्रधानमंत्री चुप रहे। जब जम्मू कश्मीर के एक पूर्व उपराज्यपाल ने कहा कि उन्होंने पुलवामा में सैनिकों के लिए सुरक्षा की मांग की जो मानी नहीं गई, तो भी प्रधानमंत्री चुप ही रहे।'' जब लोकसभा में गोगोई का प्रस्ताव चर्चा के लिए आया तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमा-गरमी हुई जब संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी ने अचरज किया कि ऐनवक्त पर राहुल गांधी ने चर्चा आरंभ करने से अपना नाम क्यों वापस ले लिया। जब गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में की गई टिप्पणियों को सदन में उजागर किया जाए तो गृह मंत्री अमित शाह ने बिफर कर कहा कि सदस्य प्रधानमंत्री के बारे में अपुष्ट दावे नहीं कर सकते।

गोगोई ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री मणिपुर में शांति बहाल करने की कोशिश करेंगे लेकिन वे तो इंडिया गठबंधन की आलोचना करने में व्यस्त हैं।

गोगोई ने कहा, ''प्रधानमंत्री इंडिया गठबंधन को बदनाम करने में व्यस्त हैं। यह दुर्भाग्यजनक है कि आप देश को बदनाम करने में लगे हैं। जब आप पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया, इंडियन मुजाहिदीन और ईस्ट इंडिया कंपनी की बात करते हैं, हम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, इंडियन पुलिस फोर्स और इंडियन एयरफोर्स की बात करते हैं।'' गोगोई के अनुसार नफरत अब वोट जीतने का हथियार बन चुकी है, चाहे मणिपुर हो, हरियाणा, कर्नाटक या मध्य प्रदेश हो। उन्होंने कहा, ''आप चाहे जितनी भी नफरत फैलाएं, ''हम आपके ''नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान'' खोलने के लिए कटिबद्ध हैं।'' गोगोई ने कहा कि सरकार भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने की बड़ी-बड़ी बातें करती है लेकिन यही बात वह आज़ादपुर मंडी के सब्जी विक्रेता को समझाएं जिसके लिए गुजारा करना मुश्किल हो रहा है।''

इण्डिया ने पीयूष गोयल के

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि ''मादी सरकार आपसी सहमति से मणिपुर पर तुरंत चर्चा से लगातार इंकार कर रही है। सदन के नेता पीयूष गोयल भी उन ऐतराज योग्य और अस्वीकार्य टिप्पणियों के लिए माफी मांगने से इंकार कर रहे हैं जो उन्होंने इंडिया पार्टियों के नेताओं के खिलाफ कीं।

राज्यसभा की कार्रवाई 2 बजे तीसरी बार स्थगित हुई, जब विपक्ष सत्तारूढ़ पार्टी के इस आरोप पर शोरगुल मचा रहा था कि कांग्रेस एवं उसके सहयोगी भारत में चीन का प्रोपेगण्डा फैला रहे हैं।

पीयूष गोयल ने कहा था, ''कांग्रेस और उसकी अंहकारी सहयोगी पार्टियां चीन के मीडिया का समर्थन कर एक साजिश रच रहे हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है। इस मुद्दे पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। अहंकारी गठबंधन पार्टियां एक दूसरे का सहयोग कर रही है। वे देश के विरूद्ध प्रोपेगण्डा का वित्तपोषण कर रहे है। राहुल गांधी का चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से क्या संबंध है। देश को पता होना चाहिए कि वे भारत के साथ हैं या चीन के साथ.....

गोयल ने यह टिप्पणी तब की जब भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने न्यूज़क्लिक से संबंधित न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट का मुद्दा उठाया। सभापति ने सदन को सूचित किया कि जयराम रमेश उनसे कक्ष में मिले थे और बताया था कि पीयूष गोयल ने अशोभनीय शब्द कहे। उन्होंने कहा, ''मुझे इसका परीक्षण करने दीजिए। यह सदन के रिकॉर्ड में नहीं रहेगा।'' गोयल ने भी सभापति से निवेदन किया कि अगर उन्होंने सदन में कोई असंसदीय टिप्पणी की है तो उसे कार्रवाई से निकाल दिया जाय।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा, ''कृपया उनकी (गोयल की) टिप्पणी का परीक्षण कीजिए। हम पर गद्दार होने और पैसे लेने के आरोप लगाए जा रहे है। सर यह सब क्या हैं? ''विपक्ष के विरोध और नारेबाजी के बीच आसन ने कार्रवाई 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908